प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

मनुष्य अपने विश्वास से निर्मित होता है,
जैसा वो विश्वास करता है
वैसा वो बन जाता है!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

पूर्वांचल सूर्य

आवाज आज की, नज़र कल पर

रांची ➤दिल्ली➤देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 17 | अंक 210 | दैनिक | रांची | बुधवार 13 मार्च 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

नायब सिंह सैनी बने हरियाणा के 11वें सीएम

5 मंत्रियों ने शपथ ली, सभी पिछली कैबिनेट में थे, सैनी ने खट्टर के पैर छुए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद नायब सिंह सैनी ने मंगलवार शाम हरियाणा के 11वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। शपथ से पहले उन्होंने मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के पैर छुए। सैनी के बाद कंवर पाल, मूलचंद शर्मा, रणजीत सिंह चौटाला, जयप्रकाश दलाल और डॉ. बनवारी लाल ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। ये पांचों खट्टर कैबिनेट में भी थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के इस्तीफे के बाद विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें सैनी को नेता चुना गया। फिर 54 साल के नायब सिंह सैनी ने राजभवन पहुंचकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। सैनी ने विधायक दल का नेता चुने जाने पर पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार व्यक्त किया। सैनी मनोहर लाल के करीबी हैं। 27

अक्टूबर 2023 को ही उन्हें हरियाणा भाजपा का अध्यक्ष बनाया गया था। मनोहर लाल ने बीजेपी और जननायक जनता पार्टी का गठबंधन टूटने के बाद मंगलवार सुबह 11.50 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। जेजेपी ने भी दिल्ली में अपने विधायकों की बैठक बुलाई। पार्टी के 10 में से 5 विधायक इस बैठक में नहीं पहुंचे। बताया जा रहा है कि ये सभी बीजेपी के संपर्क में हैं। जजपा कल हिसार में रैली कर अगली रणनीति का ऐलान करेगी। जेजेपी लोकसभा चुनाव में हरियाणा में 1 से 2 सीटें मांग रही थी जबकि बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व और राज्य संगठन सभी 10 सीटों पर खुद लड़ने के पक्ष में है। यही गठबंधन टूटने की वजह बनी। जेजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और हरियाणा के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला सोमवार को दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले थे, लेकिन सीट शेयरिंग पर बात नहीं बनी। दुष्यंत ने दिल्ली में अमित शाह से दोबारा मिलने का समय मांगा है। हालांकि ये मुलाकात होगी या नहीं, ये पक्का नहीं है। हरियाणा में जजपा से गठबंधन टूटा लेकिन बहुमत भाजपा के ही पास है। हरियाणा में 90 विधानसभा सीटें हैं। जिसमें से भाजपा के पास खुद के 41 एमएलए हैं। 6 निर्दलीय और एक हलोपा विधायक का भी उसे समर्थन हासिल है। यानी भाजपा के पास 48 विधायक हैं। बहुमत के लिए 46 सीटें चाहिए।

जैसलमेर में क्रैश हुआ तेजस, पायलट सुरक्षित

आबादी वाले इलाके में गिरा लड़ाकू विमान, लगी आग

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में युद्धाभ्यास के बीच मंगलवार को हादसा हो गया। भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान तेजस दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि यह लड़ाकू विमान युद्धाभ्यास में शामिल था। गनीमत रही की पायलट विमान के गिरने से पहले निकलने में कामयाब रहे। हालांकि, समय पर पैराशूट नहीं खुलने की वलजह से एक पायलट जख्मी हैं। वायु सेना की ओर से बयान जारी करके दुर्घटना के बारे में जानकारी दी गई है। वायुसेना की ओर से कहा गया, भारतीय वायुसेना का एक तेजस विमान जैसलमेर में आज एक ऑपरेशनल ट्रेनिंग उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित रूप से निकल गए। दुर्घटना की वजह का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन किया गया है। जैसलमेर शहर के बीच जवाहर कॉलोनी के पास यह विमान आबादी के बीच आग का गोला बनकर गिरा।

संदेशखाली केस में शाहजहां शेख पर कस रहा शिकंजा

- **सीबीआई ने डाला घेरा, तीन करीबियों को किया गिरफ्तार**

कोलकाता (एजेंसी)। संदेशखाली केस में आरोपी और टीएमसी से बर्खास्त नेता शाहजहां शेख ने सीबीआई की टीम के सामने कई राज उगले हैं। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने सोमवार को शेख के तीन करीबियों को गिरफ्तार किया। इसमें सुरक्षा गार्ड सहित उनके तीन कथित सहयोगी शामिल हैं। इनकी प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर 5 जनवरी को हुए हमले में संलिप्तता सामने आई है। केंद्रीय एजेंसी ने शेख के सुरक्षा गार्ड दीदार बख्श मोल्ला को हिरासत में ले लिया है, जो हमलों के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा दर्ज की गई तीन एफआईआर में से एक में शिकायतकर्ता है। ये एफआईआर कलकत्ता हाई कोर्ट ने सीबीआई को सौंप दी हैं। बख्श मोल्ला के अलावा, सीबीआई ने सरबेरिया गांव के पंचायत प्रधान जयउद्दीन मोल्ला और एक अन्य व्यक्ति फारुक अकुंजी को भी गिरफ्तार किया है।

भारत में बने हथियारों ने भारत-पाक बॉर्डर पर दिखाई अपनी ताकत

100 ड्रोन ने एक साथ किया हमला, मोदी बोले-ये नए भारत की शक्ति

जैसलमेर (एजेंसी)। एशिया की सबसे बड़ी फील्ड फायरिंग रेंज में मंगलवार को तीनों सेनाओं ने भारत शक्ति युद्धाभ्यास के जरिए भारत में बने हथियारों की ताकत दिखाई। इस युद्धाभ्यास को देखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जैसलमेर जिले के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में पहुंचे। युद्धाभ्यास में ध्रुव हेलीकॉप्टर भारतीय सेना के कमांडों को दुश्मनों के ठिकानों तक ले गया और वहां जवानों ने आतंकियों का खात्मा किया। वहीं, तेजस विमान ने दुश्मन के टैंकों पर हमला बोलकर उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया। इसके साथ ही पिनाका मिसाइल, नाग मिसाइल, मल्टि यूटिलिटी व्हीकल और ड्रोन हमलों से दुश्मन के ठिकानों पर हमले किए गए।

विकसित होना है तो आत्मनिर्भर बनना होगा

मोदी ने कहा कि विकसित भारत की कल्पना आत्मनिर्भर भारत के बिना संभव ही नहीं है। भारत को विकसित होना है तो हमें दूसरों पर अपनी निर्भरता को कम करना होगा। इसलिए आज भारत खाने के तेल से लेकर आधुनिक लड़ाकू विमान तक हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर बल दे रहा है। यह युद्धाभ्यास इसी संकल्प का हिस्सा है। आज मेक इन इंडिया की सफलता हमारे सामने है। हमारी तोपों, टैंकों, लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टर, मिसाइल सिस्टम की जो गर्जना आप देख रहे हैं, यही तो भारत शक्ति है।

महोबा में पहाड़ ब्लास्ट करते समय हादसा, 3 की मौत

मलबे में दबकर 7 मजदूर घायल, ब्लास्ट करने के लिए छेद किए जा रहे थे, तभी धंसा पहाड़

महोबा (एजेंसी)। महोबा में खनन के लिए पहाड़ में ब्लास्ट करने के दौरान 3 लोगों की मौत हो गई। जबकि मलबे में फंसे 7 मजदूरों को पुलिस-प्रशासन की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। हादसा कबरई थाना क्षेत्र के पहरा गांव के पास हुआ है। बताया जाता है कि इस पहाड़ पर 500 फीट की गहराई पर विस्फोटक लगाने का काम हो रहा था। तभी अचानक पहाड़ के एक हिस्से में दरार आ गई और वो भरभरा कर गिर गया। हादसे के वक्त 10-11 लोग काम कर रहे थे। सभी मजदूर मलबे में दब गए। हादसे की सूचना अन्य लोगों ने पुलिस को दी। आनन फानन में 4 थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा और मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। उधर, हादसे की जानकारी पाकर मृतकों और घायल मजदूरों के परिवार वाले रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। वे लोग लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे।

नंदुरबार में राहुल ने किया जाति जनगणना-आर्थिक सर्वे का वादा

14 साल बाद गांधी परिवार पहुंचा आधार कार्ड यहीं से लॉन्च हुआ था

मुंबई (एजेंसी)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अंतिम चरण में महाराष्ट्र के नंदुरबार पहुंची। यह जगह कभी कांग्रेस का गढ़ हुआ करती थी। मंगलवार को राहुल ने आदिवासी न्याय सम्मेलन में अपने भाषण की शुरुआत जय आदिवासी कहकर की। इस दौरान राहुल ने कहा- अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो जाति जनगणना और आर्थिक सर्वे कराएगी। साथ ही वन अधिकार अधिनियम को भी मजबूत करेगी। राहुल ने कृषि और वन उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाला कानून लाने का भी वादा किया। नंदुरबार वही सीट है, जहां 47 साल तक कांग्रेस को कोई हरा नहीं पाया था। पिछली बार 2010 में सोनिया गांधी ने नंदुरबार का दौरा किया था। करीब 14 साल बाद गांधी परिवार से कोई सदस्य यहां पहुंचा है। यह जगह इसलिए भी खास है, क्योंकि 2010 में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने आधार कार्ड की लॉन्चिंग नंदुरबार के तेंभली गांव से की थी। राहुल ने यात्रा के दौरान कहा- भाजपा ने वन अधिकार अधिनियम, भूमि अधिग्रहण अधिनियम जैसे कानूनों को कमजोर कर दिया है। हम न केवल उन्हें मजबूत करेंगे बल्कि यह सुनिश्चित करेंगे कि आदिवासियों के दावों का निपटारा एक साल के भीतर किया जाए। राहुल ने आरोप लगाया कि बीजेपी की सरकारों ने हजारों दावों को गलत तरीके से खारिज किया।

आतंकवादियों और गैंगस्टरों के नेक्सस पर कठोर कार्रवाई

- **देश के 4 राज्यों में कुल 30 ठिकानों पर एनआईए का छापा**

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकवादी-गैंगस्टर सांठगांठ मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कठोर कार्रवाई की है। एनआईए ने मंगलवार को चार राज्यों पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में कुल 30 स्थानों पर रेड मारी है और वहां व्यापक तलाशी ले रही है। फिलहाल ये कार्रवाई जारी है। समाचार एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। एनआईए पंजाब के मोगा जिले में भी अलग-अलग ठिकानों पर रेड कर रही है। इस दौरान राष्ट्रीय जांच एजेंसी के साथ पंजाब पुलिस भी मौजूद है। मोगा के गांव बिलासपुर में भी एनआईए टीम रेड कर रही है। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आतंकवादी-गैंगस्टर सांठगांठ मामले की जांच के तहत मंगलवार को चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में तलाशी ली है।

कांग्रेस की दूसरी लिस्ट जारी, 6 राज्यों के 43 नाम

- **13 ओबीसी, एक मुस्लिम उम्मीदवार; नकुलनाथ छिंदवाड़ा से, वैभव गहलोत जालोर से चुनाव लड़ेंगे**

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को लोकसभा उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट का ऐलान कर दिया। इसमें 43 उम्मीदवारों के नाम हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ को छिंदवाड़ा से तो राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को जालोर से टिकट दिया गया है। इससे पहले 8 मार्च को जारी कांग्रेस की पहली लिस्ट में 39 नामों का ऐलान किया गया था। इस तरह कांग्रेस अब तक 82 नामों का ऐलान कर चुकी है। लिस्ट में 76.7 फीसदी उम्मीदवारों की उम्र 60 साल से कम है। वेणुगोपाल ने कहा, हमने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची पहले ही घोषित कर दी है।

कांग्रेस की सूची इस प्रकार है

राज्य	सीट	उम्मीदवार
मध्य प्रदेश	छिंदवाड़ा	नकुलनाथ
मध्य प्रदेश	भिंड	फूल सिंह बरैया
मध्य प्रदेश	टीकमगढ़	पंकज अहिरवार
मध्य प्रदेश	सीधी	कमलेश्वर पटेल
मध्य प्रदेश	मंडला	ओमकार सिंह मरकाम
मध्य प्रदेश	देवास	राजेंद्र मालवीय
मध्य प्रदेश	धार	राधेश्याम मुवेल
मध्य प्रदेश	खरगोन	पोरलाल खरते
मध्य प्रदेश	बैतूल	रामू टेकाम
मध्य प्रदेश	सतना	सिद्धार्थ कुशवाहा
राजस्थान	बीकानेर	गोविंद राम मेघवाल
राजस्थान	चूरू	राहुल कस्वां
राजस्थान	झुंझुनू	बृजेंद्र ओला
राजस्थान	अलवर	ललित यादव
राजस्थान	भरतपुर	संजना जाटव
राजस्थान	टोंक सवाई माधोपुर	हरीश चंद्र मीणा
राजस्थान	जोधपुर	करण सिंह उचियारड़ा
राजस्थान	जालौर-सिरोही	वैभव गहलोत
राजस्थान	उदयपुर	ताराचंद मीणा

31 पर लड़ेगी भाजपा, 13 सीटें शिवसेना के नाम!

महाराष्ट्र में बन गई बात, अमित शाह ने करा दी डील

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन यानी भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार कैंप) के बीच सीट शेयरिंग पर मुहर लगने की खबरें हैं। हालांकि, अब तक किसी ने भी आधिकारिक तौर पर आंकड़ों का खुलासा नहीं किया, लेकिन अटकलें हैं कि तीनों दल राज्य 48 सीटों पर उम्मीदवारों को उतारने के लिए तैयार हैं। भाजपा मंगलवार को उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर सकती है। रिपोर्ट में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कैंप के सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि भाजपा 31, शिवसेना 13 और एनसीपी 4 सीटों पर लड़ेगी। सूत्रों ने कहा, महायुति गठबंधन समझौते पर पहुंच गया है, जहां भाजपा 31 सीटों, शिवसेना 13 और अजित पवार की एनसीपी 4 सीटों पर लड़ेगी। पवार को बारामती, शिरूर और रायगढ़ के साथ-साथ परभणी भी दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शिवसेना 13 सीटों पर मैदान में उतरेगी, जिसके बदले में भाजपा को मुंबई की 5 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का मौका मिलेगा। खबर है कि शिंदे सेना ने उत्तर-पश्चिम मुंबई सीट के स्थान पर ठाणे सीट चुनी है। इसे सीएम शिंदे का गढ़ भी माना जाता है। सूत्रों के मुताबिक, डील के तहत शिंदे सेना दक्षिण मध्य लोकसभा सीट से मैदान में उतरेगी। फिलहाल, यहां से राहुल शेवाले सांसद हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 10 नई वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

अहमदाबाद में 85 हजार करोड़ की योजनाओं का किया इनॉगरेशन

साबरमती में कोचरब आश्रम का उद्घाटन, मास्टर प्लान का शुभारंभ

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अहमदाबाद में 85 हजार करोड़ रुपए की रेल प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया। उन्होंने देशभर के विभिन्न राज्यों से चलने वाली 10 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद उन्होंने साबरमती आश्रम में कोचरब आश्रम का उद्घाटन किया और गांधी आश्रम स्मारक के मास्टर प्लान का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा- पूज्य बापू का ये साबरमती आश्रम हमेशा से ही एक अप्रतिम ऊर्जा का जीवंत केंद्र रहा है। जब-जब यहां आने का अवसर मिलता है, तो बापू की प्रेरणा हम अपने भीतर स्पष्ट रूप से अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने कहा- आज 12 मार्च की ऐतिहासिक तारीख भी है।

5 एकड़ में सिमट गया था साबरमती आश्रम

अभय घाट में अपने संबोधन में उन्होंने कहा- साबरमती आश्रम 120 एकड़ में फैला था, जो धीरे-धीरे अतिक्रमण के चलते 5 एकड़ जमीन में सिमट गया था। एक समय यहां छोटे-बड़े 63 घर बन गए थे। हमने यहां की 55 एकड़ जमीन मुक्त करवाई। पहले की सरकारों ने यहां की विरासत को बचाने की कोशिश ही नहीं की। इसका कारण उनकी तुष्टीकरण की नीति थी। इसी के चलते हमारे देश की महान धरोहर ऐसे ही तबाह होती चली गई। अतिक्रमण, अस्वच्छता और अव्यवस्था ने हमारे देश की महान विरासत को घेर रखा था, जिसे मुक्त कराने का हमारा अभियान जारी है।

तमिलनाडु में और मजबूत हुआ भाजपा का कुनबा

- **लोकसभा चुनाव से पहले मिला एक और पार्टी का साथ**

चेन्नई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। अब तमिलनाडु में टीटीवी दिनाकरन की अम्मा मक्कल मुनेत्र कझगम पार्टी का साथ भी भाजपा को मिल गया है। एआईएडीएमके से अलग होकर दिनाकरन ने अपनी नई पार्टी बनाई थी। दिनाकरन ने आने वाले आम चुनाव में भाजपा के साथ मिलकर लड़ने का फैसला किया है। दिनाकरन और शशिकला को 2017 में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। दिनाकरन ने कहा, हम ऐलान करते हैं कि हमारी पार्टी का भाजपा केसाथ गठबंधन हो गया है। तमिलनाडु के विकास और केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनाने के लिए हम बिना किसी शर्त के भाजपा के साथ गठबंधन कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि एआईएडीएमके के एक और निष्कासित नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम भी भाजपा गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। एआईएडीएमके के महासचिव एडापड्डी पलानीस्वामी के खिलाफ खड़ होने के लिए ओ पनीरसेल्वम पहले भी भाजपा के समर्थन की बात कह चुके हैं। पार्टी से निष्कासित तीनों ही नेता थेवार समुदाय से आते हैं। तमिलनाडु के दक्षिणी इलाकों में इनकी अच्छी आबादी है। वैसे तो यह वर्ग एआईएडीएमके का पुराना समर्थक रहा है।

एनटीपीसी में आधुनिक कृषि खेती और तकनीकी पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

प्रतिनिधि,बड़कागांव। कौशल वृद्धि के माध्यम से सामुदायिक विकास के लिए अपनी चल रही प्रतिबद्धता के एक हिस्से के रूप में, पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने ग्रामीणों के लिए ÷आधुनिक कृषि खेती और तकनीक÷ पर 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। यह परिवर्तनकारी पहल ÷आधुनिक कृषि खेती और तकनीकों÷ पर केंद्रित थी और हज़ारीबाग़ में होली क्रॉस कृषि विज्ञान ट्रस्ट में आयोजित की गई थी। यह आवश्यक कार्यक्रम 13 मार्च, 2024 को समाप्त होगा। नवीनतम कृषि पद्धतियों के साथ ग्रामीण ग्रामीणों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से,

कार्यक्रम ने टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने और ग्रामीण समुदायों की आजीविका में सुधार के लिए एनटीपीसी के समर्पण को रेखांकित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में 35 प्रतिभागियों के एक विविध समूह का स्वागत किया गया, जिसमें 31 महिला और 4 पुरुष किसान शामिल थे, जिन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों की अपनी समझ को व्यापक बनाने के लिए उत्सुकता से नामांकन कराया। संसाधन प्रबंधन, मशरूम की खेती (ऑयस्टर, मिल्की और बटन), मौसमी सब्जियों की खेती, ग्राफ्टिंग, पौध नर्सरी तैयार करना, कीट और रोग नियंत्रण, फल और सब्जी मूल्य संवर्धन सहित कृषि के विभिन्न पहलुओं में व्यापक अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया था। , वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन, और नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों का एकीकरण। यह कार्यक्रम एस.के. की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय किसानों को फसल की पैदावार बढ़ाने, कृषि उत्पादकता में सुधार करने और अंततः उनकी आजीविका में सुधार करने के लिए उन्नत तकनीकी जानकारी से लैस करना है। उक्त आशय कि जानकारी एनटीपीसी के पीआरओ दिलीप ठाकुर ने दी।

अवैध होर्डिंग,होल्डिंग टैक्स एवं ट्रेड लाइसेंस की हुई जांच

प्रतिनिधि, हज़ारीबाग। नगर निगम की टीम द्वारा मटवारी चौक से ऐ.के. इंटरनेशनल तक विभिन्न स्थानों पर लगाये गए अवैध होर्डिंग हटाया गया। जिसमें एल आई सी गेट,शिव शक्ति मेडिकल , सनराइज,टाइड ,एस एन फ़ास्ट फूड, पैराडाइस, महाराजा जी,ओम शांति जेनेरल स्टोर,अरुण आइस क्रीम, कैप्चर मूवमेंट,न्यू यूनिक फैशन के होर्डिंग हटाया गया।कुछ होर्डिंग जैसे कैप्चर मूमेंट,यूनीक फैशन ,महाराजा , मा ऑप्टिकल,एस एन चाइनीज़,उदय डिजिटल स्टूडियो,सिमरन मेकअप , एक्सइड ने भुगतान कर होर्डिंग को वैध कराया गया, जिससे करीब 30000 रुपए राजस्व की प्राप्ति हुई। साथ ही वहां ट्रेड लाइसेंस , एवं होल्डिंग टैक्स के बड़े बकायदारों की जांच की गई।अभियान के दौरान प्रशिक्षु आई.ए. एस. सुलोचना मीणा, सहायक नगर आयुक्त अनिल पांडेय, नगर प्रबंधक फरहत अनिसी, सहायक धर्मेन्द्र राय, रितिका के शेखर उपस्थित थे।

घर की चाहरदीवारी के अंदर घुसकर चेन की छिनतई

प्रतिनिधि,हरमू (रांची)। हरमू हाउसिंग कॉलोनी, मकान संख्या एच आई - 81 में ग्राहक के वेश में आया नवयुवक ने अवकाश प्राप्त इंजीनियर विजय कुमार सिन्हा की धर्म पत्नी की गर्दन से सोने का चेन खींचकर फरार हो गया। उक्त घटना दोपहर 12-24 की है। काले रंग की पल्सर बाइक पर सवार दो युवक मकान परिसर में कलम खरीदने के लिए दाखिल हुए। कलम खरीदा और पैसा भी भुगतान किया। स्टेशनरी दुकान के बाहर विजय कुमार सिन्हा की धर्मपत्नी खड़ी थी मौका देखकर उनकी गर्दन से चेन झपट लिया और बाहर खड़ी पल्सर पर अपने दूसरे साथी के साथ फरार हो गए। दोनों युवक हेलमेट से अपना चेहरा छुपा रखे थे। अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। पुलिस अपराधी की तलाश कर रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से मिलीं राजद महिला प्रकोष्ट की प्रदेश अध्यक्ष रानी कुमारी

- आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा
- महागठबंधन को मजबूत करने की रणनीति पर विचार-विमर्श

वरीय संवाददाता रांची। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल (महिला प्रकोष्ठ) की प्रदेश अध्यक्ष रानी कुमारी ने मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से एचईसी आवासीय परिसर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस क्रम में श्री सहाय ने आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महागठबंधन को मजबूत करने के लिए रानी कुमारी को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

रानी ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए अभी से ही जनसंपर्क अभियान शुरू करने का निर्देश दिया। रानी कुमारी ने चुनाव में महागठबंधन की सफलता के लिए जनसंपर्क अभियान शुरू करने का आश्वासन दिया।

बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के ठिकानों पर ईडी की हुई छापामारी

- हजारीबाग के पूर्व सीओ शशि भूषण सिंह के रांची ठिकाने पर भी छापा

प्रतिनिधि,हजारीबाग। 12 मार्च को ईडी की टीम ने 17 जगह पर छापामारी किया जिसमें बड़का गांव के विधायक अंबा प्रसाद की कई ठिकानों पर छापामारी किया गया। जिसमें अंबा प्रसाद के रिश्तेदार भी नहीं बक्शे गए। अंबा प्रसाद के नजदीकी राजेंद्र साहू एवं रूद्र राणा घर पर भी छापामारी किया गया। साथ ही साथ विधायिका अंबा प्रसाद के रिश्तेदार चाचा, नाना एवं मामा के घर में भी ईडी की दस्तक पड़ी। जहां कई दस्तावेज एवं नगद मिलने की आशंका जताई गई। वहीं कटकमदाग चुरचु एवं सदर अंचल में कार्यरत पूर्व अंचल अधिकारी शशिभूषण सिंह के रांची हवाई नगर रोड नंबर 6 में एड की टीम द्वारा छापामारी किया गया ।जहाँ कई दस्तावेज एवं लगभग 20 लाख नगद, बरामद किया गया ।

अंचल अधिकारी शशि भूषण सिंह के यहां किया गया गहन छपामारी- रांची के हवाई नगर रोड नंबर 6 में सुबह से ही अंचलाधिकारी शशिभूषण सिंह के यहां ईडी की छापेमारी जारी है। जानकारी के अनुसार उनके आवास से करीब 20 लाख रुपये नगद मिले हैं। रुपयों की गिनती जारी है। आवास के अंदर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। छापेमारी लगातार जारी है। हजारीबाग के चुरचू कटकम दाग एवं सदर तीन-तीन प्रखंड में ये सीओ के पद पर तैनात थे।उसके बाद गोविंदपुर में इनकी पोस्टिंग हुई। हजारीबाग में इनकी तो इनके नाम के खूब चर्चे थे। भ्रष्टाचार के कई मामलों में इनके नाम जुड़ते रहे हैं। इसके बाद भी कार्रवाई होने के स्थान पर इनको एक के बाद एक प्रमोशन हासिल होता गया।

झारखंड में फिर से ईडी ने दबिश दी है। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद और सीओ शशिभूषण सिंह के कई ठिकानों पर एक साथ ईडी की टीम रेड कर रही है। छापेमारी धुर्वा सहित राजधानी रांची के कई इलाकों में एक साथ जारी है। जो जानकारी हो पाई है उसके मुताबिक 17 ठिकानों पर यह छापेमारी चल रही है।

पंचमुखी हनुमान मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए हर्ष अजमेरा

- भेंट किया साउंड सिस्टम

प्रतिनिधि, हजारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखंड के कंचनपुर पंचायत में पंचमुखी हनुमान मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम प्रारंभ है इस बीच शहर के युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंदिर समिति के अध्यक्ष, सचिव सहित तमाम पदाधिकारी के द्वारा हर्ष अजमेरा का स्वागत किया गया। इसके बाद श्री अजमेरा ने मंदिर में पूजा अर्चना कर सदर विधानसभा क्षेत्र की जनता जनार्दन के सुख शांति समृद्धि की मंगल कामना

किया। इसके बाद मंदिर समिति को हर्ष अजमेरा ने साउंड सिस्टम भेंट किया। ताकि प्रातः काल और संध्या काल की आरती जन जन के घरों तक पहुंच कर शुद्ध वातावरण मनमोहित करें। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को नागर भ्रमण का कार्यक्रम किया गया वहीं शनिवार को कलश यात्रा निकला गया था।मौके पर हर्ष अजमेरा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होने से हमारे मन को काफी प्रसन्नता मिलती है, प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान मंदिर समिति को साउंड सिस्टम भेंट किया ताकि मंदिर की प्रातः काल और संध्या काल की आरती आसपास के घरों तक पहुंच कर शुद्ध वातावरण से मनमोहित करें। मंदिर समिति के सदस्यों के साथ में सदैव खड़ा हूं।मौके पर मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले 5 वर्षों से पंचमुखी मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ था। सभी के सहयोग से मंदिर बन कर तैयार है। मंदिर समिति विशेष रूप से युवा समाज सेवी हर्ष अजमेरा का आभार प्रकट करती है इन्होंने मंदिर समिति को मंगलवार को साउंड सिस्टम प्रदान किया है।

ग्रामीण विकास विभाग के 18वें सचिव के रूप में के.श्रीनिवासन ने किया पदभार ग्रहण

वरीय संवाददाता रांची। के. श्रीनिवासन ने मंगलवार को ग्रामीण विकास विभाग के 18 वें सचिव के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर निवर्तमान सचिव चंद्रशेखर ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

पदभार लेने के बाद सचिव के श्रीनिवासन ने सभी पदाधिकारियों के साथ औपचारिक मुलाकात की और उनका परिचय प्राप्त किया।

इस अवसर पर मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी, संयुक्त सचिव अवध नारायण प्रसाद, अरुण कुमार सिंह , विशेष सचिव राजेश कुमार राय सहित अन्य पदाधिकारीगण मौजूद थे।

महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के हित संरक्षण के लिए समर्पित रानी कुमारी को महिला आयोग का चेयरमैन बनाएं : शारदा देवी

विशेष संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय जनता दल (महिला प्रकोष्ठ) की चतरा जिला अध्यक्ष व लोकप्रिय सामाजिक कार्यकर्ता शारदा देवी ने राजद महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रानी कुमारी को झारखंड राज्य महिला आयोग का चेयरमैन बनाने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में एक विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि रानी कुमारी महिला सशक्तिकरण एवं महिला हितों के संरक्षण के प्रति समर्पित शख्सियत हैं। विगत लगभग तीन दशक से महिला हितों के संरक्षण और महिलाओं को समुचित सम्मान व अधिकार के लिए संघर्षरत हैं। समाज में व्याप्त कुप्रथाओं, अंधविश्वास आदि के

खिलाफ निरंतर जागरूकता अभियान चला रही हैं। महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, डायन-बिसाही कुप्रथा पर अंकुश लगाने की दिशा में वह सतत प्रयासरत हैं। शारदा देवी ने कहा कि झारखंड में महिला आयोग में शीर्ष पदों पर नियुक्ति नहीं होने से महिला हितों का अपेक्षित संरक्षण नहीं हो पा रहा है।

महिलाओं को उनका वाजिब हक नहीं मिल पा रहा है।

आयोग में योग्य, कुशल व अनुभवी महिला को चेयरमैन बनाने से महिलाओं को समुचित सम्मान संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि रानी कुमारी इस पद के लिए सबसे उपयुक्त महिला हैं। उन्हें इस पद की जिम्मेदारी सौंपे जाने से महिलाओं को उचित न्याय मिल पाएगा।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में राजद महिला प्रकोष्ठ का प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मिलकर ज्ञापन सौंपेगा।

बड़कागांव विधायक अम्बा प्रसाद के आवास पर इडी की छापेमारी

प्रतिनिधि, हजारीबाग। हज़ारीबाग प्रवर्तन निदेशालय के रडार पर हजारीबाग से बड़कागांव की कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद आ गई हैं। कांग्रेस विधायक के खिलाफ ईडी के रांची जोनल आफिस में मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर ईडी के डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारी ने पुलिस से अंबा के खिलाफ दर्ज सारे एफआईआर की जानकारी मांगी थी।हजारीबाग से बड़कागांव की कांग्रेस विधायका अंबा प्रसाद के घर अहले सुबह से ही प्रवर्तन निदेशालय की 10 से 12 सदस्य टीम ने दस्तक दी है आपको बता दे कि हजारीबाग के हुरहुरु स्थित विधायक अंबा प्रसाद के घर ईडी की टीम कार्रवाई कर रही है । जहां उनके विभिन्न कागजातों को खंगाला जा रहा है साथ ही साथ प्रॉपर्टी की भी जांच की जा रही है।आपको यह भी बता दे की विधायक अंबा प्रसाद के करीबी माने जाने वाले राजेंद्र साव के कानी बाजार स्थित घर में भी ईडी की आठ सदस्य टीम सुबह से ही छापेमारी अभियान को अंजाम दे रही है।वहीं विधायक अंबा प्रसाद के चाचा और मामा के घर भी परिवर्तन निदेशालय की टीम पहुंची है वहां भी जांच अभियान को अंजाम दे रही है । सभी जांच स्थलों पर ईडी की टीम 8 से 10 की संख्या में पहुंची है उनके साथ सीआरपीएफ के जवान मौजूद हैं । आपको यह भी बता दे की किसी भी जांच स्थल से लोगों को बाहर जाने की अनुमति नहीं प्रदान की गई है सभी को घर में ही रखा गया है और पूछताछ की जा रही है।हजारीबाग के बड़कागांव से कांग्रेस की विधायिका है अंबा प्रसाद इनके पिता योगेंद्र साव झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री भी रह चुके हैं जो कुछ दिन पूर्व ही रिहा होकर बाहर आए हैं।

वैश्य मोर्चा ने मुख्यमंत्री व चार मंत्रियों को सौंपा मांग-पत्र

- ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण सहित वैश्य आयोग के गठन की मांग

विशेष संवाददाता रांची। मंगलवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु के नेतृत्व में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को नौ सूत्री मांग-पत्र दिया गया। मांग-पत्र की कॉपी ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता एवं पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर को भी एक बार फिर सौंपा गया। वैश्य मोर्चा ने नौ सूत्री मांग-पत्र सौंप कर ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, जाति आधारित जनगणना कराने, छोटे दुकानदारों की 10 लाख रुपये तक की ऋण माफ करने, वैश्य समाज के लोगों की लूटी गयी जमीन वापस दिलाने, ऑनलाइन मार्केटिंग पर रोक लगाने, वैश्यों पर हो रहे हमलों, हत्या, रंगदारी, लूट की घटनाओं पर रोक लगाने तथा वैश्य समाज को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। मांग पत्र सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, उप प्रधान महासचिव इंदुभूषण गुप्ता, संगठन महासचिव रोहित शारदा, संगठन सचिव अनिल वैश्य, युवा मोर्चा अध्यक्ष हलधर साहु, महिला मोर्चा चतरा जिला अध्यक्ष प्रीति कुमारी साहा, कुलदीप साहु, सुबोध कुमार शामिल थे।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में हुई कृषि,पशुपालन, सहकारिता एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि, रामगढ़। मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त रामगढ़ रॉबिन टोप्पो की अध्यक्षता में कृषि, पशुपालन, सहकारिता एवं संबद्ध विभागों की संयुक्त रूप से समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने प्रखंड वार प्रखंड कृषि पदाधिकारियों, वीएलडब्लू, एटीएम, बीटीएम, किसान मित्रों आदि द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने एवं उनकी समस्याओं के निष्पादन को लेकर कार्य करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

किसानों को सॉइल हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराने के तहत हो रहे हैं कार्यों की समीक्षा करते हुए श

टोप्पो ने सरकार द्वारा चलाये जा रहे कृषि संबंधित योजनाओं के व्यापक प्रचार प्रसार कर ज्यादा से ज्यादा किसानों को योजनाओं से

लाभान्वित करने के उद्देश्य से उन्होंने कृषि, पशुपालन, सहकारिता, मत्स्य विभाग के अधिकारियों को आपस में समन्वय स्थापित करते हुए अधिक से अधिक लाभुकों को लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया वहीं उप विकास आयुक्त ने जिले में एग्री क्लीनिक एवं एग्री स्मार्ट ग्राम की योजना शुरू करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को नियमित रूप से कृषि एवं अन्य संबद्ध विभागों की समीक्षा कर विभिन्न योजनाओं के तहत जिले में हो रहे कार्यों एवं लाभुकों को मिल रहे लाभ का जायजा लेने आदि का निर्देश दिया। बैठक के दौरान कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण कार्यालय को समिति सहाय अनुदान के तहत अगले 60 दिनों तक किए जाने वाले कार्यों को लेकर कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने कृषि ऋण माफी योजना की समीक्षा के दौरान वैसे सभी किसान जो केसीसी का लाभ लिए हैं उन्हें चिन्हित करते हुए जल्द से जल्द योजना का लाभ देने का निर्देश दिया।

कृषि पशुपालन एवं अन्य संबद्ध विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के क्रम में गाय पालन, मत्स्य पालन आदि के लाभुकों को केसीसी के लाभ से आच्छादित करने का निर्देश दिया वहीं मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत जिले में चल रहे कार्यों की विभाग वार समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ देने हेतु लाभुकों का एस्क्रौ खाता खोलने आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इन सबके अलावा बैठक के दौरान मत्स्य, उद्यान, सहकारिता सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

बैठक के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक, परियोजना निदेशक आत्मा, जिला उद्यान पदाधिकारी जिला मत्स्य पदाधिकारी, सहीत अन्य उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने दिया वीएएस सॉफ्टवेयर के उपयोग का निर्देश

वरीय संवाददाता रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सूबे के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों से कहा है कि वे आसन्न लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर पारदर्शी एवं मितव्ययी वाहन प्रबंधन हेतु वाहन प्रबंधन प्रणाली के सार्थक एवं प्रभावी उपयोग के लिए सभी तैयारियां समय पूर्व पूरी कर लें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित वीएमएस

सॉफ्टवेयर के उपयोग से चुनाव हेतु प्रयुक्त किये जाने वाले वाहनों के लिए अधिग्रहण से लेकर प्रचालन, अग्रिम भुगतान, ईंधन की उपलब्धता से लेकर वाहन मालिक सहित पेट्रोल पंप मालिकों के लिए पारदर्शी तरीके से ऑनलाईन भुगतान संभव हो सकेगा। इस बाबत मंगलवार को सभी जिलों के वाहन कोषांग के प्रभारी पदाधिकारियों एवं संबंधित कर्मियों का ऑनलाईन प्रशिक्षण सत्र सम्पन्न हुआ।

पेट्रोल पंपों के डीलरों का कमीशन में बढ़ोतरी करें सरकार- राजहंस मिश्रा

पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने सरकार से लगायी गुहार

प्रतिनिधि, रांची। पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन साउथ छोटानागपुर के अध्यक्ष राजहंस मिश्रा ने कहा कि 2017 के बाद से डीलर कमीशन में बढ़ोतरी नहीं हुई है, किंतु पेट्रोल डीजल के मूल्य में बेतहाशा वृद्धि हुई है। जिससे पंप के संचालन में खर्च बढ़ जाने के कारण पंप को चलाना अत्यंत कठनाई भरा हो गया है। सरकार से आग्रह है कि डीलर कमीशन में बढ़ोतरी किया जाये। श्री मिश्रा मंगलवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बैंक का ब्याज अत्यधिक बढ़ गया है। निवेश पर प्रतिफल कम है। महंगाई के कारण वेतन में बढ़ोतरी, विभिन्न सब्सिडी हटाना, निःशुल्क सेवा उपकरणों का रख रखाव, साउंड बॉक्स किराये की तरह डिजिटल लेनदेन का खर्च, ईलॉक्स का किराया, सीसीटीवी कैमरे का खर्च, सौंदर्यीकरण, सुरक्षा उपकरणों का खर्च, बिक्री संवर्धन योजनाएं का खर्च, कर्मचारी कल्याण का खर्च, नकद प्रबंधन शुल्क, टैंक लॉरी ड्राइवर और क्लीनर टिप का खर्च, विशेषज्ञ सलाहकार शुल्क, बीमा लागत, बढ़ी हुई बिजली दर, जनरेटर का खर्च आदि डीलरों के लिए अब मुश्किल हो गया है।

ऑयल कंपनियां डीलरों में बनाती है दबाब : श्री मिश्रा ने कहा कि ऑयल कंपनियां अपने सभी डीलरों के ऊपर आवश्यकता से अधिक ब्रांडेड फ्यूल बेचने, क्षमता से अधिक लुब्रिकेंट उठाव का दबाव एवं नॉन फुपलिंग उत्पाद जैसे टायर, बैटरी इत्यादि पंपों पर बेचने को बाध्य कर रहीं है। प्रदूषण जांच केंद्र स्थापित करना हर पंपों पर अनिवार्य कर दिया गया है। करीब 95 फीसदी पंपा पर प्रदूषण जांच के लिए वाहन जाते ही नहीं है। केंद्र संचालित करने वाले स्टाफ का पेमेंट भी डीलर प्रदूषण जांच केंद्र से नहीं निकाल पा रहे है। जांच केंद्र के नवीनीकरण में भी बहुत दिक्कत होती है। ऊपर से परिवहन विभाग द्वारा निर्गत डीटीओ लाइसेंस के नवीनीकरण प्रदूषण जांच केंद्र को ले कर नहीं किया जाता है या रद्द करने का फरमान जारी कर दिया जाता है। नया लाइसेंस बनवाते वक्त भी प्रदूषण केंद्र स्थापित करने को कहा जाता है। परिवहन सचिव से मिल कर इस के निराकरण हेतु मांग पत्र सौंपी जायेगी। प्रेसवार्ता में नीरज भट्टाचार्य, कमलेश सिंह, निपुण मृणाल, प्रवीण चौधरी, प्रशांत चौधरी, राहुल जायसवाल, पुनीत चड्ढा, नरेंद्र कुमार, आयुष और जेपीडीए के प्रवक्ता प्रमोद कुमार मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया मल्टी कार्गो टर्मिनल का ऑन लाइन उद्घाटन

प्रतिनिधि, पाकुड़। पाकुड़ के लोटामारा गांव में स्थित कोयला रेलवे साइडिंग में कोल ब्लॉक के अधिकारी और हावड़ा रेल मंडल के अधिकारियों की उपस्थिति में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम गति शक्ति योजना के अंतर्गत मल्टी कार्गो टर्मिनल का ऑनलाइन उद्घाटन किया। कहा जा रहा है कि इस टर्मिनल से 6 मिलियन टन से अधिक कोयला का ट्रांसपोर्ट होगा जिससे राज्य व देश को रेवेन्यू में वृद्धि होगी। आने वाले समय में इस टर्मिनल से लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इस दौरान रेलवे साइडिंग परिसर में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

केकेएम कॉलेज में हुआ विदाई समारोह का आयोजन

प्रतिनिधि, पाकुड़। मंगलवार को पाकुड़ स्थित केकेएम कॉलेज के प्राचार्य कक्ष में भौतिक शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ श्याम किशोर सिंह के विदाई के अवसर पर एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर शिव प्रसाद लोहरा ने उन्हें अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर प्राचार्य शिवप्रसाद लोहरा ने कहा कि डॉ श्याम किशोर सिंह एक युवा हृदय के व्यक्ति हैं। महाविद्यालय को जब भी उनके सहयोग की आवश्यकता पड़ी तो वह उसमें खड़े उतरे एवं सहयोग भी किया। डॉ श्याम किशोर सिंह ने कॉलेज के समस्त शिक्षकों एवं कर्मियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी शिक्षक एवं कर्मी उपस्थित थे।

20 सूत्री अध्यक्ष ने भद्रकाली महाविद्यालय में दूसरे दिन के खेल का उद्घाटन किया

प्रतिनिधि,इटखोरी। इटखोरी(चतरा प्रखंड अवस्थित भद्रकाली महाविद्यालय में सोमवार से आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंगलवार को कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच बैडमिंटन, लूडो, कबड्डी और भाला फेंक आदि खेल संपन्न हुआ। इससे पूर्व दुसरे दिन के खेल का शुभारंभ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित 20 सूत्री अध्यक्ष जागेश्वर यादव ने बैडमिंटन खेल कर किया। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ दुलार ठाकुर ने की। यहां आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन बुधवार को होगा। कॉलेज में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता से छात्र-छात्राओं के बीच हर्ष का माहौल बना हुआ है। मौके पर प्रोफेसर जानकी प्रसाद दांगी, अखिलेश पांडेय, ललित कुमार सिंह, लीलू रानी, मधुबाला, धीरेंद्र यादव, मोइनुद्दीन अंसारी और सिकंदर राणा समेत बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

हॉस्टल बाथरूम में मिले छात्र के शव को लेकर एबीवीपी का प्रदर्शन

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गिरिडीह ने टावर चौक गिरिडीह पर केरल में एसएफआई से जुड़े अपराधियों द्वारा केरल के वायनाड में स्थित केरल वेटनरी एंड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी के द्वितीय वर्ष के छात्र जेएस सिद्धार्थन को बुरी तरह प्रताड़ित, मारपीट कर आत्महत्या को मजबूर करने के मामले में प्रदर्शन करते हुए घटना की शीघ्र जॉच पूर्ण कर आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मॉग की है। केरल के शैक्षणिक संस्थानों में सत्ताधारी पार्टी सीपीएम के संरक्षण में उसके छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) से जुड़े अपराधियों द्वारा लगातार हिंसा,भ्रष्टाचार,छेड़खानी की घटनाओं में कार्रवाई से पीछे हटने की विफलता पर एबीवीपी ने केरल सरकार की कड़ी निन्दा तथा भर्त्सना की है।

उल्लेखनीय है कि केरल वेटनरी एंड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी के द्वितीय वर्ष के छात्र जेएस सिद्धार्थन का 18 फरवरी को वायनाड कैंपस हॉस्टल के बाथरूम में शव मिला था। जॉच में सामने आया है कि जेएस सिद्धार्थन के साथ एसएफआई से जुड़े अपराधियों ने केबल तार, बेल्ट से हमला कर बुरी तरह मारपीट की तथा उक्त छात्र को छात्रावास में नंगा कर परेड कराई। उक्त जघन्य घटना के बाद 18 फरवरी को जेएस सिद्धार्थन का शव हॉस्टल बाथरूम में लटकता हुआ मिला था। घटना के बाद से ही केरल में एबीवीपी की विभिन्न इकाइयों द्वारा न्याय की मॉग तथा एसएफआई के गुंडों-अपराधियों की लगातार अपराध संलिप्तता को रोकने की मॉग को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है।

एबीवीपी झारखंड के प्रदेश सह सोशल मीडिया संयोजक आशीष कुमार ने कहा कि वामपंथी छात्र संगठन एसएफआई का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। केरल के शैक्षणिक परिसर सीपीएम संरक्षित अपराधियों की हिंसक गतिविधियों का अड्डा बन गए हैं। केरल में सिद्धार्थन के साथ एसएफआई से जुड़े अपराधियों द्वारा जघन्य रैगिंग के परिणामस्वरूप आत्महत्या मामले ने एसएफआई तथा वामपंथी छात्र संगठनों से शैक्षणिक संस्थानों को खतरे को पुनः उजागर कर दिया है। केरल के शैक्षणिक परिसरों में हो रहे आपराधिक कृत्यों में संलिप्तता से एसएफआई का हिंसक इतिहास पुनर्रेखांकित हो रहा है। आम विद्यार्थी इन वामपंथी गुंडों को कड़ा जवाब देंगे। विद्यार्थी परिषद, शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे आपराधिक गतिविधियों का कड़ा विरोध करेगी।प्रदेश जनजाति सह प्रमुख मंटू मुर्मू ने कहा कि, एबीवीपी देश भर के अलग-अलग शैक्षणिक परिसरों में केरल के छात्र जेएस सिद्धार्थन की आत्महत्या के विरुद्ध आवाज उठा कर न्याय की मॉग कर रही है।यह घटना अत्यंत शर्मनाक तथा दुर्भाग्यपूर्ण है।स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के गुंडे लगातार अपनी हिंसात्मक गतिविधियों से शैक्षणिक परिसरों के स्वच्छ और स्वस्थ माहौल को दूषित करने का काम कर रहे हैं। केरल सरकार के संरक्षण में एसएफआई शैक्षणिक परिसरों में लोकतंत्र को खत्म करके अराजकता एवं गुंडागर्दी के माहौल को बढ़ावा दे रही है। एबीवीपी मॉग करती है कि सिद्धार्थन के परिजनों को शीघ्र न्याय मिले तथा एसएफआई के गुंडों पर लगाम लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाए। मौके पर प्रदेश कार्यकारी विशाखा कुमारी,बबलू यादव , कॉलेज मंत्री नीरज चौधरी , कॉलेज उपाध्यक्ष नितेश तिवारी, विकाश वर्मा,पवन हांसदा,गुलशन यादव , शुभम तंती, सुमन कुमार राय,विवेक कुमार राय,राजेंद्र राणा,आशीष यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

लोयोला विद्यालय : कराटे के चार अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों का चरही में स्वागत किया गया

प्रतिनिधि,चरही। हज़ारीबाग़ के लोयोला विद्यालय ने कराटे के अपने चार अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों का चरही चौक पर की उपस्थिति में स्वागत किया। बहेरा पंचायत के मुखिया संघ अध्यक्ष देवकी महतो चुरचू प्रखंड के निरंजन नायक जिला प्रमुख और चुरचू प्रखंड के चेलेश्वर महतो पूर्व उपप्रमुख विधायक प्रतिनिधि। स्कूल ने 6 मार्च 2024 को नेपाल में आठ और देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने चार प्रतिभागियों को नेपाल भेजा। छात्र अपने कराटे कोच के साथ नेपाल गए। संजय रजवार के साथ अन्य स्कूलों के पांच और छात्र। नेपाल पहुंचने के बाद छात्रों ने आठ मोटे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा की और प्रत्येक में कांस्य पदक जीते। कक्षा 8वीं की अर्चना कुमारी, कक्षा 6वीं की रितु कुमारी, कक्षा 4वीं की स्वाति कुमारी और कक्षा 4थी के अमित कुमार ने बहुत बहादुरी से प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रत्येक ने कांस्य पदक जीते। उनके चरही पहुंचने पर प्रबंध निदेशक एम के बरनवाल ने चरही के सभी गणमान्य लोगों के साथ उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह स्कूल के लिए बहुत गर्व का क्षण है और स्कूल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि लोयोला विद्यालय के छात्र किसी भी परिस्थिति में अपराजेय हैं। उनमें दूसरों से लड़ने की क्षमता है और वे स्कूल को जीत दिला सकते हैं। प्राचार्य सुभाशीष पाइन ने सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि स्कूल हमेशा अपने छात्रों को न केवल जिलों में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सभी गतिविधियों में भाग लेने के लिए तैयार कर रहा है।

छात्र हमेशा पूरा प्रयास करते हैं और हर जगह से पुरस्कार प्राप्त करते हैं। चुरचू के मुखिया ने विजेताओं को बधाई दी और कहा कि स्कूल लगातार यह साबित कर रहा है कि लोयोला विद्यालय के छात्र चरही में सर्वश्रेष्ठ हैं और उन्होंने सभी को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। चुरचू प्रखण्ड के पूर्व उपप्रमुख और विधायक प्रतिनिधि और जिला प्रमुख ने भी प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें आगामी भविष्य में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आशीर्वाद दिया। मौके पर सभी शिक्षक अभिमन्यु कुमार, द्वारिका कुमार, टेरेसा गिल्बर्ट, अलीशा खातून, नीतू कुमारी, प्रियंका कुमारी, स्वेता कुमारी, प्रगति गुरु एवं शबनम होरो उपस्थित रहे और सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झारखंड में सरकार बदली पर कार्यसंस्कृति नहीं, लूट खसोट बदस्तूर जारी: बाबूलाल मरांडी

सभी 14 लोकसभा सीटों पर एनडीए के जीत का किया दावा

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। भाजपा नेता रामचंद्र ठाकुर की माता के श्राद्धकर्म में भाग लेने गिरिडीह के तिसरी में नारोटांड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पहुंचे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री श्री मरांडी ने कहा कि झारखण्ड में हेमंत सोरेन की सरकार हो या चंपाई सोरेन की, कोई अंतर नहीं है। राज्य में सरकार जरूर बदली पर कार्यसंस्कृति नहीं बदली। पूरे राज्य में लूट - खसोट बदस्तूर जारी है।

इस सरकार में पदाधिकारियों का ट्रांसफर और पोस्टिंग, एक उद्योग का रूप ले चुका है। क़ानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है।किसी भी दफ्तर में बगैर चढ़ावा कोई कार्य नहीं होता। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के कारण जेल के अंदर हैं। अब उनका क्या होगा अदालत बताएगी। बाबूलाल ने उक्त बातें तिसरी प्रखंड के नारोटांड में मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कही। वे भाजपा नेता रामचंद्र ठाकुर की माता के श्राद्धकर्म में उपस्थित होने के लिए नारोटांड स्थित उनके आवास पर पहुंचे थे। श्री मरांडी ने राज्य के सभी 14 लोकसभा सीटों पर पार्टी के जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी की तैयारी पूरी तरह दुरुस्त है,जनता पूरी तरह भाजपा के साथ है। लिहाजा राज्य की कुल 14 लोकसभा सीटें एनडीए की झोली में जायेंगें।

कहा कि बीते 10 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को लेकर भाजपा जनता के बीच जाएगी। वहीं चुनाव के मद्देनज़र पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी कमर कस ली है। संपर्क अभियान चलाकर कार्यकर्ता प्रत्येक घर तक पहुंचेंगे।

श्री मरांडी ने कहा कि आगामी चुनाव में झारखंड में महागठबंधन की सरकार द्वारा किया गया भ्रष्टाचार भी एक बड़ा मुद्दा होगा।

बाबूलाल ने तिसरी प्रखंड के दो सड़कों का किया भूमि पूजन : इसके पूर्व ही बाबूलाल मरांडी ने सुदृढ़ीकरण होने वाले प्रखंड के दो अलग-अलग सड़कों का भूमि पूजन भी किया।

उन्होंने सर्वप्रथम मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना द्वारा 3.54 करोड़ की लागत से बनने वाले गोलगो से कानिचिहार वाया बेडमी तक सड़क सुदृढ़ीकरण का भूमि पूजन किया।

जिसके बाद वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ लोकाय पहुंचे जहाँ उन्होंने 7.20 करोड़ की लागत से बनने वाले लोकाय - नयनपुर से बरदौनी तक सड़क सुदृढ़ीकरण का भी भूमि पूजन किया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बाबूलाल मरांडी जिंदाबाद, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद,अन्नपूर्णा देवी जिंदाबाद आदि नारे लगाए।

मौके पर भाजपा नेता रामचंद्र ठाकुर, अशोक उपाध्याय, अजय रंजन, प्रमुख राजकुमार यादव, राजू यादव,रविंद्र पंडित,सुनील शर्मा, सुनील साव, उदय साव, सोनू हेमब्रम, डब्लू सिंह,प्रहलाद सिंह,दिनेश ठाकुर,इलियास अंसारी, रुस्तम अली, विकास मंडल आदि लोग उपस्थित थे।

इसके अलावे इस योजना के तहत ही लक्ष्मीपुर से नावाडीह तक 2.4 किलोमीटर लंबी सड़क का 1.18 करोड़ की राशि से और मनसाडीह से साखम तक 1.88 करोड़ की लागत से सुदृढ़ीकरण होना है।

गुप्त सूचना पर गाँजा तस्कर गिरफ्तार

प्रतिनिधि,सिंदरी। मंगलवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भूपेंद्र प्रसाद रावत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि गुप्त सूचना के आधार पर सुदामाडीह थाना अंतर्गत गाँजा की खरीद बिक्री हेतु सोमवार रात्रि में भारत माता चौक टैम्पू स्टैंड पर छापा मारी टीम गश्ती पर पहुँची तो पुलिस बल को देख कर भागने लगा, तब पुलिस बल ने उक्त भागनेवाले को दौरा कर पकड़ा तो उसके पास से एक थैले में लगभग 2 किलो अवैध गाँजा और एक सैमसंग कीपैड मोबाइल मिला। उसके बाद उसे गिरफ्तार कर थाना लाया गया और शिनाख्त करने पर पाया गया कि गिरफ्तार व्यक्ति का नाम राणा मांझी उर्फ बिल्ला मांझी (उम्र 23) पिता स्व सीता मांझी पता - संन्हो चौक, सिनेमा हॉल, जमुई (बिहार) का पूर्व में भी अपराधी पृष्ठभूमि रही है। पूर्व में केस संख्या 138/19 में धारा 379/411/34 के अंतर्गत जेल भेजा गया था और अभी फिर से पकडे जाने पर केस संख्या 16/24 और धारा 20(ङ), एनडीपीएस एक्ट 1985 के अंतर्गत जेल भेजा जा रहा था। श्री रावत ने प्रेस के माध्यम से कहा कि ऐसे ही गुप्त सुचना अगर मिलती रही तो अपराधी और अपराध दोनों को हमलोग क्षेत्र से समाप्त कर पाएंगे। सकारात्मक खबर के लिए मैं और मेरी पुलिस सेवा 24 घंटे तैयार मिलेगी।

श्री श्याम मंदिर में 93वां श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

श्री श्याम मंदिर में खाटू नरेश का किया गया केशर चंदन तिलक श्रृंगार

वरीय संवाददाता

रांची। श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में खाटूनरेश की आराधना के साथ रुद्रावतार हनुमान जी की अरदास हेतु आज 93 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया गया। सुनील मोदी आशा मोदी बलराम मोदी एवं शिखा मोदी द्वारा अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई। पुष्पा देवी पोद्दार द्वारा केसरिया पेडा प्रसाद सेवा, श्रवण ढांढनिया द्वारा चना प्रसाद सेवा, प्रत्यूष अग्रवाल द्वारा फल प्रसाद सेवा एवं मुकेश मित्तल द्वारा गिरी गोला सेवा अर्पित की गई। पाठ वाचक मनीष सारस्वत तथा ओम शर्मा एवं अन्य ने साज बाज के साथ श्री गणेश वंदना कर हनुमान चालीसा पाठ के बाद सुंदरकांड का संगीतमय पाठ किया गया। पाठ के बीच-बीच में भजनों की गंगा भी प्रवाहित की गई। पूरा श्याम मंदिर बजरंगबली के जयकारों से गुंजायमान होता रहा। तत्पश्चात श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। जय हनुमान ज्ञान गुण सागर जय कपीस तिहुं लोक उजागर

से शुरू हुए हनुमान चालीसा पाठ में भक्तगण हनुमान जी की आराधना में लीन रहे।श्री श्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि अवसर विशेष के उपलक्ष्य में आज राजस्थान के खाटूधाम मंदिर और रांची स्थित *श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम प्रभु का केशर चंदन तिलक श्रृंगार किया गया*। खाटूनरेश को नवीन (बागा)पोशाक पहनाई गई एवं पंचमेवा का भोग अर्पित किया गया। बाबा का केशर चंदन तिलक श्रृंगार मंत्री श्याम सुंदर शर्मा एवं मंदिर के प्रथम आचार्य रत्नाकर शर्मा ने किया। रूह इत्र से श्याम प्रभु का मसाज किया गया। कोलकाता से मंगाए गए मनमोहक लाल गुलाब पीला स्टार हरा चेरी सफेद चेरी पिला चेरी रानी कार्नेशन तुलसीदल लाल गेंदा माला दहलिया से खाटूनरेश का बड़ा श्रृंगार किया गया। महाआरती के बाद भक्तों के बीच प्रसाद वितरित किया गया।

खाटू में चढ़ाए गए 108 निशान श्री श्याम मित्र मंडल का 108 भक्तों का दल आज रिंग्स से पदयात्रा करते हुए हाथो में लहराते निशान लेकर बाबा श्याम के दरबार में हजारी लगा मथा टेक बाबा को अपनी अरदाश लगाई। इसके पूर्व भक्तों का दल रिंग्स स्थित निशान भवन में पहुंच कर बाबा श्याम का भव्य दरबार लगा कर गणेश वंदना कर सभी देवी देवताओं के भजन गायन कर खाटू नरेश के मीठे मीठे भजन गाए। सभी भक्तों ने एक एक कर अखण्ड ज्योति मे आहुति देकर बाबा को रिझाया। अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में सभी ने इसके बाद रिंग्स से खाटू के 17किमी की पावन पदयात्रा शुरू की।

हरमू रोड श्री श्याम मंदिर का निशान शोभा यात्रा 18 मार्च को

श्री नारसरिया ने बताया कि 18 मार्च 2024 को निशान शोभा यात्रा के द्वारा निशान चढेंगे। निशान शोभायात्रा मारवाड़ी भवन हरमू रोड से प्रारंभ होकर रातु रोड प्यादा टोली महावीर चौक गांधी चौक शहीद चौक कार्ट सराय रोड़ जेजे रोड़ गाड़ी खाना चौक होते हुए श्री श्याम मंदिर आएगी।

कॉमेड-के यूजीईटी और यूनीगेज प्रवेश परीक्षा 12 मई को, आवेदन आमंत्रित

विशेष संवाददाता

रांची। कॉमेड-के यूजीईटी और यूनीगेज प्रवेश परीक्षा रविवार 12 मई 2024 को एक संयुक्त परीक्षा के रूप में आयोजित होने वाली है, जिसमें क्रमशः कर्नाटक के 150 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेजों और भारत भर के 50+ से अधिक प्रतिष्ठित निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन किया जा सकता है। झारखंड में पांच सेंटर बनाये गये हैं। इनमें रांची, धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर और हजारीबाग शामिल है। परीक्षा दो सेशन में आयोजित होगा। पहला सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक और दूसरा सेशन दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा। यह जानकारी कॉमेडके के एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी डॉ. कुमार और ईआरए फाउंडेशन के सीईओ पी. मुरलीधर ने मंगलवार को स्थानीय होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि यह एकीकृत परीक्षा कर्नाटक अनएडिड प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज एसोसिएशन (कुपेका) और यूनीगेज सदस्य विश्वविद्यालयों से जुड़े कॉलेजों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है, जो बीई/बीटेक कार्यक्रम प्रदान करते हैं। ऑनलाइन परीक्षा भारत के 200+ शहरों में 400+ परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इस वर्ष, उसे उम्मीद है कि 1,00,000 से अधिक छात्र परीक्षा में शामिल होंगे। पूरे भारत से उम्मीदवार परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी कॉमेडके या यूनीगेज के वेबसाइट पर पंजीकरण कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पांच अप्रैल, 2024 तक ऑनलाइन खुली है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक भर में आठ इनोवेशन हब स्थापित किए गए हैं, जिनमें से चार बेंगलुरु में और अन्य मैसूरु, कालाबुरागी, मैंगलोर और बेलगाम में स्थित हैं।

बालूमाथ में डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती मनाने को लेकर बैठक 14 मार्च को

प्रतिनिधि, बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती मनाने को लेकर हरिजन टोला में गुरुवार को अंबेडकर वादीयो का एक बैठक बुलाई गई है। बैठक की जानकारी देते हुए गोपाल राम ने कहा कि अगले वर्ष के भांति इस वर्ष भी अंबेडकर जयंती धूमधाम से मानने को लेकर एक बैठक सर्वसम्मति से गुरुवार को हरिजन टोला के अंबेडकर भवन में बुलाई गई है। जिसमें अंबेडकर वादीयो को पहुंचने का अपील किया गया है ताकि कार्यक्रम को भव्य रूप से सफलता पूर्वक मनाया जा सके।

विधायक राजेश कच्छप ने दुर्गा सोरेन चौक से रामपुर रिंग रोड फोरलेन सहित दो अन्य योजना की रखी आधारशिला

वरीय संवाददाता रांची/नामकुम। नामकुम प्रखंड में खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने रामपुर रिंग रोड के पास पथ प्रमंडल, राँची अन्तर्गत दुर्गा सोरेन चौक से रामपुर रिंग रोड फोरलेन डिवाईडर कैरिजवे चौड़ीकरण कार्य (पुलों के निर्माण सहित), जय प्रभा कमला नेहरू बालिका उच्च विद्यालय टाटीसिलवे के पास विधायक मद से शौचालय निर्माण कार्य एवं जिला योजना अनाबद्ध निधि मद अंतर्गत आरा सिधाटोली में विभिन्न गलियों में 2470 फीट पी.सी.सी. पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर रामपुर में प्रखण्ड स्तरीय कार्यकर्ता बैठक रखा गया। आगामी लोकसभा चुनाव में कैसे मजबूती से अपने अपने बुतों पर लीड करना है इसकी विस्तृत से चर्चा की गई। बुथ स्तर बीएलओ बनाने की चर्चा की गई। मौके पर विधायक राजेश कच्छप ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज तीन महत्वपूर्ण योजनों की शिलान्यास किया गया। रामपुर रिंग रोड से दुर्गा सोरेन चौक जो टाउन को जोड़ती है उसकी फोरलेन होना अति आवश्यकता थी। आये दिन दुर्घटना होते रहता है। फोरलेन बन जाने से कम दुर्घटना होगा। विधायक ने संवेदक को गुणवत्तापूर्ण कार्य को करने का सख्त हिदायत दी। मौके पर प्रखण्ड प्रमुख आशा कच्छप, अशोक कुमार मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि सतीश पंडा, रमेश पाण्डेय, माधो कच्छप, मेरी तिर्की, विजय टोप्पो, अर्चना मिश्रा, सुनील उरांव, मुखिया सरस्वती देवी, मुखिया लक्ष्मी देवी, पंसस कल्याण लिण्डा, पंसस करण मुंडा, पंसस गुरुसहाय मुंडा, मंगरा कच्छप, मदन टोप्पो, राजेश सिंह मुंडा, लक्ष्मण लकड़ा, कृष्णा गोप, मीनू सिंह, तेलोस्फोर मिंज, किष्टो कुजूर, मंगल मुंडा, खुदिया कच्छप, अरविंद लोहरा, महेश्वर महतो, अंजू लकड़ा, अनु बेक, पंचु तिर्की, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक से झारखंड चैंबर की वार्ता आयोजित

वरीय संवाददाता रांची। वाराणसी वंदे भारत ट्रेन के शुभारंभ अवसर पर आज रांची रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री के नेतृत्व में उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, डीआरयूसीसी के सदस्य नवजोत अलंग और महेंद्र जैन मुख्य रूप से शामिल हुए। रांची बनारस वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत होने पर चैंबर अध्यक्ष ने महाप्रबंधक और डीआरएम को बधाई देते हुए प्रदेश में यात्री रेल सुविधा में बढोत्तरी के लिए केंद्र सरकार के द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। चैंबर अध्यक्ष ने कहा कि झारखण्ड से छत्तीसगढ़ के लिए रेलवे कनेक्टिविटी को बढ़ाया जाना आवश्यक है। उचित होगा कि यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए ट्रेन संख्या 08185/08186 हटिया दुर्ग को नागपुर तक विस्तारित करते हुए इसका परिचालन प्रतिदिन किया जाय। साथ ही उन्होंने रांची से रायपुर और रांची से भुवनेश्वर वंदे भारत ट्रेन परिचालित करने की मांग की।

चैंबर के डीआरयूसीसी प्रतिनिधि नवजोत अलंग ने रांची से अयोध्या के लिए सीधी ट्रेन चलाने की मांग की। यह भी सुझाया कि ट्रेन संख्या 18611/12 रांची बनारस एक्सप्रेस का विस्तार लखनउ तक किया जाना आवश्यक है। इस ट्रेन को लोहरदगा-टोरी लाइन से सप्ताह में तीन दिन परिचालित करने का निर्णय यात्रियों के हित में होगा। ट्रेन को लखनउ तक विस्तारित करने के लिए अलग रैक की भी आवश्यकता नहीं है। प्रदेश में यात्री रेल सुविधा में बढोत्तरी तथा नई रेल परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए उन्होंने रांची में दक्षिण पूर्व रेलवे के जोनल कार्यालय को स्थापित करने की मांग दोहराई।

दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने चैंबर प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों पर सकारात्मक विचार के लिए आश्वस्त किया।

विधायक अकेला ने नाली निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

प्रतिनिधि, बरही। बरही प्रखंड के रसोइया धमना स्थित ग्राम लश्करी में नाली निर्माण कार्य का बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने शिलान्यास किया। इस दौरान विधायक श्री अकेला ने ग्रामीणों से कहा कि वह क्षेत्र के विकास को लेकर प्रयासरत है। उनका प्रयास होता है कि क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं का समाधान हों।

मौके पर विधायक प्रतिनिधि सुनील साव, प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, किछट्टू गोप, ज़िला उपाध्यक्ष डॉ निज़ामुद्दीन अंसारी, मुखिया गोविंद साव, पंसस मो तैयब, छोटेलाल यादव समेत समस्त ग्रामीण मौजूद थे।

पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षात्मक बैठक

प्रतिनिधि, पाकुड़। उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने मंगलवार को समाहरणालय सभा कक्ष में पीएम विश्वकर्मा योजना की समीक्षात्मक बैठक की। उपायुक्त ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए प्राथमिकता के साथ इस कार्य को पूर्ण करने को कहा। साथ ही योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक योग्य लाभुकों का आवेदन प्राप्त कर योजना के तहत लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए। वहीं उद्योग महाप्रबंधक के द्वारा बताया गया कि पाकुड़ जिले में अभी तक 255 आवेदन प्राप्त हुए हैं। सभी आवेदनों की जांच मुख्यमंत्री लघु कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के प्रखंड समन्वयक के द्वारा जाँच किया गया। जांच के क्रम में 4

आवेदन गलत पाए गए। उन्होंने योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए आपसी समन्वय स्थापित कर लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उन्होंने पीएम विश्वकर्मा की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस योजना से अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले जिले के हजारों कारीगरों और शिल्पकारों को सीधे लाभ होगा। साथ ही पारंपरिक और विरासत शिल्प के संरक्षण में योगदान देने वाले कारीगरों और शिल्पकारों के जीवन में बदलाव आएगा। इस योजना में 18 पारंपरिक विद्याओं में कार्य करने वाले कारीगर और शिल्पकार सम्मिलित हैं ड्ढ कारपेंटर, नाव बनाने वाले, अस्त्र बनाने वाले, लोहार, ताला बनाने वाले, हथौड़ा और टूलकिट बनाने वाले, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, डलिया, चटाई, झाड़ू बनाने वाले, गुड़िया और खिलौने बनाने वाले, नाई, मालाकार, धोबी, दर्जी, मछली का जाल बनाने वाले। योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को 5-7 दिन का प्रशिक्षण व रूपए 500/- प्रतिदिन की दर से स्टाइपेंड देय होगा तथा प्रशिक्षण उपरान्त टूल किट हेतु 15 हजार रूपए ई-वाउचर के रूप में प्राप्त होंगे। प्रथम चरण में एक लाख रूपए तक का ऋण तथा द्वितीय चरण में दो लाख रूपए तक का कोलेटरल फ्री ऋण (5 प्रतिशत ब्याज की दर से) की व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण प्राप्त करने पर पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। मौके पर सहायक समाहर्ता डॉ कृष्णकांत कनवाड़िया, उद्योग, महाप्रबंधक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जेएसएलपीएस डीपीएम, श्रम अधीक्षक, जिला उद्यमी समन्वयक, एलडीएम एवं एसएमपीओ समेत अन्य उपस्थित थे।

हजारीबाग लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल मिले दिवंगत पत्रकार डी मुन्ना के परिजनों से हर संभव सहायता का दिया आश्वासन

प्रतिनिधि, चौपारण। चौपारण (हजारीबाग) चौपारण के वरिष्ठ हिंदुस्तान समाचार के पत्रकार डी मुन्ना का निधन रविवार को दिल्ली में हो गया था, श्री मुन्ना लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। अपने स्वास्थ्य के नियमित जांच के लिए वे दिल्ली गए थे जहां रविवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। चिकित्सकों ने प्रयास किया परंतु नियति को टाला नहीं जा सका अंततः डी मुन्ना चिर निद्रा में सो गए।

सोमवार को उनका शव एंबुलेंस की सहायता से चौपारण लाया गया। मंगलवार को श्री मुन्ना के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार स्थानीय श्मशान घाट में किया गया।

डी मुन्ना की मृत्यु की खबर जंगल के आग की तरह पूरे जिले में फैल गई। संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। क्षेत्र के पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई। श्री मुन्ना के निधन पर राजनीतिज्ञ सामाजिक कार्यकर्ता पत्रकार समेत कई गणमान्य लोगों ने अपनी संवेदना व्यक्त की। वास्तव में पत्रकारिता के क्षेत्र में एक शून्यता सी आ गई।

लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल मिले परिजनों से- हजारीबाग लोकसभा के भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार मनीष जायसवाल पत्रकार डी मुन्ना के निधन की खबर सुनकर उनके परिजनों से मिलने के लिए पहुंचे उनके आवास। मनीष जायसवाल पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ डी मुन्ना के परिजनों से मुलाकात कर उनके निधन के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और परिजनों को हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। विदित हो कि दिवंगत पत्रकार डी मुन्ना अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

डी मुन्ना के निधन से पत्रकारिता के क्षेत्र में अपुराणिय क्षति हुई है। अंतिम संस्कार में राजनीतिज्ञ, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

लोकसभा आम चुनाव को लेकर जिला स्तरीय सभी प्रवर्तन एजेंसियों के साथ हुई बैठक

प्रतिनिधि, पाकुड़। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल की अध्यक्षता में आगामी लोकसभा आम चुनाव-2024 की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय सभी प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में बैठक की गई। जिलें में चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष, एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराये जाने के लिए नकदी और कीमती धातुएँ, शराब, नशीले पदार्थ, मुफ्त वस्तु, कैश एंड प्रेसियस मेटलस लिक्योर, नारकोटिक्स फ्रीबीस एवं अन्य से संबंधित किसी भी प्रकार की गोपनीय सूचना प्राप्त होने पर सूचना का आदान-प्रदान करते हुए संबंधित एजेंसी को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सभी संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्वाचन के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता से संबंधित प्राप्त शिकायत पर कार्रवाई की जाएगी। मौके पर सहायक समाहर्ता डॉ कृष्णकांत कनवाड़िया, परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, उप निर्वाचन पदाधिकारी राजीव कुमार, राज्यकर पदाधिकारी नरेश चन्द्र, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार, मुख्यालय डीएसपी जितेन्द्र कुमार, जिला अग्रणी प्रबंधक मनोज कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

लातेहार पूर्व विधायक बालजीत राम को भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने अंग वस्त्र दे कर किया सम्मानित

प्रतिनिधि, बालूमाथ। लातेहार भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने मंगलवार को लातेहार के पूर्व विधायक बालजीत राम से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। मुलाकात के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष ने मौजूद लोगों को कहा कि आगामी चुनाव को देखते हुए नरेंद्र मोदी के हाथो को मजबूत करना हैं और आगामी लोकसभा चुनाव में अबकी बार लोकसभा सदस्य 400 पार करना हैं। इस दौरान संगठन और कैसे मजबूत हो इसका गुरु मंत्र पूर्व विधायक से उन्होंने लिया। इस मौके पर बारियातू जिप सदस्य रमेश राम, ओबीसी जिला महामंत्री विष्णुदेव प्रसाद, जिला कार्यसमिति आनंद सिंह, युवा भाजपा नेता अमित कुमार मौजूद रहे।

अस्वस्थता या इलाज के लिए, निर्वाचन कार्य से विमुक्त रहने वाले कर्मी दे सकते है आवेदन

प्रतिनिधि, पाकुड़। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने एक आदेश जारी करते हुए कहा कि लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 के अवसर पर विभिन्न कार्यालय के कर्मियों को मतदान पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाना है। नियुक्त कर्मियों में से विभिन्न कर्मियों के द्वारा अपनी अस्वस्थ्यता व ईलाज के लिए निर्वाचन कार्य से विमुक्त करने हेतु अभ्यावेदन पत्र समर्पित किये जा सकते है, जिसकी जाँच स्द्धस्त्रद्वष्ठ्ठद्य क्चभ्ड्डह्म्स्त्र से किया जाना आवश्यक है।अतएव अस्वस्थ्यता के कारण अथवा ईलाज हेतु प्राप्त होने वाले अभ्यावेदन पत्रों की जाँच हेतु

असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पाकुड़ को अपने स्तर से चिकित्सकों का एक जॉच दल गठन करने का आदेश दिया गया है। वरीय प्रभार-सह-नोडल पदाधिकारी, कार्मिक कोषांग, पाकुड़, कार्मिक कोषांग में प्राप्त एतद संबंधी अभ्यावेदनों को जाँच हेतु असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पाकुड़ को अग्रसारित करेंगे। असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पाकुड़ द्वारा संबंधित कर्मियों की स्वास्थ्य संबंधित जाँच गठित जॉच दल (स्द्धस्त्रद्वष्ठ्ठद्य क्चभ्ड्डह्म्स्त्र) से कराते हुए तदसंबंधित प्रतिवेदन अपने अनुशंसा के साथ कार्मिक कोषांग, पाकुड़ को उपलब्ध करायेंगे एवं उक्त अनुशंसा / प्रतिवेदन के आधार पर ही संबंधित कर्मी को निर्वाचन कार्य से विमुक्ति के संबंध में यथावांछित निर्णय लिया जा सकेगा।असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पाकुड़ मेडिकल बोर्ड का गठन कर तत्संबंधित गठित मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष / सदस्यों की सूची उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय दैहर के , चारदीवारी निर्माण का शिलान्यास विधायक उमाशंकर अकेला ने किया

- **शिक्षा जीवन का प्रकाश है शिक्षा के द्वारा ही हम अज्ञान के अंधकार से निकलकर ज्ञान के उजाले में जाते हैं : उमाशंकर अकेला**

प्रतिनिधि, चौपारण। चौपारण डीएमएफटी फण्ड से प्रखण्ड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय दैहर में नए चार दिवारी का निर्माण और चार कमरों का मरम्मती होना है। जिसका विधिवत शिलान्यास बरही विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर यादव अकेला ने किया। इससे पहले मुखिया ब्रह्मदेव भुइयां, मुखिया प्रतिनिधि नागेंद्र कुशवाहा, उच्च विद्यालय दैहर के प्रधानाध्यापक प्रेम कुमार पंडित सहित विद्यालय के शिक्षकों ने मुख्य अतिथि का विद्यालय परिसर में भव्य स्वागत किया । मौके पर विधायक श्री अकेला ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर प्रकाश डाला। शिलान्यास करने के उपरांत विधायक श्री अकेला ने विद्यालय के कंप्यूटर कक्ष और स्मार्ट क्लासेस का निरीक्षण करते हुए सभी बच्चों से बातचीत कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। मौके पर विद्यालय के शिक्षा समिति ने विद्यालय में विषयवार शिक्षकों की नियुक्ति, नए कमरों और नए शौचालय निर्माण की भी मांग की। विधायक श्री अकेला ने आस्वस्त किया कि आप सबों की समस्याओं के निराकरण की दिशा में मैं प्रयास करूंगा। मंच से बोलते हुए उमाशंकर अकेला ने कहां की शिक्षा जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा के बिना हम अपने दायित्व को और अधिकारों को नहीं समझ पाते हैं। अधिकारों और दायित्वों को समझने के लिए शिक्षा का होना अत्यंत आवश्यक है। हम सबको मिल करके एक एक सार्थक पहल कर शिक्षा के ज्योति को जलाना है और शिक्षा के मंदिर को सजाना है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि अधिक से अधिक लोग शिक्षित हो। मुखिया प्रतिनिधि नागेंद्र कुशवाहा ने बताया कि विद्यालय 2016 में मध्य विद्यालय से उच्च विद्यालय में उत्क्रमित हुआ था। तब से यह विद्यालय शिक्षकों की कमी के साथ-साथ उच्च विद्यालय से संबंधित उपस्थित उपस्करों की भी समस्या का सामना कर रहा है। यह उत्क्रमित उच्च विद्यालय अपने उत्क्रमण से वर्तमान तक कई प्रकार के अभावों से जूझ रहा है। वर्ष 2023 में उच्च विद्यालय में मात्र एक शिक्षक की प्रतिनियुक्ति हुई है। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान बीरबल साहू, कोठारी सिंह, नरेश सिंह, संजय सिंह, मनोज सिंह, ओम सिंह, शम्भू दांगी, मुकेश दांगी, शिवपूजन दांगी, बाबूलाल दांगी, मन्नू कुशवाहा, मुकेश पासवान सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

चतरा जिले मेंअवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध उत्पाद विभाग सख्त

जिले में लगातार चलाया जाएगा छापेमारी अभियान संलिप्त लोगों पर होगी सख्त कार्रवाई-उत्पाद अधीक्षक

- **कई स्थानों से उत्पाद विभाग के कार्रवाई में अवैध निर्मित शराब और शराब उत्पाद उपस्कर बरामद**
- **संलिप्त 3 लोगों की हुई गिरफ्तारी**

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। जिले में आगामी लोकसभा चुनाव एवं होली पर्व को दृष्टिपथ रखते हुए उपायुक्त रमेश घोलप के निर्देशानुसार अधीक्षक उत्पाद, चतरा के पर्यवेक्षण में जिले में अवैध शराब के कारोबार एवं शराब कारोबारियों के विरुद्ध लगातार छापामारी की कार्यवाई की जा रही है।

उत्पाद अधीक्षक शिव कुमार साहू ने बताया कि आने वाले लोकसभा चुनाव के ध्यान में रखते हुए और होली पर्व को देखते हुए जिला प्रशासन के द्वारा अवैध ढंग से शराब उत्पादन करने वालों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। जिले के सभी प्रखंडों यह अभियान चलाया जाएगा। पिछले 10 तारीख से अब तक की गई कार्रवाई में जिले के कई भागों से अवैध शराब उत्पादन करने वालों पर शिकंजा कसा गया है। जिसमें मुख्य रूप से चतरा के कठौतिया, हंटरगंज के पनारी नवाडीह, हंटरगंज के मायापुर इटखोरी प्रखंड के पितीज आदि स्थानों पर छापामारी कर अवैध ढंग से निर्मित शराब जावा महुआ और शराब बनाने के उपकरण बरामद कर उसे विनिष्ट किया गया है।

चतरा थाना अंतर्गत कठौतिया में छापामारी कर दो व्यक्तियों को अवैध चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। हंटरगंज थाना अंतर्गत पनारी नावाडीह में उत्पाद विभाग एवं हंटरगंज थाना के संयुक्त वाहन चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

हंटरगंज थाना अंतर्गत मायापुर में उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा एक अवैध महुआ शराब की एक बड़ी संचालित भट्ठी को ध्वस्त किया गया जिसमें 40 लीटर अवैध चुलाई शराब जब्त किया गया तथा लगभग 400 किलो से अधिक चुलाई योग्य जावा महुआ को घटनास्थल पर हीं विनष्ट किया गया। इटखोरी थाना क्षेत्र के पितिज में भी छापामारी कर बड़ी मात्रा में जावा महुआ और शराब के निर्माण में काम आने वाले उपकरणों को नष्ट किया गया है।

इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों को सभी मामलों में उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग दर्ज किया गया है।

उत्पाद अधीक्षक, चतरा के द्वारा जानकारी दी गई कि आगामी लोकसभा चुनाव एवं होली पर्व को देखते हुए जिले में अवैध शराब के कारोबार एवं कारोबारियों के विरुद्ध सतत - सघन छापामारी अभियान लगातार जारी रहेगा।

सीएए लागू होने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट

पुलिसकर्मियों की छुट्टियां निरस्त

लखनऊ, एजेंसी। केंद्र सरकार द्वारा सोमवार को सीएए की अधिसूचना जारी होने के बाद सतर्कता बढ़ा दी गयी। दंगारोधी उपकरणों के साथ पुलिस सड़कों पर फ्लैग मार्च करने लगी। डीजीपी मुख्यालय के अधिकारी पूरे प्रदेश से लगातार पल-पल की जानकारी ले रहे हैं।

केंद्र सरकार द्वारा समान नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की अधिसूचना जारी होने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट है। पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। डीजीपी मुख्यालय ने सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सीएए की अधिसूचना जारी होने की संभावना के दृष्टिगत प्रदेश पुलिस ने 15 दिन पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। सभी कमिश्नरेट और जिलों में पुलिसकर्मियों को दंगा आदि से निपटने का प्रशिक्षण देने के साथ उपकरणों से भी लैस किया जा रहा था। पिछली बार इसे लागू करने की कवायद के दौरान करीब डेढ़ दर्जन जिलों में हुए हिंसक प्रदर्शन में 20 लोगों की मौत की वजह से इस बार खास सतर्कता बरती जा रही है। बता दें कि सोमवार को सीएए की अधिसूचना जारी होने से पहले डीजीपी मुख्यालय के निर्देश पर सभी कमिश्नरेट और जिलों में पुलिसकर्मियों के अवकाश निरस्त करने का आदेश भी जारी कर दिया गया। आदेश में उन पुलिसकर्मियों को भी अवकाश से तत्काल वापस बुलाने को कहा गया, जो विभिन्न वजहों से छुट्टी पर हैं। तमाम संवेदनशील जिलों में तो एहतियात के तौर पर सुरक्षा बढ़ाने के साथ अवकाश पर गए पुलिसकर्मियों को सोमवार शाम छह बजे तक अपनी तैनाती के स्थान पर आमद करने का आदेश जारी कर दिया गया है। उन्हें केवल विषम परिस्थिति में उच्चाधिकारी की अनुमति से अवकाश मिल सकेगा। वहीं पुलिस अधिकारियों की मानें तो प्रदेश में करीब 3-4 हजार शरणार्थी रहते हैं।

सीएए से ध्रुवीकरण को धार चुनाव से पहले भाजपा का दांव

विशेषज्ञों से जानिए मुस्लिम किस आधार पर करेंगे मतदान

लखनऊ, एजेंसी। भाजपा ने सीएए से ध्रुवीकरण को धार दी है। चुनाव से पहले नागरिकता संशोधन कानून लागू करने से मुसलमानों के मन में तमाम आशंकाएं हैं। विश्लेषकों ने कहा कि मुसलमानों के वोटिंग पैटर्न में बदलाव के आसार न के बराबर हैं। लोकसभा चुनाव से ऐन पहले केंद्र सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी। मुसलमान इसे लेकर पहले से ही सशंकित हैं। भाजपा ने उन्हें रिझाने के लिए तमाम प्रयास तो किए लेकिन मुसलमानों की आशंकाएं अपनी जगह कायम हैं। सीएए की अधिसूचना से तय है कि वोटों के ध्रुवीकरण को धार मिलेगी। जानकारों के मुताबिक अब मुस्लिम मतदाताओं के वोटिंग पैटर्न में किसी बड़े बदलाव की संभावना न के बराबर है। यानी, पिछले चुनावों की तरह ही भाजपा को मुस्लिम मतों का कोई बड़ा हिस्सा नहीं मिल सकेगा। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में बहुत कुछ बदला, पर भाजपा को लेकर मुस्लिम मतदाताओं का रुख बदस्तूर कायम रहा। सीएसडीएस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन चुनावों में करीब 8 प्रतिशत मुसलमानों ने ही भाजपा को वोट दिया। वर्ष 2019 में जब नागरिकता संशोधन बिल लाया गया तो इसके खिलाफ पूरे देश में आंदोलन हुए। तब आंदोलन में शामिल मुस्लिमों का मानना था कि यह कानून भेदभावपूर्ण है। इसके तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आने वाले गैर मुस्लिमों को तो नागरिकता देने का प्रावधान है, लेकिन मुसलमानों को यह सुविधा नहीं दी गई है। उनके मन में यह बात घर कर गई कि इस कानून से मुसलमानों की नागरिकता भी खतरे में पड़ सकती है।

यही वजह रही कि 2019 के बाद हुए राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी मुसलमानों का पहले वाला वोटिंग पैटर्न कायम रहा। वर्ष 2020 में बिहार के विधानसभा चुनाव में 77 प्रतिशत मुस्लिम वोट महागठबंधन को मिले थे। 2021 के पश्चिमी बंगाल के चुनाव में 75 प्रतिशत मुस्लिम वोट तृणमूल कांग्रेस को मिले। वर्ष 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में 79 प्रतिशत मुसलमानों ने सपा को वोट किया। इसकी वजह थी कि ये पार्टियां भाजपा के खिलाफ मजबूती से लड़ रही थीं। हालांकि, अब आलिम सीएए कानून से न डरने या फिर लीगल टीम के अध्ययन के बाद प्रतिक्रिया देने की बात कह रहे हैं। वहीं, सीएए को लेकर अधिसूचना जारी होते ही विपक्षी पार्टियों ने भी मुस्लिमों के मन में उठ रही शंकाओं को मुद्दे का रूप देना शुरू कर दिया है, ताकि लोकसभा चुनाव में नफा-नुकसान के लिहाज से अपनी रणनीति तैयार कर सकें।

सीएए : 45 साल बाद भारतीय कहलाएंगी मथुरा की राधारानी

सीएए अधिसूचना जारी होने से मिलेगी नागरिकता

मथुरा, एजेंसी। सीएए की अधिसूचना जारी होने के बाद अब उन पाकिस्तानी हिंदुओं को चिह्नित किया जाएगा, जो 2014 से पहले पाकिस्तान से यहां आ गये थे। इन्हीं में से एक हैं मथुरा की राधा रानी जो 1979 में यहां आ गयी थी लेकिन अभी भारतीय नागरिता नहीं मिल सकी है। अब सीएए की अधिसूचना जारी होने के बाद राधा रानी का हिंदुस्तानी नागरिक होने का इंतजार खत्म होने को है। सीएए की अधिसूचना जारी होने के बाद से ही पुलिस प्रशासन द्वारा ऐसे लोगों को चिह्नित करना शुरु कर दिया जाएगा, भारत में वर्ष-2014 से पहले से आकर रह रहे हैं। सूत्रों के अनुसार अभी तक ऐसे चार लोगों की जानकारी मिली है, जो पाकिस्तान से 2014 से पूर्व आ गये थे और मथुरा में रह रहे हैं। इनमें से वृंदावन में तीन और कोसीकलां में एक पाकिस्तानी हिन्दु रह रहे हैं। इन लोगों को औपचारिकता पूरी करने के बाद भारत की नागरिकता मिल सकती है। वृंदावन की काशीराम कॉलोनी में रह रहीं राधा रानी 1979 में पाकिस्तान से यहां आ गई थीं। **रमजान में नमाजियों के लिए रात में खुलेगा ताजमहल, तरावीह के लिए मिली अनुमति, ये होगा समय-** दरअसल राधारानी के पति रमेश कुमार उनसे पहले ही काम के सिलसिले में भारत आ गये थे। 1979 में अपने ससुर के साथ राधा रानी यहां आ गई। यहां आने के बाद राधा रानी के तीन बेटे और दो बेटियां हुई। उनका एक बेटा जगदीप शर्मा है और दूसरा संजय है। संजय ई रिक्शा चलाता है। क्योंकि बच्चे यहीं पर हुए, इसलिए वे यहां के नागरिक हैं, लेकिन राधा रानी को यहां की नागरिकता नहीं मिल सकी है।

गाजीपुर बस हादसे पर ऊर्जा मंत्री ने 3 अधिकारियों को निलंबित किया

एक की सेवा खत्म कर दी

गाजीपुर, एजेंसी। यूपी के गाजीपुर जिले में सोमवार को एक बस के हाईटेंशन बिजली के तार के संपर्क में आने से बस में आग लग गई। आग से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग झुलस गए हैं। घटना की जानकारी होने पर ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने तीन अधिकारियों को निलंबित और एक की सेवा समाप्त कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही मंत्री ए.के. शर्मा ने सख्त कार्रवाई करते हुए अधिशासी अभियंता मनीष, एसडीओ संतोष चौधरी और जेई प्रदीप कुमार राय को निलंबित और लाइनमैन नरेंद्र (संविदा कर्मी) की सेवा समाप्ति के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी एवं अधीक्षण अभियंता से बात की। सभी अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाते हुए घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था सहित प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करने का निर्देश दिया। साथ ही मंत्री शर्मा पीड़ित परिवारों से स्वयं मिलने के लिए गाजीपुर और मऊ भी पहुंचे।ज्ञात हो कि गाजीपुर के मरदह थाना के 400 मीटर के पास एचटी तार के संपर्क में आने से बस में आ आग लग गई। इस हादसे में कुल पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे का शिकार हुई बस बरातियों से भरी थी। बस मऊ से एक वैवाहिक कार्यक्रम में जा रही थी, जिसमें कुल 38 बराती सवार थे।

पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ ने सुबोधकांत सहाय के प्रति जताया आभार

विशेष संवाददाता

रांची। पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ ने राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में उनकी मांगों की स्वीकृति मिलने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय एवं झारखंड सरकार के प्रति आभार जताया।

विदित हो कि विगत लगभग ढाई सौ दिनों से पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से भी मांगों के संदर्भ में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया था। मंगलवार को राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में मांगों से संबंधित मंजूरी मिलने पर संघ के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया।

संघ के अध्यक्ष चंद्रदीप एवं सचिव युगल प्रसाद के नेतृत्व में पंचायत सचिवालय

स्वयंसेवक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल एचईसी आवासीय परिसर स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के आवास पर पहुंचकर उन्हें अबीर-गुलाल लगाकर खुशी का इजहार किया।

मालूम हो कि श्री सहाय ने पंचायत सचिवालय स्वयंसेवकों की मांगों के संदर्भ में राज्य सरकार के मंत्री आलमगीर आलम से अनुरोध किया था।

श्री सहाय की पहल पर सकारात्मक कार्रवाई करते हुए राज्य सरकार ने पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक की मांगों को स्वीकृत किया। कैबिनेट के निर्णय के मुताबिक पंचायत स्वयंसेवक अब पंचायत सहायक कहलाएंगे। पंचायत सहायकों को प्रोत्साहन राशि के अलावा ?2500 प्रतिमाह मानदेय व स्टाइपेंड, हेल्प डेस्क में पूर्ववत पंचायत सहायकों के चार सदस्य को शामिल करने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष चंद्रदीप, सचिव युगल प्रसाद, पवन कुमार मंडल, विभा रानी, बाल गोविंद महतो, मनोज सेन, शमीम अख्तर, राजेंद्र नायक, प्रभात भूषण, नवीन, आनंद गुप्ता, मंटू कुमार, गौतम कुशवाहा, संतोष कुमार, अनीता देवी, सुनीता, संदीप, अजय, राजनाथ सहित काफी संख्या में पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के सदस्य मौजूद थे।

सुबोधकांत सहाय ने राज्य सरकार के प्रति किया आभार व्यक्त : राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा मंगलवार को पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ की मांगों के संदर्भ में स्वीकृति दिए जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के इस निर्णय से पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक युवाओं का भविष्य सुरक्षित हुआ है। राज्य सरकार का यह कदम स्वागत योग्य है।

विरोध के बाद कोल कंपनी की ग्राम सभा रद्द

प्रतिनिधि, बड़कागांव। हजारीबाग उपायुक्त कार्यालय के द्वारा आम सूचना संख्या 154/रा. के आलोक में मंगलवार को प्रखंड अंतर्गत गोंदलपुरा में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कोल खनन परियोजना के भू अर्जन के निमित्त परियोजना प्रभावितों विस्थापितों के पुनर्वासन एवं पुनर्स्थापना हेतु तैयार की गई पुनर्वासन एवं पुनर्स्थापना योजना के मसौदा के संबंध में परियोजना प्रभावित क्षेत्र के व्यक्तियों के सुझावों और मंतव्य को सुनने एवं अंतिम योजना में समावेश करने के लिए लोक सुनवाई का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने बड़कागांव अंचलाधिकारी बालेश्वर राम और प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र मंडल को लगभग दो घंटे अपने घेरे में रखा। इस दौरान ग्रामीणों ने एनटीपीसी, अदानी और जेएसडब्ल्यू कोल खनन कंपनी के विरोध में नारेबाजी की। ग्रामीणों के काफी हो हंगामे के बीच अंत में लोक सुनवाई का आयोजन हुआ, जिसमें बड़कागांव अंचल अधिकारी बालेश्वर राम उपस्थित हुए एवं लोक सुनवाई का संचालन एवं संपादन कराया। जनसुनवाई में जनता के द्वारा निर्णय लिया गया कि कंपनी को जमीन नहीं देंगे। साथ ही जंगल, वन भूमि नहीं देने तथा पुनर्वास स्थल में नहीं जाने का प्रस्ताव पास किया गया। उपस्थित ग्रामीणों ने खदान नहीं खोलने का प्रस्ताव पारित किया। लोगों ने कहा कि कोल ब्लॉक का आवंटन रद्द कर भूमि अधिग्रहण 2013 के अधिनियम के विधियों का सम्मान करें। जनसुनवाई में स्थानीय प्रतिनिधि एवं प्रशासन के पदाधिकारी उपस्थित हुए लोगों को प्रस्ताव में या बात आई के आज के बाद कॉल कंपनी के कार्यों को रोक लगाई जाए। अंचल अधिकारी बालेश्वर राम ने कहा कि जनसुनवाई रद्द की जाती है।

सीआईआई पूर्वी क्षेत्रीय परिषद के लिए नए पदाधिकारी चुने गए

सुवेन्द्र बेहरा अध्यक्ष और शाश्वत गोयनका बने उपाध्यक्ष

प्रतिनिधि, रांची। सुवेंद्र कुमार बेहरा, उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड को वर्ष 2024 - 25 के लिए सीआईआई पूर्वी क्षेत्र परिषद के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। आरपी-संजीव गोयनका समूह के उपाध्यक्ष शाश्वत गोयनका को वर्ष 2024-25 के लिए सीआईआई पूर्वी क्षेत्र परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया है। उनके नाम की घोषणा कोलकाता में आयोजित पुनर्गठित पूर्वी क्षेत्र परिषद की पहली बैठक में की गई। सुवेंद्र कुमार बेहरा ने कम उम्र में महान उद्यमशीलता का प्रदर्शन किया जब, उन्होंने अपने बड़े भाई रवींद्र कुमार बेहरा के साथ मिलकर एसएसआई की स्थापना की, जो अब विश्व स्तर पर फैला हुआ आरएसबी समूह है। वह वर्तमान में ऑटोमोटिव और अर्थमूविंग उपकरण विनिर्माण क्षेत्र में चार दशकों से अधिक के अनुभव के साथ समूह के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं। श्री बेहरा सीआईआई की राष्ट्रीय परिषद - कौशल विकास और आजीविका समिति के पूर्व सह-अध्यक्ष और सीआईआई - झारखंड चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष हैं।

जिला अभियंता का कार्यालय जिला परिषद, खूँटी

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
ई० टेन्डर रिफरेन्स नम्बर – DOPR/DE/KHUNTI/39/2023-24

क्र.	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्रा० राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	अड़की	खूँटी जिला के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, अड़की में Block Public Health Unit (BPHU) की स्थाना।	5000000.00	100000.00	10000.00	06 माह

नोट :–
1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय :– 13.03.2024 के अपराह्ण 05:00 बजे।
2. ई–निविदा डालने की अंतिम तिथि :– 19.03.2024 के अपराह्ण 05:00 बजे तक।
3. ई–निविदा की परिमाण विपत्र एवं अग्रधन की राशि ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:– 19.03.2024 के अपराह्ण 05:00 बजे तक(e-Procurement Portal-jharkhandtenders.gov.in)
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 21.03.2024 अपराह्ण 04:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430752050
7. जिला परिषद, खूँटी/RWD/BCD के समुचित श्रेणी का निबंधन ही मान्य होगा।
8. प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुरूप ही अग्रधन की राशि (ऑनलाईन) जमा करना होगा एवं इस संबंध में में कोई दावा मान्य नहीं होगा।
9. अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह०/–
जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी।
PR.NO.322264 District(23-24):D

झारखण्ड सरकार
कार्यालय अधीक्षक, मंडल कारा कोडरमा।
गृह (कारा) विभाग

अति अल्पकालीन ई0 निविदा सूचना।

क01	कारा का नाम	मंडल कारा, कोडरमा।
2	विषय	मंडल कारा कोडरमा में संसीमित बंदियों के भोजनादी की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार, के खाद्यानों,खस्सी मांस एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई0 निविदा का आमंत्रण (वार्षिक ई0 निविदा दिनांक–01.04.2024 से 31.03.2025 तक)
3	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	रूपये 5,000·00 (पाँच हजार) मात्र
4	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय	दिनांक–15.03.2024 से 23.03.2024 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
5	निविदा Online Upload करने की तिथि	दिनांक–15.03.2024 से 23.03.2024 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
6	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि	दिनांक:–26.03.2024 से 27.03.2024 के अपराह्न 04:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7	अग्रधन राशि (EMD) रूपये 2500/– से अधिक होने पर जमा करने की तिथि	दिनांक:–26.03.2024 से 27.03.2024 के अपराह्न 04:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8	निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान	दिनांक–28.03.2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अनुमण्डल पदाधिकारी, कोडरमा के कार्यालय कक्ष में।

नोट:–
1.उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3.अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, मंडल कारा कोडरमा के कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-tender को Online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No.9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक,
मंडल कारा कोडरमा।
PR.NO.322320 Home, Prison And Disaster Management(23-24):D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, खूँटी
नया समाहरणालय भवन, ब्लॉक–सी0, चाईबासा रोड, खूँटी– 835210
Email ID – jepkhunti@gmail.com

इच्छा की अभिव्यक्ति

राज्य परियोजना निदेशक, झा0शि0प0प0, राँची के पत्रांक 368 दिनांक 02.02.2024 के आलोक में जिले के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए राज्य से बाहर एवं उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिये राज्य के अन्दर भ्रमण कराया जाना है। उक्त के आलोक में इच्छुक एजेंसी भ्रमण से संबंधित भ्रमण स्थल एवं प्रतिदिन भ्रमण योजना की विस्तृत विवरणी एवं कोटेशन दिनांक 19.03.2024 के अप0 2.00 बजे तक झारखण्ड शिक्षा परियोजना, खूँटी, नया समाहरणालय भवन, चाईबासा रोड, खूँटी, पिनकोड 835210 में जमा करेंगे। पूर्व में इस कार्य का अनुभव रखनेवाले एजेंसी ही इसमें भाग लेंगे।

उक्त से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में जिला कार्यालय से सम्पक किया जा सकता है।

ह0/–
जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी झारखण्ड शिक्षा परियोजना,खूँटी
PR 322289 (District)23-24*D

शिक्षा का अधिकार
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, खूँटी
नया समाहरणालय भवन, ब्लॉक–सी0, चाईबासा रोड, खूँटी– 835210
Email ID – jepkhunti@gmail.com

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम् 2009 की धारा 12 (1)(सी.) के अन्तर्गत 25% सीट में नामांकन से संबंधित आम–सूचना

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम् 2009 की धारा 12 (1)(सी.) के अन्तर्गत जिले के सभी गैर सहायता मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों (अल्पसंख्यक छोड़कर) को सत्र 2024–25 में 25% सीट पर नामांकन लिया जाना ळें 25% कोटि में नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन कार्यालय के वेबसाइट www.jepkhunti.in पर दिनांक 26.03.2024 तक भरा जायेगा एवं माता–पिता/अभिभावक भरे गए आवेदन का प्रिंट निकालकर सभी दस्तावेजों को संलग्न एवं स्व अभिप्रमाणित करते हुए संबंधित विद्यालय में दिनांक 28.03.2024 तक अनिवार्य रूप से जमा करेंगे। कोई भी गलत प्रमाण पत्र संलग्न किए जाने की सम्पूर्ण जवाब देही संबंधित माता–पिता/पालक/अभिभावक की होगी। माता–पिता/अभिभावकों द्वारा उपलब्ध कराए गए आवेदन एवं अभिलेखों/प्रमाणपत्रों की समुचित जाँचोंपरांत तथा नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम् 2009 की धारा 12 (1)(सी.) के प्रावधानों के अनुरूप योग्य बच्चों का नामांकन संबंधित विद्यालय में लिया जायेगा। नामांकन हेतु विद्यालय का नाम, रिक्त सीट, योग्यता एवं आवेदन करने संबंधी विस्तृत जानकारी बेवसाइट पर उपलब्ध है।

ह0/–
जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, खूँटी
PR 322295 District(23-24)#D

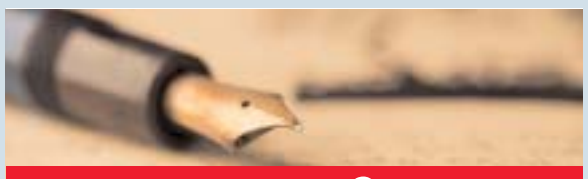

संपादकीय

फर्जी कॉल सेंटर के जरिए धोखाधड़ी, काबू पाने की जरूरत

इंटरनेट के फैलते दायरे के साथ-साथ इसे ठगी का जरिया बनाने वालों ने जिस तरह लोगों को अपनी कारगुजारियों का शिकार बनाना शुरू कर दिया है, उससे नई तरह की जटिलता खड़ी हो रही है। गुरुवार को आई एक खबर के मुताबिक नोएडा में पुलिस ने एक काल सेंटर का भंडाफोड़ किया और उसके उन चौदह कर्मचारियों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने विदेशी नागरिकों से करोड़ों रुपए ठग लिए थे। अच्छे-खासे संसाधनों और आधुनिक तकनीकों के साथ काल सेंटर के रूप में संगठित रूप से यह कारोबार चलाने वाले ये लोग दरअसल अमेरिका और अन्य देशों में रहने वाले लोगों को अपने झांसे में लेकर उनके कंप्यूटर में वायरस डाल देते थे और इसके बाद उसे ठीक करने के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूलते थे। माना जाता है कि इंटरनेट पर होने वाली गतिविधियां आमतौर पर पारदर्शी होती हैं और इस पर अवांछित वसूली करना मुश्किल हो सकता है। मगर इस तरह का फर्जीवाड़ा करने वाले आपराधिक तत्त्व गलत तरीके से पहले अमेरिका या अन्य देशों में रहने वाले लोगों से संबंधित ब्योरा या उनका डेटा हासिल करते हैं। फिर उन्हें आर्थिक अपराधों के जाल में फंसने का डर दिखा कर, कभी कंप्यूटर में वायरस डाल कर या फिर लुभावने आर्थिक प्रस्तावों के जरिए अपनी बातों में फंसाते हैं। इसके बाद मुश्किल से बचाने के नाम पर मोटी रकम वसूलते हैं। अकेले नोएडा में ऐसे कई मामले पकड़े जा चुके हैं। उम्मीद यही की गई थी कि आनलाइन माध्यम से होने वाले कामकाज से पारदर्शिता आएगी और इसके सहारे आर्थिक अपराधों को रोका जा सकेगा। मगर अलग-अलग तरीके से खड़े किए गए आनलाइन कारोबार में आए दिन जिस तरह ठगी की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे यही लगता है कि धोखाधड़ी करने वालों ने इस माध्यम में भी अपनी घुसपैठ कर ली है और नए-नए तरीकों से धोखा देकर लोगों से आर्थिक लूट में लिप्त हो गए हैं। यों पुलिस महकमे के साइबर अपराध शाखाओं की ओर से ऐसे तत्त्वों पर लगाम कसने की कोशिश की जाती है, मगर फर्जी काल सेंटर के जरिए धोखाधड़ी के फैलते संजाल पर काबू पाना मुश्किल साबित हो रहा है।

2024 के चुनाव से पहले कैसे बदल गया एनडीए

सहयोगी दलों को लेकर उसके रुख में भी बुनियादी बदलाव आया। यह खास तौर पर महाराष्ट्र और बिहार में दिखा, जहां वह अलायंस में 'छोटे भाई' से 'बड़े भाई' की भूमिका में आ गई। लिहाजा शिवसेना और जेडी दोनों के नेतृत्व ने एनडीए से बाहर की राह पकड़ ली। अकाली दल जैसे अन्य सहयोगी दल भी उससे अलग हो गए।

(अनिल कुमार)

लोकसभा चुनाव से पहले इस बार का एनडीए अलग नजर आ रहा है। एनडीए में इस बार सहयोगियों की तलाश बढ़ गई है। बीजेपी ने आंध्र प्रदेश में चंद्र बाबू नायडू और अभिनेता से राजनीति में उतरे पवन कल्याण से हाथ मिलाया है। एनडीए ने इस बार 400 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है।

आंध्र प्रदेश में ?बीजेपी, तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) और जनसेना पार्टी (जेएसपी) का साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला अहम है। लोकसभा चुनावों में अपने लिए 370 और एनडीए के लिए 400 सीटों का जो लक्ष्य भाजपा ने घोषित कर रखा है, उसके मद्देनजर नए सहयोगियों का जुड़ाव तो महत्वपूर्ण है, लेकिन इसकी शर्तें भी कम मायने नहीं रखतीं।

बदल चुका है समीकरण – बीजेपी की टीडीपी पुरानी सहयोगी रही है। 1996 से लेकर 2018 तक यह एनडीए का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी। अब छह साल बाद जब वह वापस लौटी है, तो यह देखना अहम है कि एनडीए के अंदर का शक्ति समीकरण पूरी तरह बदल चुका है।

कोई हिचक नहीं – वाजपेयी और आडवाणी की अगुआई में जब एनडीए बना था, तब टीडीपी जैसे सहयोगी दलों के बगैर भाजपा सरकार नहीं बना सकती थी। यही वजह थी कि इन दलों के दबाव में उसे अपने तीन मूल मुद्दों - राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और कॉमन सिविल कोड - को अस्थायी तौर पर छोड़ने की घोषणा करनी पड़ी थी। आज की स्थिति यह है कि तीन में से दो मांगें पूरी हो चुकी हैं और उत्तराखंड से कॉमन सिविल कोड को लागू करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। जाहिर है, अपने मूल सिद्धांतों पर किसी भी तरह का संकोच दिखाने की भाजपा को न तो कोई जरूरत है और न उसकी ऐसी कोई मंशा।

अपने दम पर बहुमत – 2014 में अपने दम पर बहुमत हासिल करने के बाद भाजपा की एनडीए के सहयोगी दलों पर निर्भरता नहीं रह गई। जाहिर है सहयोगी दलों को लेकर उसके रुख में भी बुनियादी बदलाव आया। यह खास तौर पर महाराष्ट्र और बिहार में दिखा, जहां वह अलायंस में 'छोटे भाई' से 'बड़े भाई' की भूमिका में आ गई। लिहाजा शिवसेना और जेडी दोनों के नेतृत्व ने एनडीए से बाहर की राह पकड़ ली। अकाली दल जैसे अन्य सहयोगी दल भी उससे अलग हो गए।

फिर से विस्तार – बदले माहौल में यह प्रक्रिया एक बार फिर रिवर्स मोड लेती नजर आ रही है। न सिर्फ बिहार में जेडीयू फिर से एनडीए का हिस्सा बन चुका है और आंध्र प्रदेश में टीडीपी से गठबंधन हो गया है बल्कि ओडिशा में बीजेडी के साथ भी बातचीत चल रही है। जाहिर है, भाजपा नेतृत्व एक बार फिर सहयोगी दलों की संख्या बढ़ाना जरूरी मान रहा है।

टारगेट से उपजा दबाव – टारगेट हासिल करना है तो भाजपा को उत्तर के राज्यों में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए दक्षिण के राज्यों में सांसदों की संख्या बढ़ानी होगी। ऐसे में सहयोगी दलों को साथ लाने की जरूरत है तो यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा सीटों पर पार्टी खुद लड़े। आखिर 370 सीटों तक पहुंचने के लिए उसे 67 सीटें और जीतनी होंगी। जाहिर है, लक्ष्य तक पहुंचने के लिए भाजपा को इस विरोधाभास से भी पार पाना होगा।

भाजपा ने माधवी लता को उतार कर ओवैसी को उनके गढ़ में बुरी तरह घेरा

(नीरज कुमार दुबे)

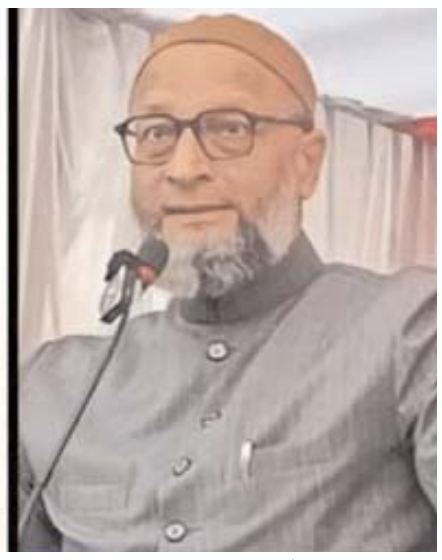

हम आपको बता दें कि माधवी लता को हैदराबाद लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाये जाने का कारण यह भी है कि एक तो वह महिला हैं और दूसरा मुस्लिम महिलाओं के बीच उन्होंने काफी काम किया है जिसके चलते वह उनके बीच काफी लोकप्रिय हैं।

देश भर में घूम-घूमकर मुस्लिम वोटों की राजनीति करने वाले एआईएमआईएम के प्रमुख असदुदीन ओवैसी इस बार खुद अपने गढ़ हैदराबाद में घिर गये हैं क्योंकि भाजपा ने आरएसएस कार्यकर्ता माधवी लता को उनके खिलाफ उतार दिया है। माधवी लता जिस तरह से अपनी उम्मीदवारी घोषित होने के बाद से ओवैसी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं उससे हैदराबाद के सांसद की राजनीतिक जमीन हिल गयी है। इसीलिए आजकल ओवैसी जिम में पसीना बहा रहे हैं क्योंकि उन्हें इस बार मजबूत उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ना है और समय निकाल कर अन्य प्रदेशों में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों का प्रचार भी करना है। हम आपको बता दें कि हाल में संपन्न तेलंगाना विधानसभा चुनाव में जिस तरह एआईएमआईएम को अपने गढ़ हैदराबाद में झटका लगा था उसके चलते लोकसभा चुनाव के लिए ओवैसी काफी सतर्कता बरत रहे हैं।

जहां तक माधवी लता की बात है तो आपको बता दें कि वह आरएसएस कार्यकर्ता, पारंपरिक भारतीय महिला, उद्यमी, अस्पताल प्रशासक और एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नर्तक हैं। हाल के समय तक राजनीतिक क्षेत्रों में उनका नाम कभी चर्चा में नहीं रहा था लेकिन जब भाजपा ने हैदराबाद से उन्हें लोकसभा सीट का उम्मीदवार घोषित किया तो वह रातोंरात सुर्खियों में आ गयीं। 49 वर्षीय कोम्पेला माधवी लता तीन बच्चों की मां हैं। जब उन्हें भाजपा उम्मीदवार बनाया गया तो वह खुद भी आश्चर्यचकित रह गयी थीं क्योंकि उन्होंने अपने लिए कभी कोई पैरवी नहीं की थी। ओजस्वी वक्ता और उस्मानिया विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर माधवी लता कहती हैं कि मेरी उम्मीदवारी से यह बात साबित हो जाती है कि भाजपा लोगों की क्षमताओं और उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों पर नजर रखती है और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देती है।

हम आपको बता दें कि माधवी लता को उम्मीदवार बनाये जाने का कारण यह भी है कि एक तो वह महिला हैं और दूसरा मुस्लिम महिलाओं के बीच उन्होंने काफी काम किया है जिसके चलते वह उनके बीच काफी लोकप्रिय हैं। इसके अलावा एक प्रखर वक्ता होना भी उनके पक्ष में गया है क्योंकि ओवैसी जिस तरह अपने भाषणों के जरिये लोगों को अपने पक्ष में करते हैं उसी तरह अपने भाषणों के जरिये उन्हें जवाब देने वाला प्रतिद्वंद्वी उनके खिलाफ चाहिए था। हम आपको बता दें कि एआईएमआईएम ने चार दशकों से हैदराबाद लोकसभा सीट पर कब्जा बनाए रखा है। सलाहुद्दीन ओवैसी ने 1984 से 1999 तक इस सीट का प्रतिनिधित्व किया और उसके बाद से उनके बेटे असदुद्दीन हैदरबाद से सांसद हैं। हैदराबाद लोकसभा सीट के तहत गोशामहल को छोड़कर सभी विधानसभा क्षेत्रों पर एआईएमआईएम का कब्जा है। गोशामहल से भाजपा के फायर ब्रांड नेता टी. राजा विधायक हैं।

भाजपा ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भगवंत राव पवार को अपना उम्मीदवार बनाया था जोकि ओवैसी से भारी अंतर से चुनाव हार गये थे। इस बार हैदराबाद से भाजपा प्रत्याशी तय करने में आरएसएस से जुड़े संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रमुख और संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने इस क्षेत्र में मुस्लिम महिलाओं के बीच काम कर रहीं माधवी लता का नाम सुझाया जिस पर पार्टी में सहमति बन गयी और उनकी उम्मीदवारी की घोषणा हो गयी। खुद माधवी लता भी इस बात को मानती हैं कि उन्हें चुनाव में मुस्लिम महिलाओं का सहयोग मिलेगा। उनका कहना है कि अगर हिंदू-मुस्लिम मुद्दे को देखा गया होता तो भाजपा मुझे उम्मीदवार नहीं बनाती। उनका कहना है कि मैं मुस्लिमों के बीच काम करती हूँ और उन्हें अपना मानती हूँ। माधवी लता का कहना है कि मैं तीन तलाक की विरोधी रही हूँ और हिंदुओं से जुड़े विषयों को लेकर भी सक्रिय रही हूँ। पुराने हैदराबाद शहर के याकूतपुरा की संतोष नगर कॉलोनी में एक निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार में पली-बढ़ी लता माधवी कहती हैं कि वह हमेशा विभिन्न संस्कृतियों के बीच रहीं हैं।

माधवी लता ने अपनी उम्मीदवारी घोषित होने के बाद मीडिया से कहा था कि मुझे 1980 के दशक में हुए सांप्रदायिक दंगों ने डरा दिया था। उन दंगों ने मुझे यह सोचने पर मजबूर कर दिया था कि लोग किसी की जान लेकर अपनी नफरत क्यों व्यक्त करना चाहते हैं। उनका कहना है कि वर्षों के अनुभव के बाद मुझे एहसास हुआ कि इसके पीछे आम आदमी नहीं बल्कि एक राजनीतिक खेल है। उनका कहना है कि एक आम आदमी चाहे वह हिंदू हो या मुस्लिम, वह हिंसा नहीं चाहता। उन्होंने ओवैसी की ओर इशारा करते हुए कहा कि कुछ नेता ऐसे हैं जो कभी भी दोनों समुदायों के बीच शांति नहीं चाहते हैं। माधवी लता का कहना है कि यह लोग लंबे समय से सत्ता में जमे हैं लेकिन इन्होंने अपने समुदाय के लोगों के लिए भी कुछ नहीं किया। मौजूदा सांसद को खुली चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि मैं पुराने शहर की हर गली में प्रचार करूंगी और अगर मुझ पर एक भी पत्थर फेंका गया तो असदुद्दीन ओवैसी जवाबदेह होंगे।

माधवी लता का कहना है कि मेरे विरोधियों को चाहिए कि वह मुझे बराबरी का मुकाबला करने की अनुमति दें। उनका कहना है कि हमें धर्म को बीच में नहीं लाना चाहिए और लोगों की भावनाओं के साथ नहीं खेलना चाहिए। उनका कहना है कि मैं चुनाव प्रचार में धर्म की बात नहीं करूँगी। माधवी लता का दावा है कि हैदराबाद में ऐसे मतदान केंद्र हैं जहां मतदाताओं को धमकाया जा रहा है और पोलिंग एजेंट स्वतंत्र रूप से काम करने से डर रहे हैं। उनका कहना है कि मैं चुनाव आयोग से माँग करूँगी कि पर्याप्त संख्या में बल तैनात किया जाये और मतदान प्रक्रिया की लाइव स्ट्रीमिंग कराई जाये। उनका कहना है कि वह हैदराबाद निर्वाचन क्षेत्र के 1996 मतदान केंद्रों की निगरानी के लिए एक विशेष टास्क फोर्स के गठन के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संपर्क करेंगी। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हो गया तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। माधवी लता का यह भी कहना है कि मतदाता सूची से 2 लाख से अधिक हिंदू मतदाताओं को हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि देश के लोगों को लगता है कि पुराने हैदराबाद शहर में बहुत सारे मुसलमान हैं इसलिए ओवैसी जीतते रहते हैं लेकिन इस बार यह मिथक टूट जायेगा क्योंकि मुझे सभी समुदायों का समर्थन मिलेगा। माधवी लता का कहना है कि वह चुनाव प्रचार के दौरान सीएए और तीन तलाक के बारे में लोगों की गलतफहमियां भी दूर करेंगी।

जहां तक ओवैसी की बात है तो आपको बता दें कि वह राष्ट्रीय स्तर पर अपना सियासी वजूद कायम करने के लिए पूरा जोर भले लगा रहे हैं लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पा रही है। इस बार तो उनको अपने गृह राज्य तेलंगाना विधानसभा चुनावों में ही झटका लग गया जब उनकी पार्टी की सीटों की संख्या घट गयी। इसके अलावा, हाल के चुनावों की बात करें तो ओवैसी ने बिलकीस बानो को आधार बनाकर गुजरात में अपनी सियासत शुरू करने की कोशिश की थी लेकिन भाजपा ने गुजरात के दाहोद जिले की लिमखेड़ा विधानसभा सीट पर भी जीत दर्ज की जहां कभी 2002 के दंगों की पीड़िता बिलकीस बानो रहा करती थीं। ओवैसी हैदराबाद से बाहर निकल कर हर जगह अपने पांव फैलाना चाह रहे हैं लेकिन जनता उन्हें उल्टा लौटा दे रही है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भी उन्होंने बड़े-बड़े दावे कर डाले थे। हिजाब को मुद्दा बना दिया था लेकिन यूपी की जनता ने उन्हें खाली हाथ लौटा दिया था। इससे पहले बिहार में जरूर उनकी कुछ सीटें आ गयी थीं लेकिन एक को छोड़कर बाकी विधायक राष्ट्रीय जनता दल में भाग गये।

ओवैसी परिवार की बात करें तो आपको बता दें कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ही भड़काऊ भाषण नहीं देते बल्कि उनके छोटे भाई और तेलंगाना के विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी तो कभी-कभी अपने बड़े भाई से भी आगे निकल जाते हैं। अभी हालिया तेलंगाना विधानसभा चुनावों के दौरान भी उन्होंने रात दस बजे के बाद भाषण देने से रोकने वाले पुलिस अधिकारी को चेतावनी देते हुए कहा था कि 'मुझे रोकने वाला अभी तक कोई पैदा नहीं हुआ है।' अकबरुद्दीन ओवैसी ने पुलिस अधिकारी को धमकाते हुए कहा कि अगर वह अपने समर्थकों की तरफ इशारा कर दें, तो उन्हें यहां से दौड़ कर भागना पड़ेगा। इससे पहले भी अकबरुद्दीन ओवैसी कई विवादित बयान दे चुके हैं। अकबरुद्दीन ओवैसी मुगल सम्राट औरंगजेब के मकबरे पर जाना अपनी शान समझते हैं और हमेशा धर्म की राजनीति करते हैं।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि असदुद्दीन ओवैसी के दादा अब्दुल वहीद ओवैसी ने 1927 में बनी मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन को 1957 में 'ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन' के नाम से फिर से शुरू किया था। जिसे बाद में उनके बेटे और हैदराबाद से दो दशक तक लोकसभा के सदस्य रहे सलाहुद्दीन ओवैसी ने आगे बढ़ाया। अब एआईएमआईएम की सांप्रदायिक राजनीति को आगे बढ़ाने का जिम्मा असदुद्दीन और अकबरुद्दीन ओवैसी ने उठाया हुआ है। भाजपा का तो सीधा आरोप है कि दशकों से कांग्रेस तथा बीआरएस के सहयोग से एआईएमआईएम एक आपराधिक गिरोह बन चुकी है जिसने हैदराबाद शहर को अपराधग्रस्त कर रखा है। तेलंगाना भाजपा का कहना है कि अब इस गंदगी को साफ करने का मौका आ गया है।

बहरहाल, देखा जाये तो ओवैसी भाइयों की राजनीति विशुद्ध सांप्रदायिक है। कट्टरपंथी ताकतों का उभरना हमारे देश और लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है और इस तरह की राजनीति कभी भी देश का हित नहीं कर सकती। जनता को भी यह बात समझ आ रही है इसीलिए माधवी लता के चुनाव प्रचार में जिस तरह मुस्लिम महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है उससे ओवैसी और उनके समर्थकों के होश उड़े हुए हैं। घबरा कर ओवैसी आजकल जिस तरह के बयान दे रहे हैं उसको देखकर माधवी लता का कहना है कि डर शुरू हो गया है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

राहुल की यात्राएं नहीं रोक पा रही कांग्रेस में निराशा

(अजय सेतिया)

राहुल गांधी ने पिछले साल भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरने और पार्टी को जोड़े रखने के लिए शुरू की थी। उसे काफी सफलता भी मिली थी, लेकिन अपनी उसी यात्रा के दौरान दो विदेश यात्राएं करके उन्होंने अपनी सफलता को विफलता में बदल लिया। अब अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान भी उन्होंने वही गलती दोहराई है, इसलिए लालू यादव को उन्हें कहना पड़ा कि वह विदेश यात्राएं कम करें। राहुल गांधी की बार बार की विदेश यात्राओं से उनकी राजनीतिक गंभीरता पर सवाल खड़े होते हैं। लोकसभा उम्मीदवारों का चयन करने के लिए हुई कांग्रेस की पहली केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में उनके नदारद रहने पर भी उनकी राजनीतिक गंभीरता का पता चलता है। जब वह अपनी भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान विदेश यात्राएं कर सकते हैं, तो कांग्रेस के उम्मीदवारों की चयन बैठक में शामिल होना क्यों टाला गया। पहले कहा गया था कि वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग से जुड़ेंगे, लेकिन वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए भी बैठक से नहीं जुड़े। अपनी इन भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान उन्होंने तीन विदेश यात्राएं तो की, लेकिन इस दौरान हुए संसद सत्र में वह लगभग पूरी तरह गायब रहे। कहते हैं कि दिल्ली में सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है। इसी लिए नरेंद्र मोदी ने 2014 में उत्तर प्रदेश की वाराणसी सीट से चुनाव लड़ा था, इसके साथ ही वह गुजरात की वडोदरा सीट से भी चुनाव लड़े थे। मोदी के उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने का भाजपा को बहुत फायदा हुआ, वह 80 में से 71 लोकसभा सीटें जीत गई। 2019 में राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री पद के स्वघोषित उम्मीदवार थे, तो उन्होंने उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट के साथ साथ केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ा था। भले ही वह अमेठी में हार गए, लेकिन उनके केरल से चुनाव लड़ने का कांग्रेस को बहुत फायदा हुआ, राज्य में कम्युनिस्ट सरकार होने के बावजूद कांग्रेस केरल में लोकसभा की 20 में से 15 सीटें जीत गई।

भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाराणसी सीट पर उम्मीदवारी घोषित कर दी, लेकिन कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की उत्तर प्रदेश की क्रमशः अमेठी और रायबरेली सीट से उम्मीदवारी घोषित नहीं की है। जबकि राहुल गांधी की उत्तर प्रदेश में दो बार की भारत जोड़ो यात्रा के बाद तो कांग्रेस को उनकी जीत पर कोई आशंका नहीं होनी चाहिए थी। असल में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्राएं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में कोई उत्साह पैदा नहीं कर पाई हैं। कांग्रेस ने 7 मार्च को केन्द्रीय चुनाव समिति की पहली बैठक में 50 उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए थे, लेकिन अगले दिन शुक्रवार को सिर्फ 39 नामों का एलान हुआ, क्योंकि 11 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ने से आनाकानी कर दी। इतना ही नहीं, केन्द्रीय चुनाव समिति के सदस्यों छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल को जबरदस्ती टिकट थमाया गया है। चुनाव समिति के सदस्य सचिन पायलट से भी कहा गया कि वह लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहें, लेकिन वह तैयार नहीं हैं। केसी वेणुगोपाल लोकसभा का पिछला चुनाव नहीं लड़े थे, उनकी अलाप्पुझा सीट पर जिसे उम्मीदवार बनाया गया था, वह चुनाव हार गए।

इसलिए कांग्रेस ने उन्हें ही अलाप्पुझा से चुनाव लड़ने को मजबूर किया, जहां से वह 2009 और 2014 में चुनाव जीते थे। केसी वेणुगोपाल को 2022 में राजस्थान से राज्यसभा सांसद बनाया गया था, उनके अभी चार साल बाकी पड़े हैं। अगर वह केरल से लोकसभा चुनाव जीत जाते हैं, तो उन्हें राज्यसभा से इस्तीफा देना पड़ेगा। उनकी खाली होने वाली सीट पर कांग्रेस जीत नहीं सकती, क्योंकि अब राजस्थान में भाजपा बहुमत में है। वेणुगोपाल ने यह कह कर कांग्रेस की पोल खोल दी कि हम लोकसभा में ज्यादा से ज्यादा सांसद पहुंचाना चाहते हैं। यह कह कर जो बात उन्होंने छुपाई, वह यह है कि कांग्रेस लोकसभा में विपक्ष का आधिकारिक दर्जा हासिल करने के लिए जद्दोजहद कर रही है। इन सब घटनाओं से स्पष्ट है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के उत्तर प्रदेश में फेल हो जाने के बाद कांग्रेस ज़िंदा रहने की कोशिश कर रही है। लेकिन कांग्रेस के बड़े बड़े नेताओं को अपना राजनीतिक भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बावजूद कांग्रेस से पलायन रूक नहीं रहा। लोक दिखावे के लिए भले ही भारत जोड़ो यात्रा का मकसद मोदी सरकार की ओर से कथित तौर पर समाज में पैदा की गई खाई को भरना बताया जा रहा हो, लेकिन यह हर कोई जानता है कि इसका असली मकसद कांग्रेस से पलायन रोकना और राहुल गांधी को रिलांच करना था। कांग्रेस इन दोनों ही मकसदों में नाकाम रही है।

उनकी यात्राओं के दौरान ही कांग्रेस से पलायन जारी है। शायद ऐसा कोई राज्य नहीं बचा है, जहां से कांग्रेस के बड़े बड़े नेता पार्टी छोड़कर भाजपा या अन्य दलों में न जा रहे हों। कांग्रेस अपने नेताओं के पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने का कारण उनका ईडी और सीबीआई से डर बताकर भाजपा पर सत्ता का दुरूपयोग बताती रहती है, लेकिन ऐसा कह कर वह यह भी बता रही होती है कि सत्ता में रहते हुए उनके नेताओं ने जम कर भ्रष्टाचार किया था, जो अब बचने का रास्ता ढूंढ रहे हैं। मान लिया कि अशोक चव्हाण पर भ्रष्टाचार का मामला था, लेकिन मिलिंद देवड़ा पर कौन सा केस था। केरल के दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों ए.के. एंटनी के बेटे अनिल एंटनी या करुणाकरण की बेटी पद्मजा वेणुगोपाल पर कौन से आरोप थे। ऐसे अनेक उदाहरण है जहां बेदाग़ कांग्रेसी नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। जैसे नरसिम्हा राव सरकार में संसदीय कार्यमंत्री रहे सुरेश पचौरी का राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के मध्यप्रदेश से गुजर जाने के बाद भाजपा में शामिल होना। सुरेश पचौरी के साथ इंदौर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला और विशाल पटेल भी कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले छिंदवाडा के एक हजार से ज्यादा कांग्रेस के छोटे बड़े नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। इसी तरह राहुल गांधी की यात्रा राजस्थान से गुजरने के बाद गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे लालचंद कटारिया, पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा, विजयपाल मिर्धा, आलोक बेनीवाल, खिलाड़ी लाल बैरवा सब भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले पूर्व मंत्री महेंद्र जीत सिंह मालवीय भाजपा में शामिल हुए थे। राहुल गांधी की न्याय यात्रा के दौरान ही गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया और पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अंबरीश ढेर कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। क्या इन सब पर ईडी और सीबीआई का दबाव था, क्या इनमें से किसी के भी खिलाफ कोई पूछ्ताछ या केस चल रहा था? इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस के सभी नेता ईडी और सीबीआई के डर से भाजपा में शामिल हो रहे हैं। असल में ज्यादातर नेताओं को गांधी परिवार के नेतृत्व में कांग्रेस का, और कांग्रेस के साथ अपना राजनीतिक भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा है।(इस लेख में लेखक ने अपने निजी विचार व्यक्त किए हैं।

दुनिया के दूसरे देशों से अलग करती हैं पुर्तगाल को ये चीजें

दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो बाकी देशों से बिल्कुल अलग हैं। इन देशों में पुर्तगाल का नाम भी शामिल है। फुटबॉल खेलने वाली दुनिया की बेस्ट टीमों में पुर्तगाल का भी नाम है। इस देश में कई ऐसी चीजें हैं जो दुनिया के दूसरे देशों से इसको अलग करती हैं। आईए बताते हैं इस देश से जुड़ी कुछ दिलचस्प और खास बातें जिनके बारे में जानकर आपको यकीन नहीं होगा।

- पुर्तगाल की स्थापना 1128 ईस्वी में की गई थी। इस देश को आधिकारिक तौर पर पुर्तगाली गणराज्य कहते हैं। यह यूरोप के सबसे ज्यादा पुराने देशों में शामिल है। पुर्तगाल की 15 ऐसी जगहें हैं जो यूनेस्को की विश्व विरासत स्थलों में शामिल हैं। अलकोबाका मठ, बटाला मठ और ऑल्टो डोरो वाइन यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल में शामिल हैं। इसके साथ ही पुर्तगाल की कई और रोचक बाते हैं जिनके बारे में कम ही लोग जानते होंगे।
- पुर्तगाल के एक शेफ ने साल 2012 में कमाल कर दिया था। उसने दुनिया का सबसे बड़ा ऑमलेट बनाने का काम किया था। इस ऑमलेट का वजन 5443 किलो से भी ज्यादा था।
- पुर्तगाल का कोयंबरा विश्वविद्यालय काफी प्रसिद्ध है। यह दुनिया के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में शामिल है। इसकी लाइब्रेरी बेहद अनोखी है और इसमें रखी पुस्तकों को दीमक नुकसान ना पहुंचा पाएं इसके लिए एक खास उपाय किया गया है। यहां चमगादड़ पाले गए हैं ताकि वे दीमकों को खा जाएं।
- पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में स्थित एक पुल यूरोप का सबसे लंबा पुल है। 17 हजार मीटर से भी ज्यादा लंबे इस पुल का नाम वास्को डी गामा है।
- पुर्तगाल में ही पानी के अंदर बना दुनिया का सबसे बड़ा कृत्रिम पार्क है। इस पार्क को ओशियन रिवाइवल अंडरवॉटर पार्क' कहा जाता है। इसके अलावा पुर्तगाल में कई बेहद खूबसूरत स्थल हैं जहां हमेशा पर्यटक आते रहते हैं। इन जगहों की खूबसूरती देखती ही बनती है।

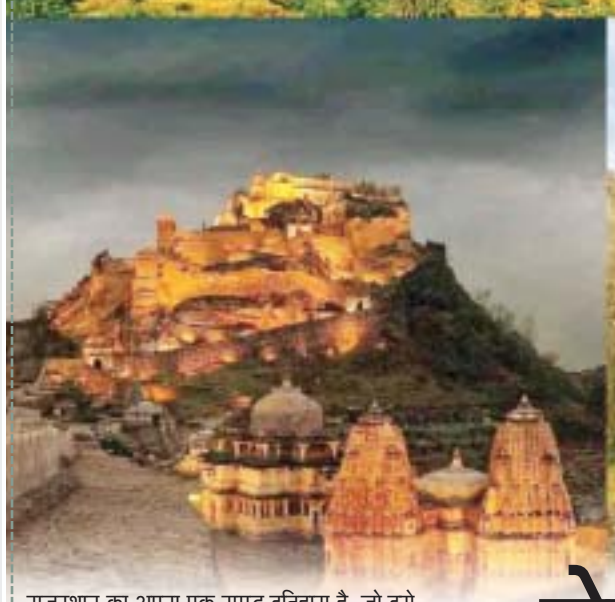

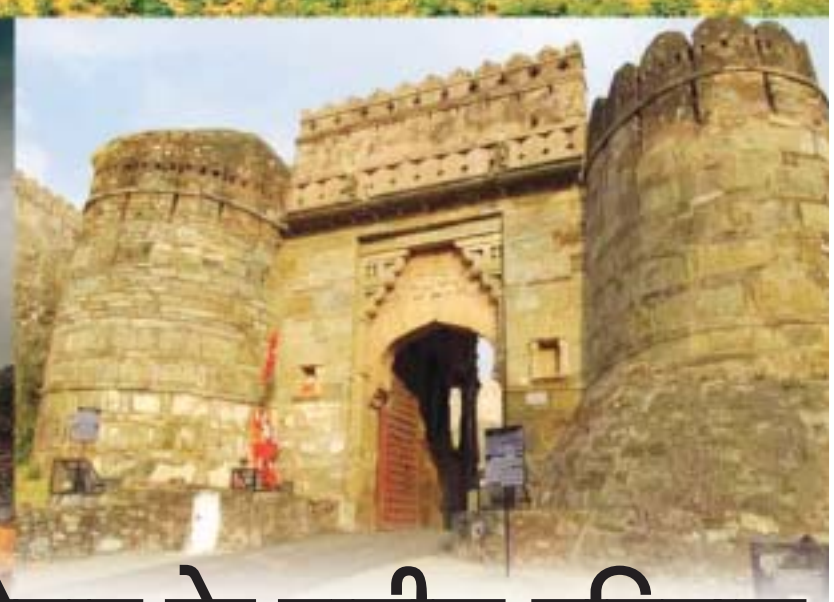

मेवाड़ के प्राचीन इतिहास तथा वीरता का साक्षी है कुम्भलगढ़ का किला

राजस्थान का अपना एक समृद्ध इतिहास है, जो इसे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाता है। यहां के किले और महल पर्यटकों को अपनी ओर बेहद आकर्षित करते हैं। वैसे तो जयपुर से लेकर जैसलमेर तक आमेर का किला लोगों के बीच काफी मशहूर है, लेकिन उनमें से कुंभलगढ़ के किले का एक अलग ही महत्व है। इस किले की खासियत इसकी 36 किमी लंबी दीवार है। यह राजस्थान के हिल फाउंटेन में शामिल एक विश्व धरोहर स्थल है। 15वीं शताब्दी के दौरान राणा कुंभा द्वारा निर्मित इस किले की दीवार को एशिया की दूसरी सबसे बड़ी दीवार का दर्जा प्राप्त है।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दीवार

आपने चीन की ग्रेट वॉल ऑफ चाइना के बारे में तो सूना होगा, लेकिन कुंभलगढ़ को भारत की महान दीवार कहा जाता है। उदयपुर के जंगल से 80 किमी उत्तर में स्थित, कुंभलगढ़ किला चित्तौड़गढ़ किले के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा किला है। अरावली पर्वतमाला पर समुद्र तल से 1,100 मीटर (3,600 फीट) की पहाड़ी की चोटी पर निर्मित, कुंभलगढ़ के किले में परिधि की दीवारें हैं जो 36 किमी (22 मील) तक फैली हुई हैं और 15 फीट चौड़ी है, जो इसे दुनिया की सबसे लंबी दीवारों में से एक बनाती है। अरावली रेंज में फैला कुम्भलगढ़ किला मेवाड़ के प्रसिद्ध राजा महाराणा प्रताप का जन्मस्थान है। यही कारण है कि इस किले के दिलों में राजपूतों का विशेष स्थान है। 2013 में, विश्व विरासत समिति के 37 वें सत्र में किले को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

कुंभलगढ़ किले की संरचना

किला सात विशाल द्वारों के साथ बनाया गया है। इस भव्य किले के अंदर की मुख्य इमारतें बादल महल, शिव मंदिर, वेदी मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और मम्मदेव मंदिर हैं। कुंभलगढ़ किला परिसर में लगभग 360 मंदिर हैं, जिनमें से 300 जैन मंदिर हैं, और बाकी हिंदू हैं। इस किले की एक विशेषता यह भी है कि यह भव्य किला वास्तव में कभी युद्ध में नहीं जीता गया था। हालाँकि इसे केवल एक बार मुगल सेना ने धोखे से पकड़ लिया था जब उन्होंने किले की जल आपूर्ति में जहर मिला दिया था। मुख्य किले तक पहुँचने के लिए आपको एक खड़ी रैंप जैसे पथ (1 किमी से थोड़ा अधिक) पर चढ़ने की आवश्यकता है। किले के अंदर बने कमरों के साथ अलग-अलग खंड हैं और उन्हें अलग-अलग नाम दिए गए हैं। कुंबलगढ़ सड़क मार्ग से उदयपुर से 82 किमी उत्तर पश्चिम में स्थित है। कैब लेने पर आपको लगभग 5000 खर्च करने पड़ सकते हैं, साथ ही आप किराए पर एक वाहन भी ले सकते हैं जो काफी सस्ता और मजेदार विकल्प है। वाहन का किराया लगभग 500-1000 रुपए प्रति दिन है और उदयपुर से कुंभलगढ़ पहुंचने में लगभग 2 घंटे लगते हैं। टिकट की कीमत - भारतीय नागरिकों के लिए किले में प्रवेश करने की कीमत 40 रुपए है और विदेशी नागरिकों के लिए, यह 600 रुपए है। पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है और इसकी कोई कीमत नहीं है।

लाइट एंड साउंड शो

हर शाम एक लाइट एंड साउंड शो होता है जो शाम 6.45 बजे शुरू होता है और अगर आप यहां आए हैं, तो आपको इसे एक बार जरूर देखना चाहिए। 45 मिनट का शो एक आकर्षक अनुभव है जो किले के इतिहास को जीवंत कर देता है। शो की कीमत वयस्कों के लिए 100 रुपए है और बच्चों के लिए 50 रुपए है। यह शाम 6.45 बजे शुरू होता है और अंत तक आते-आते यहां काफी अंधेरा हो जाता है, इसलिए सलाह दी जाती है कि बाहर निकलने के लिए टॉर्च का इस्तेमाल करें। किले को रोशन करने के लिए शाम के समय विशाल रोशनी जलाई जाती है। इसमें करीब 100 किलो कपास और 50 लीटर घी का इस्तेमाल होता है। हर रात किले के प्रांगण में लाइट एंड साउंड शो होता है।

विशाल शिवलिंग वाला शिव मंदिर

किले के अंदर स्थित शिव मंदिर जिसे नीलकंठ महादेव के नाम से जाना जाता है, में लगभग 5 फीट की ऊंचाई का एक विशाल शिवलिंग है। ऐसा कहा जाता है कि महाराणा कुंभ शरीर में इतने विशाल थे कि वह जब शिवलिंग का अभिषेक करते थे तो बैठे-बैठे ही शिवलिंग की ऊंचाई तक पहुंचकर दूध चढ़ाया करते थे।

महाराणा प्रताप का जन्मस्थान

कुंभलगढ़ किला मेवाड़ के महान योद्धा बहादुर महाराणा प्रताप का जन्मस्थान भी है, जिन्होंने विशाल मुगलों के आगे कभी घुटने नहीं टेके। किले के ऊपर से आपको कुम्भलगढ़ के किले के आगे दूर-दूर तक फैले हरे-भरे पहाड़ों की परतें दिखाई देंगी।

36 किलोमीटर की दीवार दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दीवार

कुंभलगढ़ किला राजस्थान में स्थित है जो कि इसका इतिहास बहुत ही प्राचीन और गौरवशाली रहा है। कुंभलगढ़ किले की 36 किलोमीटर की दीवार दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दीवार है जो कि दुनिया भर में बहुत प्रभावशाली है। मेवाड़ के महाराणा कुंभा ने अनेक किलो का निर्माण करवाए थे जिसमें कुंभलगढ़ किला को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। कुंभलगढ़ दुर्ग उदयपुर से 88 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कुंभलगढ़ किला समुद्र तल से 1900 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस दुर्ग में ऊंचाई वाले इलाकों पर कई महल मंदिर और इमारतें बनी हुई है और इस दुर्ग के अंदर की तरफ एक और दुर्ग बना हुआ है

जिसको कटरगढ़ के नाम से जाना जाता है। कुंभलगढ़ किला को मेवाड़ में चित्तौड़गढ़ दुर्ग के बाद सबसे प्रमुख माना जाता है। इस किले का इतिहास रहा है कि यह कुंभलगढ़ किला हमेशा से अभेद्य और अजेय रहा है। कुम्भ महल महाराणा कुम्भ का सबसे प्रमुख निवास स्थल था। महाराणा उदय सिंह ने ही उदयपुर शहर को बसाया था जो कि आज दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

कुंभलगढ़ किले के अंदर लगभग 360 मंदिर बनी हुई है जिसमें 300 जैन मंदिर है और बाकी सब हिंदू मंदिर है। कुंभलगढ़ दुर्ग के चारों ओर 13 विशाल पर्वत और विशाल मजबूत दीवारें बनी हुई है। यह दुर्ग मेवाड़ के राजाओं का प्रमुख निवास स्थान रहा है। राणा सांगा का भी मेवाड़ के इतिहास में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस दुर्ग के बनने के बाद से ही इस पर हमले होने शुरू हो गए फिर भी यह किला अजेय रहा है। राणा सांगा के पूरे शरीर पर 84 घाव होने के बावजूद भी वे युद्ध लड़ते रहे थे। हल्दीघाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप ने इसी किले में काफी समय बिताए थे। कुंभलगढ़ किले की वास्तुकला और स्थापत्य कला बहुत ही अद्भुत है। इस किले को बनाने में लगभग 15 वर्षों का समय लगा था। कुंभलगढ़ दुर्ग राजस्थान के राजसमन्द जिले में स्थित है। इस किले को जीतने के लिए बहुत शासकों ने प्रयास किए पर सफलता प्राप्त नहीं कर पाए। यह कुंभलगढ़ किला कई पहाड़ और घाटियों से मिलकर बना हुआ है इसे वर्तमान समय में विश्व धरोहर की सूची में भी शामिल कर लिया गया है।

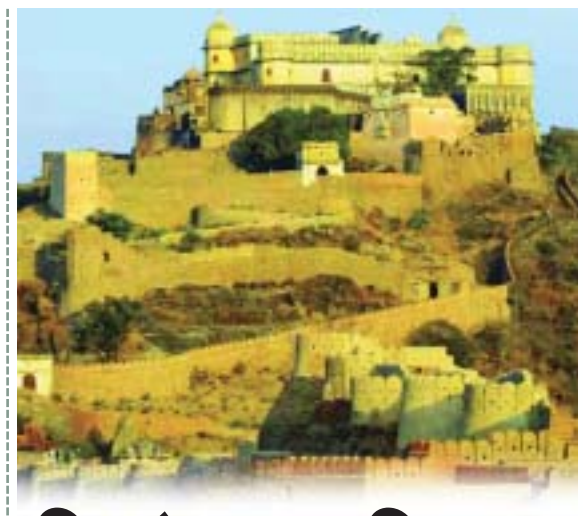

किले का इतिहास

राजस्थान में किलों की संख्या अनगनित हैं जिनमें कुम्भलगढ़ का किला भी मुख्य हैं. 30 किलोमीटर के विशाल धरातलीय भूभाग में फैला यह किला मेवाड़ के प्राचीन इतिहास तथा वीरता का साक्षी रहा हैं. मेवाड़ के प्रतापी शासक महाराणा कुम्भा ने इसका निर्माण करवाया था.

इस महान दुर्ग को बनाने में 15 वर्षों का समय लगा. राजस्थान के राजसमंद जिले में स्थित इस किले को अजेयगढ़ उपनाम से जाना जाता था. क्योंकि इसकी प्रहरी मोटी दीवार को चाइना वाल की बाद संसार की सबसे दूसरी बड़ी दीवार माना जाता हैं. अरावली की घाटियों में अवस्थित कुम्भलगढ़ महाराणा प्रताप की जन्म स्थली रहा हैं. राजस्थान के कई किलों स्मारकों तथा ऐतिहासिक स्थलों को विश्व विरासत की सूचि में स्थान मिला हैं जिनमें चित्तौड़गढ़ का का किला तथा कुम्भलगढ़ के किले को भी शामिल किया गया हैं. क्षेत्रफल के लिहाज से यह चित्तौड़गढ़ के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा किला भी हैं. यही वजह हैं कि इसे देखने के लिए नित्य हजारो पर्यटक राजसमंद आते हैं.

इस किले का इतिहास बेहद प्राचीन रहा हैं, जिनके सम्बन्ध में कोई ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं रहे हैं. ऐसा माना जाता हैं. कि मौर्य सम्राट अशोक के पुत्र सम्प्रति ने इस दुर्ग का निर्माण करवाया गया था. कालान्तर में कई आक्रमणों के चलते यह विध्वस्त हो गया तथा राणा कुम्भा ने उन्ही अवशेषों पर 1443 में कुम्भलगढ़ का निर्माण आरम्भ करवाया, जो 1458 ई में बनकर तैयार हुआ. कुम्भा ने अपने शासनकाल में 32 बड़े दुर्गों का निर्माण करवाया जिनमें कुम्भलगढ़ भी था.

कुम्भलगढ़ का दुर्भेद्य किला राजसमंद जिले में सादड़ी गाँव के पास अरावली पर्वतमाला के एक उतुंग शिखर पर अवस्थित हैं. मौर्य शासक सम्प्रति द्वारा निर्मित प्राचीन दुर्ग के अवशेषों पर 1448 ई में महाराणा कुम्भा ने इस दुर्ग की नीव रखी. जो प्रसिद्ध वास्तुशिल्प मंडन की देखरेख में 1458 ई में बनकर तैयार हुआ. वीर विनोद के अनुसार इसकी चोटी समुद्रतल से 3568 फीट और नीचे की नाल से 700 फीट ऊँची हैं. बीहड़ वन से आवृत कुम्भलगढ़ दुर्ग संकटकाल में मेवाड़ राजपरिवार का प्रश्रय स्थल रहा हैं. कुम्भलगढ़ प्रशस्ति में दुर्ग के समीपवर्ती पर्वत श्रंखलाओं के श्वेत, नील, हेमकूट, निषाद, हिमवत, गंधमादन इत्यादि नाम मिलते हैं. वीर विनोद में कहा गया है कि चित्तौड़ के बाद कुम्भलगढ़ दूसरे नंबर पर आता हैं. अबुल फजल ने कुम्भलगढ़ की उंचाई के बारे में लिखा हैं कि यह इतनी बुलंदी पर बना हुआ हैं कि नीचे से ऊपर देखने पर सिर की पगड़ी गिर जाती हैं.

कुम्भलगढ़ मेवाड़ की संकटकालीन राजधानी रहा हैं. महाराणा प्रताप का जन्म उदयसिंह का राज्याभिषेक और महाराणा कुम्भा की हत्या का साक्षी यह किला मालवा और गुजरात के शासकों की आँख का किरकिरा रहा. लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद भी वे उस पर अधिकार करने में असफल रहे. 1578 ई में मुगल सेनानायक शाहबाज खां ने इस पर अल्पकाल के लिए अधिकार कर लिया था. किन्तु समय बाद ही महाराणा प्रताप ने इसे पुनः अधिकार में ले लिया. तब से स्वतंत्रताप्राप्ति तक यह किला मेवाड़ के शासकों के पास ही रहा.

इस किले के चारो ओर सुद्रढ़ प्राचीर हैं, जो पहाड़ियों की ऊँचाई से मिला दी गई हैं. प्राचीरों की चौड़ाई सात मीटर हैं. इस किले में प्रवेश द्वार के अतिरिक्त कहीं से भी घुसना संभव नहीं हैं. प्राचीर की दीवारे चिकनी और सपाट हैं. और जगह जगह पर बने बुर्ज इसे सुद्रढ़ता प्रदान करते हैं. कुम्भलगढ़ के भीतर ऊँचाई पर एक लघु दुर्ग हैं. जिसे कटारगढ़ कहा जाता हैं. यह गढ़ सात विशाल दरवाजों और सुद्रढ़ दीवार से सुरक्षित हैं. कटारगढ़ में कुम्भा महल, सबसे ऊपर सादगीपूर्ण हैं. किले के भीतर कुम्भस्वामी का मंदिर, बादल महल, देवी का प्राचीन मंदिर, झाली रानी का महल आदि प्रसिद्ध इमारतें हैं.

हल्दीघाटी के युद्ध से पूर्व महाराणा प्रताप ने कुम्भलगढ़ में ही रहकर युद्ध सम्बन्धी तैयारियां की थी. तथा युद्ध के बाद कुम्भलगढ़ को ही अपना निवास स्थान बनाया था. कुम्भलगढ़ के दुर्भेद्य स्वरूप को निम्न दोहे में प्रकट किया गया हैं.

झाल कटाया, झाली मिले,
न रंक कटाया राव
कुम्भलगढ़ रे कागरे,
माछर हो तो आव

इस तरह राजस्थान की शान के रूप में अपने अटल स्वरूप में खड़े कुम्भलगढ़ के किले को आपको भी देखने आना चाहिए. जो घनी अरावली की सुनहरी घाटियों में बसा हुआ हैं. यह भारत के सबसे सुरक्षित किलों में से एक रहा हैं. जिसे युद्ध अथवा आक्रमण के जरिये जीतने की किसी की तमन्ना पूरी नहीं हो पाई थी.

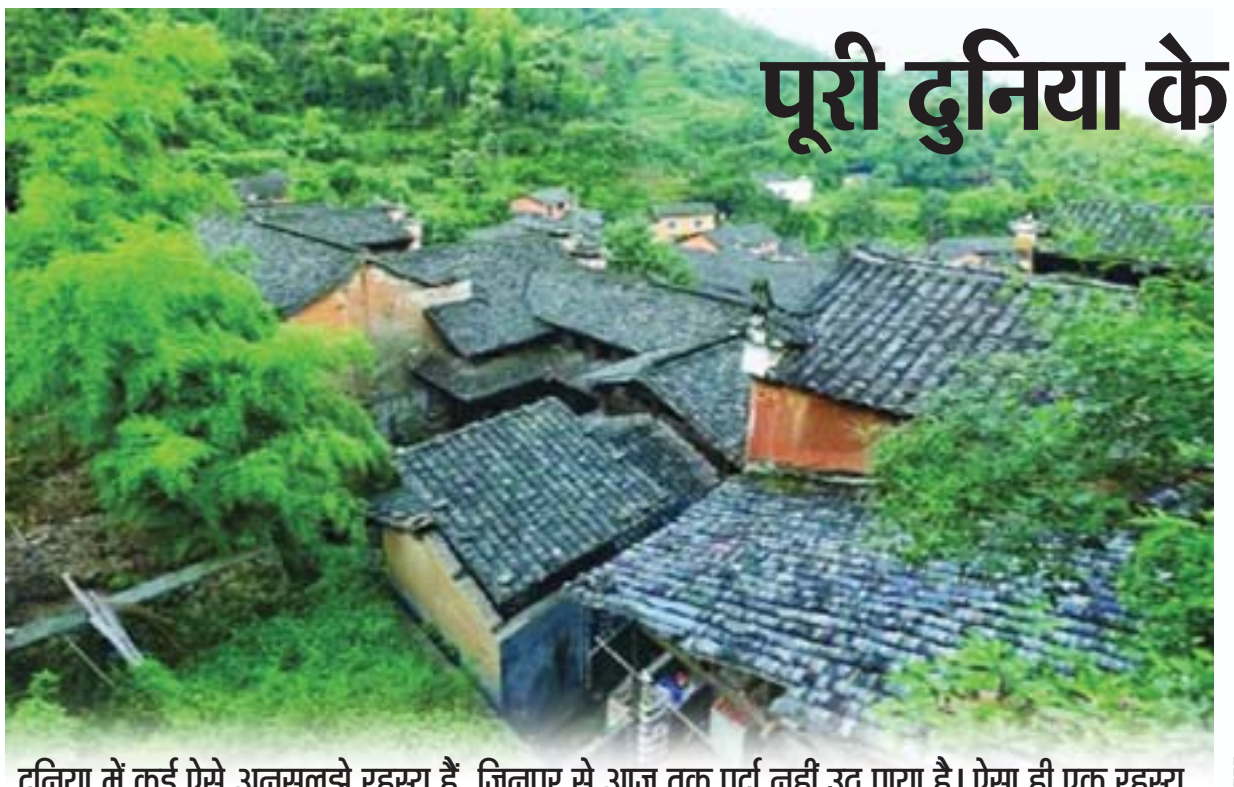

पूरी दुनिया के लिए रहस्य है चीन का गांव यांग्सी

दुनिया में कई ऐसे अनसुलझे रहस्य हैं, जिनपर से आज तक पर्दा नहीं उठ पाया है। ऐसा ही एक रहस्य है चीन के एक गांव का। सदियों से इस गांव के साथ एक ऐसा शाप चला आ रहा है जो चीन ही नहीं पूरी दुनिया के लिए रहस्य है। ये शापित गांव चीन के शिचुआन प्रांत में है। इसका नाम यांग्सी है।

चीन के यांग्सी गांव में ज्यादातर आबादी छोटे कद की है। इस गांव की कुल आबादी का पचास फीसदी भाग बौनों का है। वहीं इनकी कुल लंबाई 2 फीट से लेकर मात्र तीन फीट तक है। चीन के इस गांव में पैदा होने वाले बच्चों की लंबाई 5 से 7 साल की उम्र तक तो सामान्य रूप से बढ़ती है, लेकिन इसके बाद रुक जाती है। यानी इनकी लंबाई 2 फीट से लेकर 3 फीट 10 इंच तक ही रहती है। वहीं कुछ-कुछ लोगों की लंबाई 10 साल की उम्र तक बढ़ती है।

गांव पर है किसी बुरी शक्ति का साया!

एक तरफ आसपास के गांवों के लोगों का मानना है कि इस गांव पर किसी बुरी शक्ति का साया है, जिसकी वजह से यहां के लोगों की लंबाई नहीं बढ़ पाती है। वहीं दुसरी ओर मान्यता है कि गांव प्राचीन काल से ही शापित है, जिसका असर आज भी गांव पर देखने को मिलता है। लोगों के बौने होने के पीछे क्या रहस्य है, पिछले 60 सालों में इसका पता वैज्ञानिक भी नहीं लगा पाए हैं।

किसी बीमारी का है असर!

इस गांव के बड़े-बुजुर्गों का कहना है कि दशकों पहले गांव को एक खतरनाक बीमारी ने अपनी चपेट में ले लिया था। बीमारी के कारण आज भी इस गांव के बच्चों की लंबाई एक समय के बाद रुक जाती है।

चीन के इस गांव में ऐसा 60 सालों से होता आ रहा है। लोगों के बौने होने को लेकर कई बार इस गांव में शोध भी किये गए, लेकिन वैज्ञानिक आज तक इस समस्या का हल नहीं निकाल पाए। गांव के प्राकृतिक संसाधनों पर भी पूरा रिसर्च किया जा चुका है। लेकिन कुछ खास पता नहीं चल सका। वहीं यांग्सी गांव को लेकर कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि इस की मिट्टी में पारा अधिक है। यह भी एक कारण हो सकता है। इसके अलावा बौनेपन का कारण वे जहरीली गैसें भी हो सकती हैं जो कई बरस पहले जापान ने चीन में छोड़ी थी।

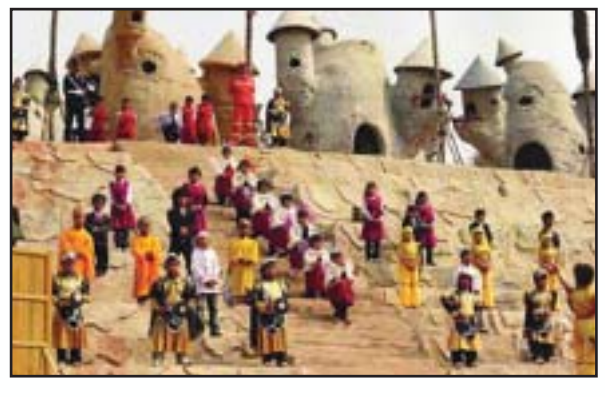

महिला दिवस पर सम्मानित हुई महिलाएं

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। पोटका फुटबॉल मैदान में सामाजिक संस्था यूथ यूनिटी फॉर वोलंटरी एक्शन (युवा) के तत्वावधान में कॉमिक रिलीफ, क्रिया दिल्ली के सहयोग से संचालित कार्यक्रम के तहत अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पोटका प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी अभय कुमार द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद् सदस्य सोना मुनी सरदार, मुखिया संघ अध्यक्ष पानो सरदार, खड़ियासाईं की ग्राम प्रधान इन्दावती सरदार, बड़ा सिगदी की ग्राम प्रधान बिमला सरदार, हेसलबिल पंचायत के उपमुखिया सुरजीत सरदार, पोटका थाना के सब इंस्पेक्टर कदम वर्मा शामिल हुए। प्रखंड विकास पदाधिकारी अभय कुमार द्विवेदी ने कहा कि महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हों। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ सामूहिक रूप से आवाज उठाएं। महिलाओं में निवेश सिर्फ पैसे से नहीं बल्कि उनके आत्म सम्मान के रूप में भी होना चाहिए। महिलाओं को भी पुरुषों की तरह सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को मिलने वाली सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

70 साल पुराने बैरक में जान जोखिम में डालकर रह रहे हैं चाईबासा के पुलिसकर्मी

जितेंद्र ज्योतिषी

पूसू चाईबासा। आज पुलिस एसोसिएशन, चाईबासा शाखा के अथक प्रयास से पुलिस पदाधिकारियों के लिए पुलिस क्लब में मेस (भोजनालय भवन) का शिलान्यास मंगलवार को सांसद गीता कोड़ा द्वारा किया गया। यह पुलिस कर्मियों के लिये हर्ष का विषय रहा। चुनावी वर्ष में कम से कम सांसद का ध्यान इस ओर गया। वरना 1250 करोड़ के डीएमएफटी फंड वाले जिले में 2015 से किसी का भी ध्यान इस ओर नही गया। 70 साल पुरानी बैरक में आधुनिक होती झारखण्ड पुलिस के कर्मी रहते हैं। भवन की हालत काफी जर्जर है। इस जर्जर बैरक में 40 से 50 कर्मी कठिन परिस्थिति में रहते हैं। पुलिस एसोसिएशन के अनुरोध पर इस जर्जर भवन का सांसद गीता कोड़ा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सांसद ने कहा कि जो पुलिसकर्मी रक्षक का काम करते हैं उन्हें इस अवस्था में रहना पड़ता है। भावुक होते हुये सांसद ने पुलिस कर्मियों को आश्वासन दिया कि बहुत जल्द ही पुलिस पदाधिकारियों के रहने के लिए बैरेक का निर्माण कराया जाएगा।

डायनिंग हॉल एवं किचन रूम के निर्माण कार्य का शिलान्यास

सिंहभूम की सांसद सह भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा के कर कमलों द्वारा सांसद निधि से निर्मित सदर थाना, चाईबासा के पुलिस बैरक में एक डायनिंग हॉल एवं किचन रूम के निर्माण कार्य का शिलान्यास मंगलवार को किया गया। शिलान्यास पंडित संजय मिश्रा के द्वारा विधि विधान से संपन्न करवाया गया। शिलान्यास के मौके पर सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा को लागू करने में पुलिस की सबसे बड़ी भूमिका है। पुलिस को आम लोगों की जान-माल की सुरक्षा का जिम्मा प्राथमिक रूप से दिया गया है, पुलिस के लिए नागरिकों की सेवा और उनके कल्याण के लिए योगदान देने के अवसर अन्य विभागों की अपेक्षा अधिक है। आगे सांसद श्रीमती कोड़ा ने कहा जो आम लोगों की जान-माल का रक्षा करते है हम सभी लोगों का भी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि उन लोगों को भी यथासंभव सहयोग किया जाए। वहीं पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सांसद गीता कोड़ा को कुछ और मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं की भी जानकारी देते हुए पहल करने का अनुरोध किया, जिसपर सांसद श्रीमती कोड़ा ने समस्याओं का अवलोकन कर यथोचित पहल करने का आश्वस्त किया। मौके पर भाजपा के गीता बालमुचू , त्रिशानु राय , अक्षय खत्री, अमित जयसवाल, अमित सिंह, मुकेश कुमार पुलिस मेंस एसोसिएशन के सचिव संतोष राय, कोषाध्यक्ष अशोक तिवारी, अमलेश कुमार सहित पदाधिकारी, पुलिस अधिकारी रहे मौजूद।

प। सिहभूम जिले में पुलिस कर्मी ऐसे बैरकों में रहने को मजबूर हैं। जो जर्जर ही नहीं जानलेवा भी है। इस मामले में हमने कई बार बड़े पुलिस पदाधिकारी, नेता, मंत्री से कहा। लेकिन स्थिति जस की तस रही। हम सांसद गीता कोड़ा को धन्यवाद देते हैं कि कम से कम उन्होंने हमारी सुध ली। पुलिसकर्मियों के रहने के लिए बढ़िया बैरेक रहेगा, तो पुलिसकर्मी भी मन से काम करेंगे।

सन्तोष कुमार, सचिव पुलिस मेंस एसोसिएशन

संक्षिप्त खबरें

भाजमो ने संजय नगर उजाड़ने का किया विरोध, आंदोलन की दी चेतावनी

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। टाटानगर स्टेशन से सटे संजय नगर में रहने वालों को रेलवे द्वारा नोटिस भेजे जाने का भारतीय जनतंत्र मोर्चा ने विरोध किया। इसकी जानकारी मिलने के पार्टी नेता मनोज सिंह उज्जैन, अमित शर्मा, दुर्गा राव, बबलू सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता संजय नगर पहुंचे तथा लोगों से मुलाकात की। इस दौरान नेताओं ने डरे-सहमे बस्तीवासियों से विधायक सरयू राय की बात करवायी। विधायक ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे बस्ती को उजड़ने नहीं देंगे। जरूरत पड़ी तो पार्टी उनके साथ आंदोलन करने को बाध्य होगी। वहीं स्थानीय लोगों ने भी पार्टी नेताओं का आभार जताया।

जैंतगढ़ की 6 साल की लामिया ने रखा 15 घंटे का पहला रोजा

पूसू प्रतिनिधि, जैंतगढ़। जैंतगढ़ निवासी के रजा के 6 वर्षीय पुत्री लामिया काशिफ ने मंगलवार को पूरे एहतमाम के साथ 13 घंटे का पहला रोजा मुकम्मल किया। इतना ही नहीं उसने पाबन्दी के साथ नमाज भी अदा की। अल्लाह से अपने इल्म की तरक्की केलिए दुआ मांगी। लामिया केरला इंग्लिश मीडियम स्कूल मे कक्षा यूकेजी की छात्रा है। उसका कहना है कि रोजा रखने की प्रेरणा मुझे अपने मम्मी पापा और दादा दादी से मिली। सब लोग अपने लिए दुआ मांगते हैं। हमने भी अल्लाह से अपने लिए दुआ मांगने केलिए रोजा रखा। लामिया की मां एहसाना फिरदौस का कहना है कि लामिया के जीवन का यह पहला रोजा है। वह रमजान माह शुरु होने से पहले से ही रोजा रखने की जिद कर रही थी। लेकिन उसके उम्र और धूप के कारण उसे मना करती रही। लेकिन लामिया ने पहली रमजान मंगलवार को सेहरी मे खुद से उठकर एक रोटी खाई और पानी पी कर रोजा रखा। फिर सुबह की नमाज अदा कर के सो गई। अल्लाह का शुक्र है कि वह अपने जिद पर खरा उतरी और रोजे को मुकम्मल किया।

समाज के विकास में महिलाओं का भी है विशेष योगदान : मंगल कालिंदी

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के जमशेदपुर प्रखंड दक्षिण सुसनीगड़िया महिला आजीविका ग्राम संगठन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सह होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए। कार्यक्रम में शामिल होने पर महिला समूह ने विधायक को सम्मानित किया इस दौरान विधायक ने उपस्थित सभी महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के दौरान विधायक द्वारा शिव चर्चा कमेटी की महिलाओं को ढोलक एवं झाल आदि भी भेट किया। मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं का विशेष योगदान है। झारखंड की महिलाएं अपने आत्मबल, विश्वास और कार्यशैली से अपने मुकाम पर पहुंच रही हैं।

भाजपा लोकसभा स्तरीय कोर कमेटी व चुनाव संचालन समिति की बैठक आयोजित

चुनाव को लेकर पार्टी कार्यकर्ता को दिया गया दिशा-निर्देश

पूसू प्रतिनिधि, जगन्नाथपुर। आगामी लोक सभा चुनाव को लेकर भाजपा के द्वारा जगन्नाथपुर विधानसभा स्तरीय कोर कमेटी, संचालन समिति की बैठक जगन्नाथपुर भारत माता कल्याण मंडप में हुई। बैठक में सर्वप्रथम दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखजी की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाया गया साथ ही वन्दे मातरम की स्लोगन के साथ सुभारंभ किया गया। बैठक में भाजपा की चुनाव संचालन समिति की बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाते हुए कार्यकर्ताओं को अपना बूथ मजबूत करने का संकल्प दिलाया गया।

उपस्थित थे जगन्नाथपुर विधानसभा प्रभारी

दिनेश चन्द्र नंदी ने कहा की आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर व्यापक रणनीति तैयार करते हुए इस बार यहां से पार्टी प्रत्याशी लोकप्रिय सांसद गीता कोड़ा को इस वर्ष जोर शोर से जिताना है इस लिए आप सभी कार्यकर्तागण क्षेत्र में लोगों के बीच जाकर अपना दायित्व निभाए। वही सांसद गीता कोड़ा नें कार्यकर्तायो को संबोधन करते हुए कहा की सभी कार्यकर्ता चाहे व मोटरसाईकिल में हो या साईकिल हो कार हो सभी गाड़ी में झंड़ा लगाना सुनिश्चित करेंगे। जिससे प्रचार प्रसार जोरो शोरो से होती है।

बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि विगत 10 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार देश को विकसित करने में लगे हुए हैं। इस बार चुनाव में पूरा लग जाने का दिशा निर्देश दिया। मौके पर विभानसभा संयोजक शम्भु हजरा,मनोहपुर प्रभारी गोविंद्र पाठक,लोकसभा कोर सदस्य विपिन पूर्ती, विधानसभा कोर कमिटी सदस्य जितेंद्र गुप्ता, विधानसभा सह सयोजक साहू पूर्ती, कोर कमिटी सदस्य अशोक पान, कोर कमिटी सदस्य संजय बारिक, जगन्नाथपुर विधानसभा सदस्य पुतुल पूर्ती,रानी तिरिया, पमेश्वर महतो,चर्चिल केराई,अमोद साव,मोनु घटवारी,एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष मंजीत कोड़ा, नोवामुंडी मंडल अध्यक्ष चंद्रमोहन गोप, जगन्नाथपुर मंडल अध्यक्ष राईभूमिज,सरंडा मंडल अध्यक्ष केलास दास, रवि दास, हरिचरण संडिल, विस्तारक बासुदेव तिर्की, महावीर अग्रवाल, रंजीत नायक, सुबोल सिंह, श्रवण शर्मा, हरिश तांती, अश्वनी चातार, अर्जुन भैसा, संतोष दास, बंगाली प्रधान, धमश्याम रठौर, करीम शेख, प्रदीप राजक, राजेश सिंकु, चेतन गोप, अर्जुन सरदार सहित जगन्नाथपुर विधानसभा के भाजपा पार्टी के कार्यकर्ता शामिल थे।

सीएए लागू होने पर सनातन उत्सव समिति ने साकची बाजार में किया लड्डू का वितरण

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। साकची हनुमान मन्दिर के निकट मंगलवार को हिंदुवादी संगठन सनातन उत्सव समिति ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीसीए) के समर्थन में खुशियां मनाकर आमजनों के बीच लड्डू का वितरण किया। इस दौरान पीएम मोदी के समर्थन में जोरदार नारेबाजी के बीच ढोल नगाड़े संग राहगीरों के मध्य लड्डू वितरण कर सभी ने सीएए कानून का स्वागत किया। मौके पर सनातन उत्सव समिति के संस्थापक चिंटू सिंह ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से राजनीतिक तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को बड़ा झटका लगा है। केंद्र की भाजपा सरकार ने 2019 में जो चुनावी वादा किया था, उसे धरातल पर उतारा है। इस कानून के लागू होने से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से पलायन कर भारत वापस आये शरणार्थियों को अब भारत की नागरिकता मिल जाएगी। भाजपा के पूर्व जिला प्रवक्ता अंकित आनंद ने कहा कि केंद्र सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून की अधिसूचना जारी कर अपनी गारंटी पूरी कर दी है। इस कदम से उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय साबित होगा। कहा की सीसीए के बाद देश आश्वस्त है कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में समान नागरिक संहिता और एनआरसी सरीखे महत्वपूर्ण कानून भी लागू होने की गारंटी पूर्ण होगी।

सोनिया की घातक गेंदबाजी, देवघर ने लोहरदगा को छह विकेट से किया पराजित

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। झारखण्ड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर अंतर जिला महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत आज खेले गए ग्रुप-ए के दूसरे मैच में देवघर ने लोहरदगा को छः विकेट से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए। देवघर की ये पहली जीत है। इससे पूर्व कल खेले गए मैच में वो पश्चिमी सिंहभूम से पराजित हो चुकी है। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए आज के मैच में टॉस देवघर के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए लोहरदगा की पूरी टीम 32 ।1 ओवर में 92 रन बनाकर आल आउट हो गई। इस टीम की ओर से पल्लवी कुमारी ने 20 तथा विनीता कुमारी ने 14 नाबाद रन बनाए। देवघर की ओर से सोनिया कुमारी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 9 ।1 ओवर में मात्र 26 रन देकर 4 खिलाड़ियों को आउट किया। लक्ष्मी कुमारी ने दो तथा अंजलि हेंम्ब्रम ने एक विकेट हासिल किए। जबाबी पारी खेलने उतरी देवघर की टीम ने 24 ।5 ओवर में 4 विकेट खोकर 93 रन बनाए और छः विकेट से मैच अपने नाम कर लिया। देवघर की ओर से पूर्णिमा कुमारी ने पाँच चौकों की मदद से 37 रन बनाए और अंत तक आउट नहीं हुई जबकि सरिता सोरेन ने 25 रन बनाकर उसका अच्छा साथ दिया। लोहरदगा की ओर से गेंदबाजी करते हुए हंसिका कुमारी ने 28 रन देकर एक विकेट तथा विनीता कुमारी ने 15 रन देकर एक विकेट हासिल किए। मैच समाप्ति के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में देवघर की सोनिया कुमारी को उसकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। पुरस्कार के रूप में उसे पाँच हजार रुपये की नकद राशि अतिथि के रूप में उपस्थित जे एस सी ए के आजीवन सदस्य एवं बी सी सी आई के विडियो एनालिस्ट अभिषेक ने प्रदान की। इस अवसर पर मैच पर्यवेक्षक, लाइजनिंग आफिसर, दोनों अंपायर, स्कोरर के अलावे पूर्व रणजी खिलाड़ी मधुसूदन तंतुबाई, पश्चिमी सिंहभूम महिला टीम के कोच तेजनाथ लकड़ा एवं महिला चयनकर्ता गुरमीत सिंह उपस्थित थे।

होली शांति और सौहार्द के साथ मनाएं: एसडीओ

पूसू प्रतिनिधि, जगन्नाथपुर। होली त्योहार को लेकर मंगलवार को जगन्नाथपुर थाना परिसर में जगन्नाथपुर एसडीओ मुकेश मछुआ की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में जगन्नाथपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राकेश नंदन मिंज इंस्पेक्टर वासुदेव मुंडा, अंचल अधिकारी मनोज मिश्रा, थाना प्रभारी शिवनारायण तिवारी शामिल हुए। बैठक में होली पर्व शांति और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई।

एसडीओ ने जगन्नाथपुर क्षेत्र में होने वाली विभिन्न होलिका दहन के स्थानों की भी जानकारी लिया। एसडीओ श्री मछुआ ने कहा कि होली पर्व एकता और भाईचारे का संदेश देता है। इसलिए क्षेत्र में आप सभी शांति एवं भाईचारे के साथ होली का पर्व मनाए। वही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आप सभी जगन्नाथपुर क्षेत्र में होने वाली होलिका दहन के बारे में हम लोगों को अवगत कराए। तथा होली पर्व हम सभी को हर्षो उल्लास के साथ मनाना है हमें यह भी ध्यान देना है कि किसी को भी हानी ना हो सभी धर्म और जाति को लेकर साथ चलना है तथा आपसी भाईचारे को कायम रखना है। वही जगन्नाथपुर थाना प्रभारी शिवनारायण तिवारी ने लोगों से अपील किया कि जगन्नाथपुर थाने में मैं अभी नए पद स्थापित हुआ हूं इसलिए आप सभी हमें कॉपरेट करें ताकि मैं क्षेत्र को समझ कर बिस्तर कम कर। मौके पर प्रदीप गुप्ता, अमोद साव,पवन कुमार सिंह, समी अफरोज,मतीन अहमद,सग्राम सिंह, रामेश्वर कुजुर,राजु गोप, निराकार बोसा,हरिश प्रसाद,बंसत गोप सहित अन्य उपास्थित थे।

राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पहुंचे चाईबासा गौशाला

➲ गौ माता में होता है तैंतीस कोटि देवी देवता का वास- राजू गिरी

गौ संवर्धन व गौशालाओं के संरक्षण के लिए है आयोग सदैव तत्पर - राजीव रंजन प्रसाद

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। विदित हो दिनांक 12 मार्च को झारखण्ड राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद उपाध्यक्ष राजू गिरी एवं विभागीय सचिव डा। संजय प्रसाद का चाईबासा आगमन हुआ तथा श्री चाईबासा गौशाला परिवार द्वारा उनके स्वागत समारोह का आयोजन किया गया था। पूर्व निर्धारित कार्यकर्म के तहत आयोग के अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं समिति के अन्य सदस्यों का प्रात:11:30 बजे श्री चाईबासा गौशाला में आगमन हुआ श्री चाईबासा गौशाला के समिति द्वारा माला पहनाकर स्वागत उपरांत आयोग के सदस्यों द्वारा गौशाला परिसर का भ्रमण निरीक्षण आदि किया गया।

गौशाला परिसर में सामुदायिक भवन में आयोजित स्वागत समारोह में सर्वप्रथम सम्मानित अतिथियों मंच पर आमंत्रण तथा शॉल ओढ़ा कर पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया कर श्री चाईबासा गौशाला के सयुंक्त सचिव राधेश्याम अग्रवाल जी ने अपने स्वागत भाषण से अतिथियों का अभिनन्दन एवं स्वागत किया गया। सचिव बनवारीलाल नेवटिया द्वारा अपने सम्बोधन के माध्यम से राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष के समक्ष श्री चाईबासा गौशाला की प्रमुख एवं ज्वलंत समस्याओं क्रमश चाईबासा गौशाला की भूखंड का लीज नवीकरण ,गौशाला परिसर की चहारदीवारी ,परिसर में अवस्तिथ दो तालाबों का जीर्णोद्धार आदि से अवगत करते हुए उनके निदान हेतु आग्रह किया गया। राज्य गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष श्री राजू गिरी ने अपने सम्बोधन के आरम्भ में ही यह स्पष्ट किया वे अपने आपको सौभाग्यशाली मानते है की उन्हें गौ माता की सेवा जैसे पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है क्यूंकि शास्त्रों में उल्लेखित है की गौ माता में होता है तेंतीस कोटि देवी देवता का वास।

राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद जी ने अपने सम्बोधन में आयोग के सम्बन्ध में कहा की गौ संवर्धन एवं गौशालाओं के संरक्षण हेतु हर वक्त है उपलब्ध कोई भी समस्या हो भौतिक रूप से नहीं तो फ़ोन पर भी कर सकते है संपर्क आयोग करेगा हर संभव प्रयास उन्होंने चाईबासा गौशाला की प्रमुख समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना तथा आस्वस्त किया की आयोग त्वरित कार्यवाही कर समाधान निकलने का सकारात्मक पहल करेगा, सम्बोधन के क्रम की समाप्ति उपरांत आज के दिवस को इंगित करने हेतु मंचासीन राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष ,विभागीय सचिव ,कांग्रेस जिला अध्यक्ष को श्री चाईबासा गौशाला परिवार के पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

कार्यक्रम का संचालन कार्यकारिणी सदस्य रमेश खिरवाल कर रहे थे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सयुंक्त सचिव ललित शर्मा द्वारा दिया गया कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष सिद्ध गोपाल गोयल सह कोषाध्यक्ष श्री मधुसूदन अग्रवाल, अनिल खिरवाल, राजीव खिरवाल, पंकज चिरानिया, पवन खिरवाल, प्रमोद नेवटिया, संतोष सराफ, जीतेन्द्र मधेसिया, सुनीत शर्मा, इंद्र पसरी, बाबूलाल विजयवर्गीय, राजेश कुमार चौबे, गोविंदा खेतान, सुनील कुमार रूंगटा, अमित जैस्वाल, पवन चांडक, जय प्रकाश मुंद्रा, विकाश चंद्र मिश्रा, राजकुमार मुंद्रा संग श्री चाईबासा गौशाला के अन्य सदस्य गण उपस्तिथ थे।

आईएमए को भारी पड़ सकता है विधायक के विस में प्रश्न पुछने के अधिकार पर औचित्य खड़ा करना

आईएमए के अध्यक्ष व सचिव के खिलाफ सरयू राय ने दिया विस अध्यक्ष को विशेषाधिकार का पत्र

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम के सिविल सर्जन, डॉ. जुझार मांझी एवं पूर्व यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. रेणुका चौधरी के संबंध में विधानसभा में प्रश्न पुछने के मामले में आईएमए जमशेदपुर शाखा की ओर से प्रश्न चिन्ह तथा औचित्य खड़ा करने के खिलाफ विधायक सरयू राय ने विधानसभा अध्यक्ष को विशेषाधिकार का हनन बताते हुए कार्रवाई का पत्र सौंपा। विस अध्यक्ष को सौंपे गए पत्र में विधायक सरयू राय ने कहा कि पूर्वी सिंहभूम के सिविल सर्जन डॉ. जुझार मांझी पर स्वास्थ्य विभाग, द्वारा प्रपत्र 'क' गठित कर विभागीय कार्रवाई चलाने के उनके अल्पसूचित प्रश्न संख्या-19 का उत्तर सरकार द्वारा 01 मार्च 2024 को विधानसभा के सभा पटल पर रखा गया। उक्त

प्रश्न के माध्यम से उन्होंने सरकार से यह जानना चाहा था कि, क्या डॉ. जुझार मांझी के विरूद्ध प्रपत्र 'क' गठित करने की कार्रवाई का पूर्वी सिंहभूम जिला के पूर्व यक्ष्मा पदाधिकारी, डॉ. रेणुका चौधरी के मामले से संबंधित है? इसके बाद मैंने रेणुका चौधरी द्वारा सेवाकाल में लम्बे समय तक कार्य से अनुपस्थित रहने, उपस्थिति पंजिका पर फर्जी हस्ताक्षर करने आदि के बारे में भी सरकार से जानकारी चाहा था। विधायक के प्रश्न का सरकार द्वारा दिया गया उत्तर भ्रामक है और इसमें जानबुझकर तथ्य को छिपाया गया है। इस बारे में विधायक सरयू राय ने 2 मार्च को एक पत्र विधानसभा अध्यक्ष को लिखा। उक्त मामला मीडिया में आने के बाद विधानसभा में विधायक द्वारा पूछे गये प्रश्न के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की जमशेदपुर शाखा के अध्यक्ष, डॉ. जी.सी. मांझी और मानद सचिव, डॉ. सौरव चौधरी ने संयुक्त हस्ताक्षर से 04 मार्च 2024 को एक पत्र इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, झारखण्ड प्रदेश के अध्यक्ष, डॉ. अरूण कुमार सिंह को लिखा और संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर इस पत्र को सार्वजनिक किया। विधानसभा अध्यक्ष को सौंपे पत्र में विधायक ने कहा कि एक विधानसभा सदस्य के विधानसभा में प्रश्न पूछने के अधिकार का इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की जमशेदपुर शाखा के अध्यक्ष, डॉ. जी.सी. मांझी और मानद सचिव, डॉ. सौरव चौधरी ने चुनौती दिया है और प्रश्न पूछने के मेरी नीयत पर संदेह व्यक्त किया है।

विधानसभा में मेरे प्रश्न पूछने को उन्होंने एक महिला चिकित्सक को प्रताड़ित करना बताया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. सौरव चौधरी, मानद सचिव, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की जमशेदपुर शाखा, डॉ. रेणुका चौधरी के पुत्र है और मुझ पर लगाये गये मिथ्या एवं अपमानजनक आरोप से वे व्यक्तिगत रूप से संबंधित है। अत: अनुरोध है कि विधानसभा के एक सदस्य के प्रश्न पूछने के विशेषाधिकार का हनन करने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की जमशेदपुर शाखा के अध्यक्ष, डॉ. जी.सी. मांझी और मानद सचिव, डॉ. सौरव चौधरी के विरूद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग की।

गोपाल मैदान में 17वां स्वदेशी मेला आज से, 350 स्टॉल पर कर सकेंगे खरीददारी

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। 17 वा स्वदेशी मेला कल बुधवार से गोपाल मैदान में शुरू होने जा रहा है। इसका उद्घाटन जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व मंत्री एवं विधायक सरयू राय, खादी ग्रामोद्योग आयोग के पूर्वी भारत के चेयरमैन मनोज सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक इंदर अग्रवाल, स्वदेशी मेला के अखिल भारतीय संयोजक सचिन्द्र बरियार और स्वदेशी जागरण मंच के छेत्रिय संगठक अजय उपाध्याय संयुक्त रूप से करेंगे।

मेला प्रतिदिन प्रात: 11 बजे से रात्रि के 10.00 बजे तक रहेगा। प्रति वर्ष के भांति इस वर्ष भी मेला में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा। सीबीएमडी के चेयरमैन मुरलीधर केडिया ने बताया की मेले में झारखंड सहित पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, बंगाल, तमिलनाडु, केरल, मुम्बई, मध्यप्रदेश, गुजरात, बिहार, असम, सहित कई राज्यों से स्टॉल धारकों की सहभागिता होगी। इस मेले में विभिन्न क्षेत्रों से जैसे हैंडीक्राफ्ट, लघु एवं कुटीर उद्योग के उत्पाद, एजुकेशन, रियल स्टेट, ऑटो इंडस्ट्रीज, टेक्सटाइल, हैंडलूम, एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, हेल्थ, फर्नीचर, सामाजिक क्षेत्र के सभी प्रकार के स्टाल्स मिला कर लगभग 350 स्टॉल्स देखने को मिलेंगे।

जिला बार एसोसिएशन चुनाव : सुधीर पप्पू ने फोटो युक्त प्रत्याशी सूची एवं मतपत्र की मांग की

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। जमशेदपुर बार एसोसिएशन के वरीय अधिवक्ता एवं उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी सुधीर कुमार पप्पू ने प्रत्याशी के फोटो युक्त उम्मीदवार की अंतिम सूची एवं मतपत्र का प्रावधान चुनाव में करने की मांग की है। उन्होंने इस आशय का एक मांग पत्र जमशेदपुर बार एसोसिएशन चुनाव समिति के वरीय सदस्य अधिवक्ता अर्जुन सिंह एवं अधिवक्ता एनवी सिंहदेव को सुपुर्द किया है। उन्होंने इसकी प्रतिलिपि झारखंड बार काउंसिल कार्यकारिणी सदस्य एवं जमशेदपुर बार एसोसिएशन प्रभारी व वरीय अधिवक्ता राम सुभग सिंह को प्रेषित की है। अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू ने बताया कि 1500 से ज्यादा आजीवन सदस्य मताधिकार का उपयोग करेंगे और इनमें से कईयों के नाम में समानता है। प्रत्याशी की अंतिम सूची का प्रकाशन प्रत्याशी के फोटो युक्त होना चाहिए। जिससे मतदाता में

भ्रम की स्थिति नहीं रहे और इसी तरह बैलट पेपर में भी प्रत्याशी की तस्वीर होनी चाहिए। मतदान प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सम्पूर्ण होनी चाहिए और यह उसकी मौलिक एवं वैधानिक शर्त है। इधर सुधीर कुमार पप्पू की इस मांग से आजीवन सदस्यों का बड़ा तबका सहमत है और उन्होंने भी इस प्रावधान को लागू करने की जरूरत पर बल दिया है। दूसरी ओर वरीय सदस्य एवं पूर्व लोक अभियोजक अधिवक्ता पीएन गोप के अनुसार यह सराहनीय कदम है और इसका पालन अवश्य होना चाहिए।

स्टेशन प्रबंधक से मिलकर कांग्रेस ने टाटा बसर ट्रेन के टाइमिंग में बदलाव की मांग की

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह एवं जिला सचिव अमित श्रीवास्तव के नेतृत्व में काग्रेस जनों का एक प्रतिनिधिमण्डल टाटानगर रेलवे के स्टेशन प्रबंधक से मिला। इस दौरान उन्हें मांग पत्र सौपाकर टाटानगर से बक्सर के लिए प्रारंभ की गई सीधी रेल सेवा के लिए खुशी जाहिर की। साथ ही निराशा जतायी की इस ट्रेन का जो टाइम टेबल निर्धारित किया गया है इससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इसलिए जिला कांग्रेस कमिटी रेलवे मंत्रालय से यह मांग करती है कि ट्रेन के टाइम टेबल में बदलाव करें ताकि जनता को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। यह ट्रेन प्रतिदिन सुबह 8 बजकर 15 मिनट पर टाटानगर से खुलकर रात 10 बजकर 50 मिनट पर बक्सर पहुंच रही है। वहीं बक्सर से सुबह 3.30 बजे खुलकर शाम 5.20 बजे टाटानगर स्टेशन पहुंच रही है। अवधेश कुमार सिंह ने

कहा कि इस टाइम टेबल से बक्सर, आरा, डुमराँव, बिहियां सहित ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। अगर एक महीने के अंदर समय सारणी में बदलाव नहीं होता है तो, हम सभी कांग्रेस जन रेलवे के खिलाफ जनांदोलन करने के लिए बाध्य हो जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में रंजीत सिंह, अमला सिंह, संतोष पाठक, अशोक सिंह, संजीत सिंह, सुरेंद्र राय, रविकांत सिंह, निवास कुमार, सुरेश महतो, भीम प्रसाद यादव एवं अन्य कांग्रेस जन शामिल रहे।

न्याय सदन में पीएलवी को दिया गया प्रशिक्षण

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर । जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से पारा लीगल वॉलिंटियर के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पीएलवी शामिल हुए। शिविर में रिसोर्स पर्सन के रूप में डालसा के वरिष्ठ मिडियेटर के के सिन्हा एवं तरित वरन कर मुख्य रूप से उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान तरीत वरन कर ने डालसा के गठन, उसके कार्य, उद्देश्य एवं पीएलवी की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं केके सिन्हा ने घरेलू हिंसा , बाल विवाह, बालश्रम, पॉक्सो एक्ट के बारे में बताया। इस दौरान पीड़ितों को न्याय दिलाने में पीएलवी की क्या भूमिका हो सकती है, उसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही बताया गया कि पीएलवी न्यायालय और पब्लिक के बीच एक सेतु का काम करते हैं। पीएलवी जमीनी स्तर पर जुड़े होते हैं। इसलिए वंचित और जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने के साथ साथ उन्हें विकास के मुख्य धारा से भी जोड़ने का काम करते हैं।

गर्मी शुरू होते ही मानगो में पानी की हुई किल्लत, समता नगर के लोगों ने फिल्टर प्लांट में किया प्रदर्शन

स्थिति नहीं सुधरी तो विभाग का होगा हुड़का जाम - विकास

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। गर्मी शुरु होते ही मानगो में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। मानगो जवाहरनगर रोड नंबर 15 के वाटर फिल्टर प्लांट के बगल में स्थित समतानगर में विगत दस दिनों से पानी की किल्लत है। स्थानीय लोगों को कहना है मुश्किल से रात्रि 1ः00 बजे के बाद मात्र एक समय (दस मिनट) पानी की सप्लाई होती है। डेढ़ से दो बाल्टी पानी भरने के लिए लोगों को रात भर जागना पड़ता है। इतनी कम मात्रा में पानी मिलने के कारण लोगों को मुश्किल से केवल पीने का ही पानी मिलता हैं। नदी, नाले बगल में नहीं रहने के कारण लोगों का जीवन पानी के बिना अस्त व्यस्त हो गया है। सप्ताह भर पूर्व स्थानीय लोग जवाहरनगर रोड नंबर 15 स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में स्थित कार्यालय में जाकर जलापूर्ति कम

होने की शिकायत की थी। वहां मौजूद पदाधिकारी ने बताया कि वाल्व खराब हो गया है। दो दिन में स्थिति सामान्य हो जाएगी। लेकिन 10 दिन बीत जाने के बाद पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है। जैसे-जैसे गर्मी का प्रभाव बढ़ रहा है पानी सप्लाई की मात्रा और कम होते जा रही है। लोगों को भय इस बात का समा गया है कि भीषण गर्मी में इस बार लोगों को पीने का पानी भी नहीं मिलेगा।

स्थिति बिगड़ता देख स्थानीय लोगों ने भाजपा नेता विकास सिंह को मामले की जानकारी दी। विकास सिंह ने स्थानीय लोगों की समस्या से अवगत होते हुए स्थानीय लोगों के साथ पेयजल स्वच्छता विभाग के ट्रीटमेंट प्लांट में सांकेतिक प्रदर्शन किया। पेयजल स्वच्छता विभाग के खिलाफ जमकर महिलाओं के साथ नारे लगाया। विकास सिंह के साथ पहुंचे स्थानीय लोगों को देखकर पेयजल स्वच्छता विभाग के अधिकारी कार्यालय में ताला बंद कर भाग खड़े हुए। कोई भी पदाधिकारी मौके पर मौजूद नहीं था। भाजपा नेता विकास सिंह ने दूरभाष पर पेयजल स्वच्छता विभाग के संबंधित अधिकारियों को स्थिति सुधारने की बात कहते हुए कहा की स्थिति अगर समान्य नहीं हुई तो विभाग के कार्यालय का हुड़का जाम किया जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि स्थानीय विधायक सह राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के उदासीन रवैया के कारण लोगों को पानी और बिजली का दंश झेलना पड़ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

टाटा स्टील फाउंडेशन ने पूरे झारखंड में 100 मोतियाबिंद सर्जिकल शिविरों का किया आयोजन

पूसू प्रतिनिधि नोआमुंडी। टाटा स्टील फाउंडेशन और शंकर नेत्रालय ने झारखंड के प्रमुख जिलों को कवर करते हुए नोआमुंडी में 100वां मोतियाबिंद सर्जरी शिविर आयोजित किया। यह पहल सितंबर 2016 में सिल्डौरी, नोआमुंडी में अपने पहले शिविर के साथ शुरू हुई, और एमईएसयू (मोबाइल आई सर्जरी यूनिट) झारखंड के विभिन्न जिलों से होकर मांडू ब्लॉक, रामगढ़ जिले और धनबाद जिले के बाघमारा ब्लॉक में संपूर्णता स्तर तक पहुंच गई है। इस पहल ने, वर्तमान में अपने आठवें वर्ष में, झारखंड के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों सहित कई जिलों में लगभग 44,656 लोगों की जांच के बाद, 11,197 से अधिक मोतियाबिंद सर्जरी दर्ज की हैं। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित समुदायों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए टीएसएफ और शंकर नेत्रालय की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

छठी नेशनल पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप 2023-2024 की शुरुआत 19 मार्च से

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। छठी नेशनल पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप 2023-2024 का आयोजन 19 से 23 मार्च, 2024 तक मोहन आहूजा स्टेडियम, जमशेदपुर में किया जायेगा। चैंपियनशिप देश भर के एथलीटों को उनके असाधारण खेल कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। इस आयोजन में विभिन्न राज्यों के विशिष्ट पैरा एथलीट खेल के प्रति अपने कौशल और जुनून का प्रदर्शन करेंगे। उल्लेखनीय प्रतिभागियों में पैरालिंपियन, विश्व चैंपियन और एशियन पैरा गेम्स के पदक विजेता शामिल हैं। चैंपियनशिप में 20 से अधिक राज्यों के 370 से अधिक विशिष्ट पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी भाग लेंगे। इस आयोजन के लिए एक विशेष शुभंकर 'आरोहण' डिजाइन किया गया है।

मिशन शक्ति और पोषण पखवाड़ा जागरुकता रथ को दिखाई हरी झंडी

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। उपायुक्त अनन्य मित्तल, उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, आईटीडीए के निदेशक दीपांकर चौधरी ने मिशन शक्ति जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, हिंसा और खतरे से मुक्त माहौल में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने को प्रेरित किया जाएगा। योजना के तहत महिलाओं पर देखभाल के बोझ को कम करने और कौशल विकास, क्षमता निर्माण, वित्तीय साक्षरता, सूक्ष्म ऋण प्राप्त करने तक उनकी पहुंच बढ़ाकर महिला श्रम बल की भागीदारी को बढ़ाने का भी प्रयास किया जाएगा। मौके पर उपायुक्त ने कुपोषण मुक्त जिला के लिए पोषण पखवाड़ा जागरूकता रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष से मिलकर बंटी ने चुनाव पर चर्चा की

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और खादी बोर्ड के पूर्व सदस्य कुलवंत सिंह बंटी मंगलवार को चाईबासा भाजपा कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने झारखंड के प्रदेश प्रभारी और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सांसद डॉक्टर लक्ष्मीकांत वाजपेयी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कोल्हान में होने वाली चुनाव संबंधित बिन्दुओं पर चर्चा की और आगे की रणनीति तय की गयी। मुलाकात के दौरान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी, प्रदेश प्रवक्ता जेबी तूबिद, जिला अध्यक्ष संजू पांडे, आयोजक गीता बलमुचू, सहसंयोजक शशि समर, चाईबासा विधानसभा संयोजक जोहर बांनरा शामिल रहे।

डीसी ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएं

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला उपायुक्त अनन्य मित्तल ने जनता दरबार में आमजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना तथा यथोचित कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया। इस दौरान 100 से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए जिन्हें संबंधित विभागीय पदाधिकारी को अग्रसारित करते हुए जांचोपरांत समयबद्ध कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। बागबेड़ा से आए एक दिव्यांग की असुविधा को देखते हुए उपायुक्त ने मौके पर समाज कल्याण पदाधिकारी को ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने की बात कही, जिसे तत्काल ट्राइसाइकिल प्रदान किया गया। साथ ही दिव्यांग को सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं इसकी जानकारी ली।

श्रीकृष्ण की जीवन चरित्र से शिक्षा लेकर हर परिस्थितियों में मुस्कुरायें- कथावाचक

हिन्दू परिवार को गाय की सेवा अवश्य करनी चाहिए- सर्वज्ञानन्द महाराज

➔ साकची रामलीला मैदान में चौथे दिन नंदोत्सव का प्रसंग सुन भक्तिरस में झूमने लगे श्रोता

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। साकची श्री रामलीला मैदान में चल रहे भागवत कथा के चौथे दिन मंगलवार को कथावाचक स्वामी सर्वज्ञानन्द जी महाराज ने श्रीकृष्ण लीला, श्री गोवर्धन पूजा, झूला उत्सव, छप्पन भोग, श्रीराम जन्म, श्री कृष्ण जन्म एवं नंदोत्सव की कथा का विस्तार से सुंदर प्रसंग कहा। श्री श्री रामलीला उत्सव समिति द्धारा आयोजित भागवत कथा का वाचन करते हुए स्वामी सर्वज्ञानन्द जी महाराज लोगों को धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

मंगलवार को कथा में नंदोत्सव धूमधाम से मनाया गया। नंद बाबा के घर पर उत्सव का सुंदर वर्णन करने से आयोजन स्थल का माहौल नंदोत्सव के रंग में रंग गया। वही श्रद्धालु नंद के आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की का उद्घोष कर रहे थे। इस अवसर पर कथावाचक ने नंदोत्सव का प्रसंग सुनाते हुए भजनों की भाव विभोर करने वाली प्रस्तुतियां दी, जिस पर श्रोतागण भक्तिरस में झूमने लगे। इसके साथ ही कथा में भगवान

श्रीकृष्ण के बाल रूप की लीलाओं का सुंदर ढंग से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का अद्भुत चरित्र जीवन की हर परिस्थितियों में हमें मुस्कुराने की प्रेरणा प्रदान करता है। इसलिए हमें उनके जीवन चरित्र से शिक्षा लेनी चाहिए। स्वयं के साथ-साथ दूसरे लोग भी खुश रहें और प्रसन्न रहें, ऐसा कार्य करना चाहिए। कथा व्यास ने बाल कृष्ण की अनेकों बाल लीलाओं का वर्णन करने के पश्चात गोवर्धन पूजा एवं इन्द्र के मान मर्दन की कथा सुनाई। भगवान गिरिराज जी महाराज के समक्ष सुंदर छप्पन भोग के दर्शन कराए। उन्होंने यह भी बताया कि जहां सत्य एवं भक्ति का समन्वय होता है, वहां भगवान का आगमन अवश्य होता है। गाय की सेवा एवं महत्व को समझाते हुए बताया कि प्रत्येक हिन्दू परिवार में गाय की सेवा अवश्य होनी चाहिए। क्योंकि गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। गाय का दूध अमृत के समान बताया। गोवर्धन भगवान की पूजा विधि विधान से कराई। श्री श्री रामलीला उत्सव समिति द्धारा आयोजित भागवत कथा में पांचवें दिन बुधवार को दोपहर 3 बजे से महाराज महारास लीला, उद्धव चरित्र प्रसंग, श्रीकृष्ण मथुरा गमन एवं रूकमणी विवाह की कथा का विस्तार से प्रसंग सुनायेगें। मंगलवार को यजमान क्रमश: ममता-अनिल कुमार चौबे, रीना-दिलीप तिवारी, अखिलेश पांडेय, श्याम खंडेलवाल, संतुलाल खंडेलवाल थे। **इनकी रही उपस्थिति:-** कथा में चौथे दिन भी प्रमुख रूप से डा. डीपी शुक्ला, रामफल मिश्र, रामगोपाल चौधरी, शंकर सिंघल, पवन अग्रहरी, मनोज कुमार मिश्र, रामकेवल मिश्र, रोहित कुमार मिश्र, अवधेश मिश्र, द्धारिका प्रसाद, प्रमोद खंडेलवाल, प्रदीप चौधरी, सुरेश पाण्डे, मगन पाण्डे, महेश तिवारी, संजय सिंह, गौरीशंकर, बसंत, अनुज सहित बड़ी संख्या में पधारकर प्रभु कथा प्रेमियों द्वारा निष्ठा एवं भाव पूर्वक प्रभु कथा का रसपान किया गया। इस भागवत कथा के आयोजन में स्व. मुन्ना बाबू गुप्ता ट्रस्ट विशिष्ट सहयोगी है।

मूंडरू श्याम मन्दिर में भटली परिवार टाटानगर के सदस्यों को मिला सम्मान

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। शहर की धार्मिक संस्था श्री श्री श्याम भटली परिवार टाटानगर के सदस्य मंगलवार को मूंडरू श्याम मन्दिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। मूंडरू श्याम मंदिर के मुख्य पुजारी एवम मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष सोहन ने भटली परिवार टाटानगर के सदस्यों को बाबा श्याम का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने के दौरान ललीत डाँगा, प्रवीण भालोटिया, मनीष सिंघानियां समेत सभी 41 सदस्य उपस्थित थे।

1656 में बना था बाबा का मंदिर:- मालूम हो कि इतिहासकारों के मुताबिक यहां स्थित बाबा श्याम के मंदिर की स्थापना 400 साल पुरानी मानी जाती है। ठाकुर हरदय राम ने मूंडरू कस्बे को 1616 में बसाया था। उन्होंने ही 1656 में बाबा श्याम का मंदिर बनवाया था, जो कालांतर में भौगोलिक परिवर्तनों के चलते धरती के गर्भ में समा गया था। 80 के दशक में मूंडरू कस्बा भारी बारिश के चलते जलमग्न हो गया था। बारिश के पानी के कटाव के चलते गहरा गड्ढा बन गया, जहां खुदाई करने पर बाबा श्याम का प्राचीन मंदिर मिला जिसमें बाबा श्याम की प्रतिमा स्थापित थी। बाद में ग्रामीणों ने दूसरी मंजिल का निर्माण कर खुदाई में निकली प्रतिमा को ऊपर की मंजिल पर स्थापित किया तथा नीचे गर्भ गृह में बाबा श्याम की प्रतीकात्मक प्रतिमा रखी गई। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बाबा श्याम की दो प्रतिमाओं के दर्शन करने का सौभाग्य मिलता है।

साकची: महालक्ष्मी मंदिर के चतुर्थ वार्षिकोत्सव पर सवा लाख जवा फूल से झुंझुनूं वाली राणी सती दादी का हुआ अभिषेक

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। साकची ठाकुरबाड़ी रोड़ स्थित महालक्ष्मी, राणीसती दादी एवं अंजनी माता मंदिर का चतुर्थ वार्षिकोत्सव का धूमधाम से आयोजन हुआ। मंदिर परिसर में आज झुंझुनूं वाली राणी सती दादी का सवा लाख जवा फूल से अभिषेक हुआ। प्रात: में दादी का विशेष पूजा हुई। दादी की महिमा ने भक्तों को खूब झुमाया।

राजस्थानी परिधान में सज धज कर महिलाएं हुई शामिल

झुंझुनू वाली रानी सती दादी को राजधानी परिधान में सज धज कर महिलाएं शामिल हुई। चुनड़ी उत्सव, गजरा उत्सव, सिंदूर उत्सव आज के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। पूरे मंदिर परिसर को दादी भक्तों ने खूब सजाया। वाद्य यंत्रों के साथ मंदिर परिसर के साथ पूरा शहर का माहौल भक्तिमय था। कार्यक्रम श्री राणीसती सत्संग मंडल, हावड़ा (सवा लाख दादी परिवार) के तत्वावधान में आयोजित हुआ।

बुधवार को होगा झुंझुनूं वाली राणी सती दादी का महा मंगलपाठ

बुधवार को झुंझुनू वाली रानी सती दादी का विशेष पूजन होगा एवं दोपहर में झुंझुनू वाली राणी सती दादी का महामंगल पाठ होगा।

प्रमुख रूप से कार्यक्रम को सफल बनाने में कमल अग्रवाल, प्रमोद भालोटिया, राजकुमार चंदुका, आर के चौधरी, सुरेश काउंटिया, अमित अग्रवाल, अंकित मोदी, सुमित अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, सन्नी संघी, अंकित अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, सुरेश खेमका, नरेश संघी, ओमप्रकाश अग्रवाल, प्रमोद जालुका,मनोज अग्रवाल, सतीश शर्मा, विष्णु धानुका,रितेश जालुका आदि का महत्वपूर्ण योगदान है।

तमिल-तेलगू में धमाल मचाने के बाद मलयालम डेब्यू के लिए तैयार अनुष्का

साउथ अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी अपनी प्रोफेशनल लाइफ के चलते अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। अभिनेत्री को अपने शानदार अभिनय प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। तमिल और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में एक सफल अभिनेत्री के तौर पर पहचान बनाने वालीं अनुष्का शेट्टी अब मलयालम फिल्में में डेब्यू करने जा रही हैं।

हॉरर फिल्म कत्तानार- द वाइल्ड सॉरसरर के साथ अभिनेत्री अपने मलयालम डेब्यू के लिए तैयार हैं। फिल्म के निर्देशक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी है। काफी वक्त से खबरें आ रही थीं कि अनुष्का शेट्टी आगामी कत्तानार- द वाइल्ड सॉरसरर में अहम भूमिका निभाएंगी। अब सोशल मीडिया पर सामने आए पोस्ट ने इन खबरों पर मुहर लगा दी है।

कत्तानार- द वाइल्ड सॉरसरर निर्देशक रोजिन थॉमस ने अपने इंस्टाग्राम पर अनुष्का शेट्टी और फिल्म की टीम के साथ सेट से एक तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में वह अनुष्का का सेट पर स्वागत करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री हाथों में भगवान श्रीकृष्ण की मुर्ति के साथ पोज देती नजर आ रही हैं।

3 दिन में 50 करोड़ के पार हुई शैतान, भोला को छोड़ा पीछे

अजय देवगन और आर. माधवन की फिल्म शैतान से इन दिनों सिनेमाघरों की रौनक बढ़ गई है। दर्शक फिल्म पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और थिएटर की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। उन्हें लीक से हटकर बनाई गई इस फिल्म की कहानी आकर्षित कर रही है। फिल्म 8 मार्च को रिलीज हुई थी। इसने तीन दिन में ही भारत में बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपए का खास आंकड़ा छू लिया है। शैतान ने ओपनिंग डे पर 14.75 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इसके बाद शनिवार को भी इसका जादू बरकरार रहा और इसने 18.75 करोड़ रुपए अपनी झोली में डाल लिए। अब तीसरे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक इसने रविवार (10 मार्च) को 20 करोड़ रुपए कमाए। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 53.50 करोड़ रुपए पहुंच गई है। इस मामले में अजय की ही फिल्म भोला पिछड़ गई जो पिछले साल 30 मार्च को रिलीज हुई थी। 'भोला' ने तीन दिन में 30.8 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। शैतान ने पूरी दुनिया में 60 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके डायरेक्टर विकास बहल और प्रोड्यूसर अजय देवगन हैं। माधवन 'शैतान' के नेगेटिव किरदार में दिखाई दे रहे हैं।

वेब सीरीज थेरेपी शेरेपी में एक साथ दिखाई देंगे गुलशन- नेहा

एक्टर गुलशन देवैया और नेहा धूपिया मेंटल हेल्थ पर आधारित वेब सीरीज थेरेपी शेरेपी में पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। एक्टर गुलशन ने कहा, मुझे लगता है कि अगर हर परिवार अपने सदस्यों के लिए एक सुरक्षित स्थान बना सके तो इस दुनिया से बहुत सारी परेशानियां गायब हो जाएंगी।

इससे लोग बेहद खुश रहेंगे। शो की कहानी औसत मध्यम आय वाले परिवार के बारे में है। उन्होंने आगे कहा, मैं देख रहा हूं कि लोग धीरे-धीरे परिवार के पालन-पोषण के लिए एक सुरक्षित स्थान बना रहे हैं। दुनिया एक बेहतर जगह हो सकती है और हमें इसकी शुरुआत घर से ही करनी चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, थेरेपी शेरेपी की शूटिंग फिलहाल चल रही है, कहानी के बारे में विवरण अभी भी गुप्त रखा गया है।

लैला मजनू के फ्लॉप होने के बाद टूट गई थी तृप्ति

साल 2023 में बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाली एनिमल ने तृप्ति डिमरी को स्टार बना दिया। स्क्रीन पर कम स्पेस मिलने के बावजूद तृप्ति ने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। तृप्ति के अभिनय का जादू लोगों पर कुछ इस तरह चला कि वे नेशनल क्रश बन गईं। फिल्हाल तृप्ति अपनी इस सफलता का आनंद ले रही हैं। फैंस का अटेंशन अभिनेत्री को खूब पसंद आ रहा है, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब उनकी फिल्म लैला मजनू ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था और वे पूरी तरह से टूट गई थीं। इसका खुलासा खुद तृप्ति ने एक साक्षात्कार में किया। साक्षात्कार में तृप्ति ने बताया कि उन्हें अपनी फिल्म लैला मजनू से काफी उम्मीदे थीं, उन्हें लगा था कि फिल्म हिट होगी और लोग उन्हें पहचानने लगेंगे, लेकिन यह फ्लॉप हो गई और दिल टूट गया। फिल्म में उनके साथ अविनाश तिवारी मुख्य भूमिका में थे। तृप्ति ने यह भी बताया कि जब फिल्म रिलीज होने वाली थी तो तृप्ति को लगा था कि वे अब बाहर नहीं निकल पाएंगी।

यह फिल्म उन्हें स्टार बना देगा, लेकिन जब फिल्म रिलीज हुई तो बहुत कम लोग इसे देखने गए। तृप्ति ने कहा, लैला मजनू के फ्लॉप होने के बाद भी मुझे फिल्मों के ऑफर मिलें, लेकिन इनमें कुछ भी खास नहीं था। इसलिए मैंने खुद पर काम करना शुरू किया। कई वर्कशॉप में भाग लिया और खुद को संभाल पाई। इसके बाद मुझे फिल्म बुलबुल मिली। हालांकि, इस दौरान बहुत से लोगों ने ओटीटी पर काम करने के मेरे फैसले पर सवाल भी उठाया था। क्योंकि उस समय ने भारत की सिर्फ 8 फिल्में रिलीज की थीं। फिलहाल तृप्ति डिमरी की कई फिल्में लाइन-अप है, जिससे वे एक बार दर्शकों पर अभिनय का जादू चलाएंगी।

यामी गौतम ने फिल्मी अवार्ड्स को फेक कहा

ऑस्कर अवार्ड्स के समापन पर यामी गौतम ने फिल्मी अवार्ड्स शो को फर्जी बताया। उन्होंने फिल्म ओपनहाइमर के लिए किलियन मर्फी को बधाइयां दी। यामी ने किलियन मर्फी के काम की प्रशंसा भी की। यामी ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- पिछले कुछ सालों से मुझे मौजूदा नकली फिल्मीअवार्ड्स में कोई विश्वास नहीं रहा। यही वजह है कि मैंने अवॉर्ड शो अटेंड करना भी छोड़ दिया है। आज मुझे वास्तव में बहुत खुशी महसूस हो रही है क्योंकि किलियन मर्फी ने अपने काम से ये साबित कर दिया कि वे कितने बेहतर हैं। आपको इस तरह से सबसे बड़े ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर सम्मानित होते देखना यही बताता है कि आखिर में आपका टैलेंट ही सबसे ऊपर होता है।

ओपेनहाइमर ने जीते 7 ऑस्कर अवॉर्ड

11 मार्च को लॉस एंजिलिस के डॉल्बी थिएटर में 96वें ऑस्कर अवॉर्ड का ऐलान हुआ। सेरेमनी में ओपेनहाइमर ने बेस्ट फिल्म समेत कुल सात अवॉर्ड अपने नाम किए। किलियन मर्फी बेस्ट एक्टर, क्रिस्टोफर नोलन बेस्ट डायरेक्टर बने। इसी फिल्म के लिए रॉबर्ट डाउनी जूनियर को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड मिला। ये उनके करियर का पहला ऑस्कर है। ओपेनहाइमर ने बेस्ट फिल्म एडिटिंग, बेस्ट ओरिजिनल स्कोर और बेस्ट सिनेमैटोग्राफी कैटेगरी के अवॉर्ड भी अपने नाम किए। फिल्म कुल 13 कैटेगरी में नॉमिनेट हुई थी।

टाइगर 3 के बाद सलमान की आगामी फिल्म की हुई घोषणा

सुपरस्टार सलमान खान के फैंस के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। दबंग खान साजिद नाडियाडवाला की मेगा बजट एक्शन फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसका निर्देशन साउथ के दिग्गज निर्देशक ए आर मुरुगादॉस करेंगे। मंगलवार को फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई है। नाडियावाला ग्रैंडसन के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक पोस्ट शेयर कर इस फिल्म की घोषणा की गई।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, लंबे समय से सलमान खान के साथ जारी सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए हम रोमांचित हैं। सलमान खान के साथ हमारी अगली फिल्म के लिए शानदार निर्देशक ए आर मुरुगादॉस भी हमारे टीम मे शामिल हुए है। सलमान के साथ हमारी यह फिल्म सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है, जो ईद 2025 पर रिलीज होगी।

पटना शुक्ला में अन्याय के खिलाफ लड़ती नजर आएंगी रवीना टंडन

सुपरस्टार सलमान खान ने रवीना टंडन की अपकमिंग फिल्म पटना शुक्ला का ट्रेलर जारी किया है। इस फिल्म में एक्ट्रेस अन्याय के खिलाफ एक छात्रा के लिए केस लड़ती नजर आएंगी। पटना शुक्ला एक आम महिला तन्वी शुक्ला (रवीना) की कहानी है जो उसी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। रवीना फिल्म में एक छात्रा का केस लड़ेंगी, जिसे भरोसा है कि उसने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया, मगर उसे उसके हिसाब से नंबर नहीं मिले।

एक्स पर सलमान खान ने एक मिनट और 54 सेकंड का वीडियो शेयर किया है जिसकी शुरूआत तन्वी के रूप में रवीना के मेहमानों को चाय और नाश्ता परोसने से शुरू होती है। वह कहती है कि हम सिर्फ हाउसवाइफ नहीं हैं, जिस पर एक आदमी जवाब देता है, तन्वी भाभी वकील भी हैं। तन्वी के पति का किरदार निभाने वाले मानव विज कहते हैं, ये एफिडेविट बहुत अच्छा बनाती हैं। वीडियो में एक छात्रा को दिखाया गया है, जो परीक्षा रोल नंबर घोटाले से संबंधित अपना केस लड़ने के लिए तन्वी के पास आती है। स्निपेट में जतिन गोस्वामी को एक राजनेता के रूप में दिखाया गया है जो तन्वी को रिंकी कुमारी (अनुष्का कौशिक) का मामला छोड़ने की धमकी दे रहा है। तन्वी जवाब देती है कि क्या कर लेंगे आप, मरवा देंगे? जतिन कहते हैं कि हम आज कल के नेता हैं, अवैध काम वैध तरीके से करते हैं। इसमें आगे दिखाया गया है कि कैसे इस केस की वजह से तन्वी के पति की नौकरी चली जाती है।

वीडियो तन्वी के यह कहने के साथ समाप्त होता है कि हम नहीं झुकेंगे। वीडियो शेयर करते हुए सलमान ने लिखा कि रोल-नंबर स्कैम है केस जिनका अगला, स्वागत करो रवीना का पटना शुक्ला में। रवीना ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि अन्याय से दबी आवाज के लिए, न्याय का आगाज करने आ रही है तन्वी।

यह फिल्म रोल नंबरों के शिक्षा घोटाले पर प्रकाश डालती है जो भारत में हजारों ईमानदार छात्रों के जीवन को प्रभावित करता है। यह दो महिलाओं की दिल छू लेने वाली कहानी है जो दबावों और मातृत्व की जिम्मेदारियों से निपटते हुए न्याय के लिए लड़ने के लिए आगे बढ़ती हैं। फिल्म में चंदन रॉय सान्याल और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक भी हैं। अरबाज खान प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित और विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित, कोर्ट रूम ड्रामा 29 मार्च से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आएगी।

स्वातंत्र्य वीर सावरकर में अंकिता को कास्ट नहीं करना चाहते थे रणदीप

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 17 से अंकिता लोखंडे ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं। अंकिता बिग बॉस 17 की विजेता तो नहीं बन पाई, लेकिन अब उन्हें कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिल रहे हैं। इन ऑफर्स में टेलीविजन प्रोजेक्ट्स के अलावा फिल्में भी शामिल हैं। अंकिता रणदीप हुड्डा की फिल्म स्वातंत्र्यवीर सावरकर में नजर आने वाली हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि रणदीप नहीं चाहते थे कि अंकिता इस फिल्म का हिस्सा बने।

आइए जानते हैं क्यों। अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके सह-कलाकार रणदीप हुड्डा शुरू में नहीं चाहते थे कि वह उनकी आगामी फिल्म स्वातंत्र्यवीर सावरकर का हिस्सा बनें क्योंकि उन्हें लगता था कि वह पत्नी यमुनाबाई सावरकर की भूमिका निभाने के लिए बहुत यंग हैं। फिल्म में विनायक दामोदर सावरकर बायोपिक में रणदीप भारतीय राजनेता, कार्यकर्ता और लेखक विनायक दामोदर सावरकर की भूमिका में नजर आएंगे।

इसके साथ ही अभिनेत्री ने कहा, रणदीप हुड्डा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं आपको फिल्म में चाहता हूं, जिस पर अभिनेत्री ने जवाब दिया, क्यों?। इस पर उन्होंने ऐसा कहा, आप इस किरदार यमुनाबाई सावरकर के लिए बहुत सुंदर हैं।

नेपोटिज्म को लेकर अरबाज ने दिया बड़ा बयान

अभिनेता अरबाज खान बॉलीवुड में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। अरबाज पटकथा लेखक सलीम खान के बेटे और सुपर स्टार सलमान खान के भाई हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे नेपोटिज्म पर खुलकर अपनी राय जाहिर करते दिखे। अरबाज खान बॉलीवुड के एक बड़े खानदान से ताल्लुक रखते हैं। उनसे जब ये पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि स्टार किड्स को नेपोटिज्म से फायदा मिलता है। इस सवाल के जवाब में अरबाज कहते हैं, देखिए अगर आपके पिता किसी प्रोफेशन में हैं तो आपके लिए उस क्षेत्र का दरवाजा जरूर खुल जाता है, लेकिन आपको वहां काम अपने टैलेंट से मिलेगा न कि पिता की वजह से। यह बात सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं बल्कि हर जगह लागू होती है। अरबाज खान अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, हां मैं इस बात को जरूर मानता हूं कि अगर आपके परिवार का कोई सदस्य किसी पेशे में है, तो आपके लिए वहां जाकर काम ढूंढना आसान हो जाता है, लेकिन अगर आप वहां काम नहीं कर पाएंगे तो आपको असफलता ही मिलेगी।

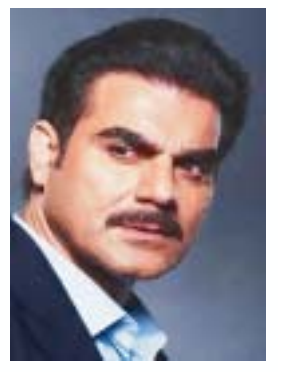

आईपीएल 2024 से पहले एमआई को झटका!

सूर्या पर लग सकता है ग्रहण, फिटनेस को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के शीर्ष टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टखने की सर्जरी के बाद बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) के दौर से गुजर रहे हैं। लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन में मुंबई इंडियंस के पहले दो मैचों के लिए उनकी उपलब्धता संदिग्ध है।

आईपीएल के शुरुआती दो मैच नहीं खेलेंगे सूर्या? मुंबई इंडियंस की टीम अपने अभियान की शुरुआत 24 मार्च को पिछले साल के उपविजेता गुजरात टाइटंस के खिलाफ करेगी। आईसीसी रैंकिंग का यह शीर्ष टी20 बल्लेबाज खेल में वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया, 'सूर्यकुमार का रिहैबिलिटेशन सही रास्ते पर है और वह निश्चित रूप से आईपीएल के आगामी सत्र में वापसी करेंगे। यह हालांकि अभी भी स्पष्ट नहीं है कि एनसीए की 'स्पोर्ट्स साइंस और मेडिकल टीम' गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद (27 मार्च) के खिलाफ पहले दो मैचों में खेलने के लिए मंजूरी देगी या नहीं। सूर्यकुमार के इंस्टाग्राम हैंडल को देखे तो उन्होंने स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग से जुड़ी ट्रेनिंग करते हुए कुछ वीडियो साझा किये हैं। उन्होंने अभी तक बल्लेबाजी अभ्यास का कोई वीडियो साझा नहीं किया है।

सूत्र ने कहा, 'मुंबई इंडियंस के शुरुआती मैच में अभी 12 दिन बाकी हैं, लेकिन इससे पहले फिट होने के लिए उनके पास कम समय है।

मुंबई इंडियंस और भारत के लिए अहम हैं सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार मुंबई के सबसे अहम बल्लेबाजों में से एक है। उनके नाम 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में चार शतक और 171 से अधिक के स्ट्राइक रेट के साथ 2,141 रन है।

अमेरिका और वेस्टइंडीज में जून में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में भारत की खिताब की संभावना काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेंगी कि सूर्यकुमार यादव कैसा खेलते हैं।

आईपीएल में मुंबई के सफल अभियान के लिए भी सूर्यकुमार काफी अहम है। सूर्यकुमार ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच दक्षिण अफ्रीका में खेले था। उन्होंने तब टी20 प्रारूप में भारतीय टीम का नेतृत्व किया था।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड को कुछ युवा तेज गेंदबाज ढूंढने होंगे : बॉयकॉट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर ज्योफ्री बॉयकॉट ने कहा कि इंग्लैंड को जेम्स एंडरसन से आगे बढ़ने की जरूरत है, क्योंकि वे हमेशा भावनाओं के आधार पर एंडरसन को नहीं चुन सकते हैं। साथ ही, उन्होंने टीम से 2025-26 में ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज यात्रा के लिए युवा और तेज गेंदबाजों को खोजने का आग्रह किया है। 41 वर्षीय जेम्स एंडरसन ने धर्मशाला में भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट के तीसरे दिन कुलदीप यादव को आउट करके 700 टेस्ट विकेट की उपलब्धि हासिल की और ऐसा करने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए। वह अब टेस्ट में विकेट लेने वालों की सर्वकालिक सूची में मुथैया मुरलीधरन और शेन वॉर्न के बाद तीसरे स्थान पर हैं। लेकिन जब तक इंग्लैंड एशेज के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी, तब तक एंडरसन 43 वर्ष के हो जाएंगे। इसलिए इंग्लिश टीम सिर्फ एंडरसन से उम्मीद नहीं लगा सकती। इंग्लैंड को नए और युवा तेज गेंदबाज तलाशने होंगे, जिन्हें जेम्स एंडरसन से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है। मार्क वुड और ओली रॉबिन्सन जैसे अन्य तेज गेंदबाज भारत के टेस्ट दौरे पर गंभीर प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। बॉयकॉट ने अपने कॉलम में लिखा, अगली एशेज तक जिमी 43 साल के हो जाएंगे और उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इंग्लैंड को कुछ युवा सीमर ढूंढने होंगे जो 20 ओवर फेंक और अगले दिन और अधिक के लिए तैयार रहें। ऑस्ट्रेलिया के लिए टीम चुनने से पहले उन्हें मौके दिए जाने की जरूरत है।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए मिचेल मार्श होंगे कप्तान, कोच का मिला समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी पैट कमिंस नहीं बल्कि मिचेल मार्श को सौंपी जा सकती है। इस बात का समर्थन खुद टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने किया है। टीम के कोच ने मार्श के नाम को आगे रखा है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि जल्द ही क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया कप्तान के तौर पर मार्श के नाम का ऐलान कर सकता है। साल 2022 में टी20 वर्ल्ड कप के बाद फिंच ने संन्यास ले लिया था।

इसके बाद मार्श ने अनौपचारिक आधार पर टी20 में नेतृत्व की भूमिका निभाई है। एंड्रयू मैकडोनाल्ड, जॉर्ज बेली की अध्यक्षता वाले सेलेक्शन पैनल का हिस्सा हैं। वो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड को सिफारिश करेंगे कि 32 वर्षीय मार्श को औपचारिक आधार पर बागडोर सौंपी जाए। आरोन फिंच की सेवानिवृत्ति के बाद फुलटाइम कप्तान की भूमिका तय करना अभी भी बाकी है। एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, जिस तरह से वह उस टी20 टीम के साथ काम करने में सक्षम हैं, उससे हम खुश और सहज हैं। हमें लगता है कि वह टी20 विश्व कप के लिए बेस्ट कप्तान हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने मार्श की कप्तानी में वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंज के खिलाफ टी20 सीरीज भी जीती थी। एक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी के रूप में मार्श की वापसी की राह 20 ओवर के खेल में शुरू हुई जब उन्होंने अपनी टीम को 2021 विश्व कप ट्रॉफी दिलाई।

वह दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 50 गेंदों में नाबाद 77 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 173 रनों के विजय लक्ष्य को एक ओवर से अधिक शेष रहते हुए हासिल कर लिया। 54 टी20 में मार्श ने 22.76 की औसत से 17 विकेट के अलावा नौ अर्धशतकों के साथ 1,432 रन बनाए हैं।

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

64वीं औपबंधिक सूची जिला—लातेहार (पार्ट—03)

क्र0	आवेदनकर्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या—1938, दिनांक—20.04.2021 के आलोकमेंप्रदत्तकंडिका
	विवरण :— चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी मुरलीधर प्रसाद, सत्येन्द्र सिंह एवं बिरेन्द्र ठाकुर द्वारा आयोग के माननीय सदस्य के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
134.	1. आवेदन क्र0—60/24 2. आवेदक—आनन्द प्रसाद साहु, पिता—स्व0 निरंजन साहु 3. ग्राम—कैरो, पोस्ट—कैरो, थाना— लोहरदगा, प्रखण्ड—लोहरदगा 4. लिंग—पुरूष,आयु—64 वर्ष, पहचान चिन्ह—पिठ में दाहिना ओर तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
135.	1. आवेदन क्र0—228/24 2. आवेदक—मान्ती देवी, पति—स्व0 शिवदेयाल उरांव 3. ग्राम—आरागुण्डी, पोस्ट—टेमकी, थाना— लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—महिला, आयु—72 वर्ष, पहचान चिन्ह—	कंडिका—2(ix)
136.	1. आवेदन क्र0—229/24 2. आवेदक—मोहन उरांव, पिता—रामदेव उरांव 3. ग्राम—पाण्डेयपु (बरवाटांड़),पोस्ट—पाण्डेयपुरा, थाना— लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—54 वर्ष, पहचान चिन्ह—	कंडिका—2(ix)
137.	1. आवेदन क्र0—230/24 2. आवेदक—सुकर उरांव, पिता—स्व0 बांके उरांव 3. ग्राम—शिशि, पोस्ट—डेमू थाना— लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष,आयु—75 वर्ष, पहचान चिन्ह—गला में दाहिना ओर मस्सा का निशान।	कंडिका—2(ix)
138.	1. आवेदन क्र0—231/24 2. आवेदक—शिवदयाल उरॉव, पिता—स्व0 मंगन उरॉव 3. ग्राम—आरागुण्डी, पोस्ट—टेमकी, थाना— लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—68 वर्ष, पहचान चिन्ह—दाहिना आंख में तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
139.	1. आवेदन क्र0—232/24 2. आवेदक—संजीव कुमार गिरि, पिता—स्व0 सत्यदेव गिरि 3. ग्राम—बाजकुम, पोस्ट—बाजकुम, थाना— लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—52 वर्ष, पहचान चिन्ह—बायें आंख के उपर ललाट पर मस्सा का निशान।	कंडिका—2(ix)
140.	1. आवेदन क्र0—233/24 2. आवेदक—शांती देवी, पति—बलराम उरांव 3. ग्राम—आरागुण्डी, पोस्ट—टेमकी, थाना— लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—महिला, आयु—61 वर्ष, पहचान चिन्ह—बाया हांथ के कलाई से उपर तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
141.	1. आवेदन क्र0—234/24 2. आवेदक—जयराम उरांव , पिता—स्व0 मंगन उरांव 3. ग्राम—आरागुण्डी, पोस्ट—टेमकी, थाना— लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—71 वर्ष, पहचान चिन्ह—पेट पर नाभी के पास तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
142.	1. आवेदन क्र0—235/24 2. आवेदक—इरफान अहमद खाँ, पिता—स्व0 ओबैदुल्लाह खाँ 3. ग्राम—नामुदाग, पोस्ट—मनिका, थाना— मनिका, प्रखण्ड—मनिका 4. लिंग—पुरूष, आयु—60 वर्ष, पहचान चिन्ह— दाएं गाल पर मस्सा का निशान।	कंडिका—2(ix)
143.	1. आवेदन क्र0—236/24 2. आवेदक—बलराम उरांव, पिता—मंगन उरांव 3. ग्राम—आरागुण्डी, पोस्ट—टेमकी, थाना— लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—66 वर्ष, पहचान चिन्ह—नाभी से निचे बायी ओर तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
144.	1. आवेदन क्र0—237/24 2. आवेदक—हैदर अलि, पिता—स्व0 गफुर अंसारी 3. ग्राम—नामुदाग, पोस्ट—मनिका, थाना— मनिका, प्रखण्ड—मनिका 4. लिंग—पुरूष, आयु—48 वर्ष, पहचान चिन्ह— अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
145.	1. आवेदन क्र0—238/24 2. आवेदक—नेमा उरॉव, पिता—स्व0 रंधु उरॉव 3. ग्राम—टेमकी, पोस्ट—टेमकी, थाना— लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—68 वर्ष , पहचान चिन्ह—दाहिना आंख के बगल में गला पर घाव का निशान।	कंडिका—2(ix)
146.	1. आवेदन क्र0—239/24 2. आवेदक—चिन्मामणि देवी, पिता—रतिया उरांव 3. ग्राम—टेमकी, पोस्ट—टेमकी, थाना—लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—महिला, आयु—61 वर्ष, पहचान चिन्ह—दाहिने पैर पर घुटना पर घाव का निशान।	कंडिका—2(ix)
147.	1. आवेदन क्र0—240/24 2. आवेदक—शिवलाल उरांव , पिता—स्व0 खेदू उरांव 3. ग्राम—आरागुण्डी, पोस्ट—टेमकी, थाना—लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—76 वर्ष, पहचान चिन्ह—गला पर दाहिना ओर हसुली में मस्सा	कंडिका—2(ix)
148.	1. आवेदन क्र0—241/24 2. आवेदक—सुखन उरांव, पिता—स्व0 राजू उरांव 3. ग्राम—टेमकी, पोस्ट—टेमकी, थाना—लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—53 वर्ष, पहचान चिन्ह—नाक के दाहिना ओर मस्सा का निशान।	कंडिका—2(ix)
149.	1. आवेदन क्र0—242/24 2. आवेदक—रामवृक्ष उरांव, पिता—स्व0 विफा उरांव 3. ग्राम—लुटी, पोस्ट—टेमकी, थाना—लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—67 वर्ष, पहचान चिन्ह—दाहिना आंख के निचे तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
150.	1. आवेदन क्र0—243/24 2. आवेदक—चमरू उरांव, पिता—स्व0 दासई उरांव 3. ग्राम—लुटी पोस्ट—टेमकी थाना—लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—52 वर्ष, पहचान चिन्ह—ललाट कि उपर कट का निशान।	कंडिका—2(ix)
151.	1. आवेदन क्र0—244/24 2. आवेदक—रामधनी उरांव, पिता—स्व0 गंदुरा उरांव 3. ग्राम—जड़यांग, पोस्ट—टेमकी, थाना—लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—68 वर्ष, पहचान चिन्ह—नाक के बायी ओर तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
152.	1. आवेदन क्र0—245/24 2. आवेदक—रामदेव उरांव पिता—स्व0 छेदा उरांव 3. ग्राम—टेमकी, पोस्ट—टेमकी, थाना—लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—56 वर्ष, पहचान चिन्ह—बाया आंख के निचे तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
153.	1. आवेदन क्र0—246/24 2. आवेदक—जिरा मसोमात (आश्रित पत्नी), पति—स्व0 पकिया उरांव (आन्दोलनकारी) 3. ग्राम—लुटी, पोस्ट—टेमकी, थाना—लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—महिला, आयु—64 वर्ष, पहचान चिन्ह—कमर के दाहिना ओर गांठ का निशान।	कंडिका—2(ix)
154.	1. आवेदन क्र0—247/24 2. आवेदक—राजमोहन उरांव, पिता—स्व0 झुगल उरांव 3. ग्राम—पाण्डूका, पोस्ट—टेमकी, थाना—लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—76 वर्ष, पहचान चिन्ह—दाहिना आंख के निचे तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
155.	1. आवेदन क्र0—248/24 2. आवेदक—मंगलदेवा उरांव, पिता—स्व0 जदु उरांव 3. ग्राम—कुन्दरी, पोस्ट—टेमकी, थाना—लातेहार, प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष, आयु—62 वर्ष, पहचान चिन्ह—बायी आंख के बायी ओर तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
156.	1. आवेदन क्र0—249/24 2. आवेदक—सुरेश यादव, पिता—स्व0 उपेश्वर यादव 3. ग्राम—बरवाडीह, पोस्ट—सासंग, थाना—चन्दवा, प्रखण्ड—चन्दवा 4. लिंग—पुरूष, आयु—56 वर्ष, पहचान चिन्ह—सिना के बायी ओर तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
157.	1. आवेदन क्र0—250/24 2. आवेदक—बरतु राम, पिता—स्व0 मितु राम 3. ग्राम—बारी (टोला—झुचलु), पोस्ट—चन्दवा, थाना—चन्दवा, प्रखण्ड—चन्दवा 4. लिंग—पुरूष, आयु—51 वर्ष, पहचान चिन्ह—नाक के नीचे मासा।	कंडिका—2(ix)
158.	1. आवेदन क्र0—251/24 2. आवेदक—उपेन्द्र प्रसाद यादव, पिता—विश्वनाथ प्रसाद यादव 3. ग्राम—सासंग पोस्ट—सासंग, थाना—चन्दवा, प्रखण्ड—चन्दवा 4. लिंग—पुरूष, आयु—52 वर्ष, पहचान चिन्ह—दाहिना हांथ के छोटी अंगुली में तिल।	कंडिका—2(ix)
159.	1. आवेदन क्र0—252/24 2. आवेदक—विनेश्वर अगेरिया, पिता—दिनू अगेरिया 3. ग्राम—ऐटे, पोस्ट—बारी, थाना—चन्दवा, प्रखण्ड—चन्दवा 4. लिंग—पुरूष, आयु—49 वर्ष, पहचान चिन्ह—सिना में बायी ओर तिल का निशान।	कंडिका—2(ix)
160.	1. आवेदन क्र0—27/24 2. आवेदक—फुलपती देवी, पति—साहेब सिंह 3. ग्राम—कसमार, पोस्ट—उदयपुरा, थाना—रमकण्डा, प्रखण्ड—रमकण्डा 4. लिंग—महिला, आयु—45 वर्ष, पहचान चिन्ह—हांथ के निचे कटा का निशान।	कंडिका—2(ix)
161.	1. आवेदन क्र0—316/24 2. आवेदक—सुर्यदेव सिंह, पिता—स्व0 पुरन सिंह 3. ग्राम—मायापुर, पोस्ट—चैनपुर रामगढ़, थाना—रामगढ़, प्रखण्ड—रामगढ़ 4. लिंग—पुरूष, आयु—47 वर्ष, पहचान चिन्ह—पैर में कटा का निशान।	कंडिका—2(ix)
162.	1. आवेदन क्र0—28/24 2. आवेदक—मुनसी सिंह, पिता—स्व0 रामधनी सिंह 3. ग्राम—रमकण्डा, पोस्ट—रमकण्डा, थाना—रमकण्डा, प्रखण्ड—रमकण्डा 4. लिंग—पुरूष, आयु—48 वर्ष, पहचान चिन्ह—	कंडिका—2(ix)
163.	1. आवेदन क्र0—29/24 2. आवेदक—मनोज गीरी, पिता—स्व0 सर्वजीत गीरी 3. ग्राम—रमकण्डा, पोस्ट—रमकण्डा, थाना—रमकण्डा, प्रखण्ड—रमकण्डा 4. लिंग—पुरूष, आयु—61 वर्ष, पहचान चिन्ह—पैर में कटा का निशान।	कंडिका—2(ix)
164.	1. आवेदन क्र0—30/24 2. आवेदक—रामऔतार, पिता—स्व0 रामबिलास सिंह 3. ग्राम—चपरी, पोस्ट—उदयपुरा, थाना—रमकण्डा, प्रखण्ड—रमकण्डा 4. लिंग—पुरूष, आयु—57 वर्ष, पहचान चिन्ह—पैर में जख्म का निशान।	कंडिका—2(ix)
165.	1. आवेदन क्र0—31/24 2. आवेदक—सोमला कुंवर, पति—स्व0 छकन सिंह 3. ग्राम—विराघपुर, पोस्ट—बोरीया, थाना—रमकण्डा, प्रखण्ड—रमकण्डा 4. लिंग—महिला, आयु—46 वर्ष, पहचान चिन्ह—पैर मे कटा का निशान।	कंडिका—2(ix)
	विवरण :— महुवाडाड़ थाना काण्ड सं0—16/91 मे चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी आरबियन खाखा के द्वारा शपथ पत्र के माध्यम से की गई अनुशंसा तथा चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी आरबियन खाखा एवं बृजलाल प्रसाद गुप्ता द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
166.	1. आवेदन क्र0— 66/24 2. आवेदक—कामेश्वर उरॉव , पिता—रूपन उरॉव 3. ग्राम—घाघू , पोस्ट—मैसादोन , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—64 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
167.	1. आवेदन क्र0— 67/24 2. आवेदक—बालदेव उरॉव , पिता—अकला उरॉव 3. ग्राम—जाला , पोस्ट—सेरेगड़ा , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—77 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
168.	1. आवेदन क्र0— 68 /24 2. आवेदक—दिनेष उरॉव , पिता—सावना उरॉव 3. ग्राम—बसिया , पोस्ट— बालुमाथ , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—46 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
169.	1. आवेदन क्र0— 69/24 2. आवेदक—चरण उरॉव , पिता—स्व0 विफा उरॉव 3. ग्राम—होलंग , पोस्ट—होलंग , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—53 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
170.	1. आवेदन क्र0— 70 /24 2. आवेदक—विष्वनाथ प्रसाद , पिता—गुलाब चन्द प्रसाद 3. ग्राम—पाण्डेपुरा , पोस्ट—पाण्डेपुरा , थाना—लातेहार , प्रखण्ड—लातेहार 4. लिंग—पुरूष , आयु—69 वर्ष, पहचान चिन्ह—बाये हाथ के छोटी अंगुली में तील का निषान।	कंडिका—2(ix)
171.	1. आवेदन क्र0— 373 /24 2. आवेदक—राजेन्द्र साव , पिता—स्व0 जवाहर साव 3. ग्राम—मवंरा गांधी नगर , पोस्ट— मवंरा , थाना— मवंरा , प्रखण्ड— मवंरा (धनबाद) 4. लिंग—पुरूष , आयु—45 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
172.	1. आवेदन क्र0— 71 /24 2. आवेदक—बुधदेव उरॉव , पिता—स्व0 बंधु उरॉव 3. ग्राम—चेताग , पोस्ट—बालुमाथ , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—70 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
173.	1. आवेदन क्र0— 72 /24 2. आवेदक—जितू उरॉव , पिता—स्व0 चरवा उरॉव 3. ग्राम—चेताग (पचफेड़ी), पोस्ट—बालुमाथ , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—70 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
174.	1. आवेदन क्र0— 73/24 2. आवेदक—नान्हु उरॉव , पिता—बोलिया उरॉव 3. ग्राम—बनियो , पोस्ट—झावर , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—54 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
175.	1. आवेदन क्र0— 74/24 2. आवेदक—लालजी उरॉव , पिता—स्व0 भूखा उरॉव 3. ग्राम—बालू , पोस्ट—बालू , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—49 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
176.	1. आवेदन क्र0— 75/24 2. आवेदक—बिफा उरॉव , पिता—सोमा उरॉव 3. ग्राम—कोमर पार नदी , पोस्ट—बालुमाथ , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—51 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
177.	1. आवेदन क्र0— 76 /24 2. आवेदक—जगेष्वर उरॉव , पिता—सहदेव उरॉव 3. ग्राम—सैराही (बालू) , पोस्ट—बालू , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—52 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
178.	1. आवेदन क्र0— 77 /24 2. आवेदक—बनारस उरॉव , पिता—स्व0 कोठिया उरॉव 3. ग्राम—नवाडीह , पोस्ट—मैसादान , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—58 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
179.	1. आवेदन क्र0— 78 /24 2. आवेदक—चॉदमनी देवी , पति—स्व0 कैलाष उरॉव 3. ग्राम—नवाडीह , पोस्ट—मैसादान , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—महिला , आयु—53 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
180.	1. आवेदन क्र0— 79/24 2. आवेदक—कृष्णा उरॉव , पिता—स्व0 वासुदेव उरॉव 3. ग्राम—पकरी , पोस्ट—झावर , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—51 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
181.	1. आवेदन क्र0— 80/24 2. आवेदक—बासो देवी , पति—नागदेव उरॉव 3. ग्राम—पकरी , पोस्ट—झावर , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग— महिला , आयु—50 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
182.	1. आवेदन क्र0— 81/24 2. आवेदक—बालेष्वर उरॉव , पिता—स्व0 तेजू उरॉव 3. ग्राम—मारंगलोइया , पोस्ट— मारंगलोइया , थाना—मुरपा , प्रखण्ड— बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—51 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
183.	1. आवेदन क्र0— 82 /24 2. आवेदक—मिना देवी , पति—स्व0 विजय भगत उर्फ विजय उरॉव 3. ग्राम—लावागढ़ा , पोस्ट—चिरू , थाना—हेरहंज , प्रखण्ड— हेरहंज 4. लिंग— महिला , आयु—54 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
184.	1. आवेदन क्र0— 83/24 2. आवेदक—हिरामनी देवी , पति—लालू उरॉव 3. ग्राम—बनियो , पोस्ट—झावर , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग— महिला , आयु—55 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
185.	1. आवेदन क्र0— 84 /24 2. आवेदक—रामेष्वर उरॉव , पिता—स्व0 तेजू उरॉव 3. ग्राम—मारंगलोइया , पोस्ट— मारंगलोइया , थाना—मुरपा , प्रखण्ड— बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—59 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
186.	1. आवेदन क्र0— 85 /24 2. आवेदक—जलेन्द्र उरॉव , पिता—स्व0 लछ्छू उरॉव 3. ग्राम—मारंगलोइया , पोस्ट— मारंगलोइया , थाना—मुरपा , प्रखण्ड— बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—45 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
187.	1. आवेदन क्र0— 86 /24 2. आवेदक—सुनिता देवी , पति—स्व0 रघू लोहरा 3. ग्राम—हुम्बू , पोस्ट—चिरू , थाना—हेरहंज , प्रखण्ड— हेरहंज 4. लिंग—महिला , आयु—41 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
188.	1. आवेदन क्र0— 87 /24 2. आवेदक—नागेष्वर उरॉव , पिता—स्व0 सहदेव उरॉव 3. ग्राम—खैराहि बालू , पोस्ट— बालू , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—43 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
189.	1. आवेदन क्र0— 88/24 2. आवेदक—डबलू उरॉव , पिता—भीखलाल उरॉव 3. ग्राम—खैराहि बालू , पोस्ट— बालू , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—45 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
190.	1. आवेदन क्र0— 89/24 2. आवेदक—महाविर उरॉव , पिता—स्व0 सकधा उरॉव 3. ग्राम—धाघू , पोस्ट— मैसादान , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—52 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
191.	1. आवेदन क्र0— 90 /24 2. आवेदक—मंजु देवी , पति—स्व0 नागेन्द्र यादव 3. ग्राम—पूकचू , पोस्ट—डाड़ा , थाना—बरियातु , प्रखण्ड— बरियातु 4. लिंग— महिला , आयु—51 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
192.	1. आवेदन क्र0— 91 /24 2. आवेदक—जयपाल उरॉव , पिता—मूगलू उरॉव 3. ग्राम—बसिया , पोस्ट—बसिया , थाना—बालुमाथ , प्रखण्ड—बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—49 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
193.	1. आवेदन क्र0— 59 /24 2. आवेदक—अन्नुप्रिया साहु , पति—प्रकाष साहु 3. ग्राम—कुजरा , पोस्ट—कुजरा , थाना—लोहरदगा , प्रखण्ड—लोहरदगा (लातेहार) 4. लिंग— महिला , आयु—47 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
194.	1. आवेदन क्र0— 92 /24 2. आवेदक—सुरेष उरॉव , पिता—डोमन उरॉव 3. ग्राम—हेठबेसरा , पोस्ट—उदयपुरा , थाना—लातेहार , प्रखण्ड— लातेहार 4. लिंग—पुरूष , आयु— 67 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
195.	1. आवेदन क्र0— 93/24 2. आवेदक—राजेष उरॉव , पिता—सुबेदार उरॉव 3. ग्राम—हेठबेसरा , पोस्ट—उदयपुरा , थाना—लातेहार , प्रखण्ड— लातेहार 4. लिंग—पुरूष , आयु—47 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
196.	1. आवेदन क्र0— 94 /24 2. आवेदक—सर्वजीत उरॉव , पिता—रामसहाय उरॉव 3. ग्राम—कढ़िमा , पोस्ट—पाण्डेपुरा , थाना—लातेहार , प्रखण्ड— लातेहार 4. लिंग—पुरूष , आयु— 54 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
197.	1. आवेदन क्र0— 95 /24 2. आवेदक—जबरा उरॉव , पिता—भगवती उरॉव 3. ग्राम—मुक्का , पोस्ट—पाण्डेपुरा , थाना—लातेहार , प्रखण्ड— लातेहार 4. लिंग—पुरूष , आयु—70 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
198.	1. आवेदन क्र0— 96 /24 2. आवेदक—सुरजलाल उरॉव , पिता—रघु उरॉव 3. ग्राम—मुक्का , पोस्ट—पाण्डेपुरा , थाना—लातेहार , प्रखण्ड— लातेहार 4. लिंग—पुरूष , आयु—72 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
199.	1. आवेदन क्र0— 97 /24 2. आवेदक—संतोष कुमार सिन्हा , पिता—कृष्ण प्रसाद 3. ग्राम— बालुमाथ , पोस्ट— बालुमाथ, थाना— बालुमाथ , प्रखण्ड— बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—50 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
200.	1. आवेदन क्र0— 98 /24 2. आवेदक— विजय उरॉव, पिता— शंकर उरॉव 3. ग्राम— जाला , पोस्ट— सेरेगाड़ा थाना— बालुमाथ , प्रखण्ड— बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु—42 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
201.	1. आवेदन क्र0— 99 /24 2. आवेदक—दुलो देवी , पति—जगेष्वर उरॉव 3. ग्राम—खैराटी , पोस्ट—बालु , थाना— बालुमाथ , प्रखण्ड— बालुमाथ 4. लिंग— महिला , आयु—47 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)
202.	1. आवेदन क्र0— 100 /24 2. आवेदक— रामेष्वर उरॉव, पिता— दुखन उरॉव 3. ग्राम—खैराटी , पोस्ट—बालु , थाना— बालुमाथ , प्रखण्ड— बालुमाथ 4. लिंग—पुरूष , आयु— 63 वर्ष, पहचान चिन्ह—अंकित नहीं।	कंडिका—2(ix)

नोट :— 1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते है।
3.आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवष्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य (नरसिंह मुर्मू) सदस्य (दुर्गा उरॉव) अध्यक्ष

PR.NO. 322310 Home(23-24):D

संक्षिप्त समाचार

गाजीपुर बस हादसे पर ऊर्जा मंत्री ने 3 अधिकारियों को निलंबित किया, एक की सेवा खत्म कर दी

गाजीपुर, एजेंसी। यूपी के गाजीपुर जिले में सोमवार को एक बस के हाईटेंशन बिजली के तार के संपर्क में आने से बस में आग लग गई। आग से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग झुलस गए हैं। घटना की जानकारी होने पर ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने तीन अधिकारियों को निलंबित और एक की सेवा समाप्त कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही मंत्री ए.के. शर्मा ने सख्त कार्रवाई करते हुए अधिशासी अभियंता मनीष, एसडीओ संतोष चौधरी और जेई प्रदीप कुमार राय को निलंबित और लाइनमैन नरेंद्र (संविदा कर्मी) की सेवा समाप्ति के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी एवं अधीक्षण अभियंता से बात की। सभी अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाते हुए घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था सहित प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करने का निर्देश दिया। साथ ही मंत्री शर्मा पीड़ित परिवारों से स्वयं मिलने के लिए गाजीपुर और मऊ भी पहुंचे।ज्ञात हो कि गाजीपुर के मरदह थाना के 400 मीटर के पास एचटी तार के संपर्क में आने से बस में आ आग लग गई। इस हादसे में कुल पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे का शिकार हुई बस बरातियों से भरी थी। बस मऊ से एक वैवाहिक कार्यक्रम में जा रही थी, जिसमें कुल 38 बराती सवार थे।

किन्नौर में बड़ा हादसा, खराब मौसम के कारण हिमस्खलन; तीन मजदूरों की मौत

किन्नौर, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। प्रदेश के किन्नौर जिले के मुसरिंग में सोमवार को हिमस्खलन में झारखंड के तीन मजदूरों की मौत हो गई और दो अन्य मजदूर घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि भाभा घाटी इलाके में बर्फीला तूफान आने के बाद हिमस्खलन हुआ। उन्होंने बताया कि हिमस्खलन के समय बड़ी संख्या में मजदूर कार्यस्थल पर दोपहर का भोजन कर रहे थे। भाभा घाटी के तहसीलदार अरुण कुमार ने घटना की पुष्टि की है। इस घटना में तीनों मजदूरों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि झारखंड के रहने वाले सीमन किंडो और बिरया की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि झारखंड के ही रतन लाल ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ा। मिली जानकारी के अनुसार, नेपाल के रहने वाले एक मजदूर कृष्णा को गंभीर चोटें आईं और उसे रामपुर अस्पताल स्थानांतरित किया गया जबकि चंद्र नाथ को कटगांव के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। तूफान आने के बाद इलाके में हिमस्खलन हुआ था जिसमें तीनों मजदूर दब गए थे। अब तक तीन लोगों की मौत का मामला सामने आया है। भावानगर थाना प्रभारी जगदीश ठाकुर के अगुवाई में अधिकारियों और पुलिस कर्मियों की एक टीम हालात का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंची। मौसम विभाग ने 13 मार्च से पश्चिमी विक्षोभ के हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने की आशंका जताते हुए बताया कि 13 और 14 मार्च को चंबा, कुल्लू, लाहौल और स्पीति, किन्नौर और शिमला के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के मध्य और निचले पहाड़ी इलाकों में ओलावृष्टि और तूफान के साथ बारिश की भी संभावना है। इस दौरान मौमस विभाग ने प्रदेश में बारिश और बर्फबारी को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

बेटा कर्नाटक में मंत्री, अब दामाद को भेजना चाहते हैं लोकसभा, मल्लिकार्जुन खरगे ही तोड़ेंगे नियम!

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष और आईएनडीआईए अलायंस के चेयरपर्सन मल्लिकार्जुन खरगे के लोकसभा चुनाव लड़ने पर संकट के बाद मंडरा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, खरगे 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। अगर खरगे ये चुनाव नहीं लड़ते हैं तो हालिया दिनों में ऐसा पहली बार होगा, जब कांग्रेस के किसी अध्यक्ष ने चुनाव लड़ने से इनकार किया हो। अगर ऐसा होता है तो यह पार्टी और इंडिया अलायंस के लिए खतरे की घंटी हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि खरगे की सीट गुलबर्गा से उनके दामाद राधाकृष्णन दोड्डामणि को उतारा जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो खरगे पार्टी के उस नियम को खुद ही तोड़ेंगे, जिसमें कहा गया था कि एक परिवार के एक ही सदस्य को सांसद या विधायक का टिकट दिया जाएगा। हालांकि, इसकी काट में दामाद को दूसरे परिवार का सदस्य बताया जा सकता है। खरगे के बेटे प्रियांग खरगे कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार में मंत्री हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि प्रियांक लोकसभा चुनाव लड़ने को इच्छुक नहीं हैं। 2022 में उदयपुर में आयोजित चिंतन शिविर में पार्टी ने इस नियम को अपनाने पर खूब चिंतन-मंथन किया था।

मल्लिकार्जुन खरगे कर्नाटक की गुलबर्गा संसदीय सीट से दो बार लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। 2019 में वह ये सीट हार गए थे। उसके बाद वह राज्यसभा के जरिए संसद पहुंचे। फिलहाल खरगे राज्यसभा में नेता विपक्ष हैं और उनका कार्यकाल अभी चार साल बचा हुआ है। 81 वर्षीय खरगे दलित समुदाय से आते हैं। वह लोकसभा में भी नेता विपक्ष रह चुके हैं। मनमोहन सिंह की सरकार में वह रेल मंत्री और श्रम एवं रोजगार मंत्री भी रह चुके हैं।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पिछले हफ्ते तक गुलबर्गा सीट पर उम्मीदवारों के नामों की चर्चा में खरगे का नाम शामिल था लेकिन अब दावा किया जा रहा है कि खरगे इसलिए चुनाव लड़ने से खुद को किनारे कर रहे हैं क्योंकि वह किसी एक निर्वाचन क्षेत्र तक अपने को सीमित नहीं रखना चाहते हैं बल्कि पीएम मोदी और भाजपा के खिलाफ लड़ाई में पूरे देश पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं और देशभर में बतौर कांग्रेस अध्यक्ष चुनावी रैलियों को संबोधित करना चाहते हैं।

हाल के वर्षों में, सोनिया गांधी और राहुल गांधी पार्टी अध्यक्ष रहते हुए दोनों ने चुनाव लड़ा और जीता है। हालांकि, 2019 के चुनाव में राहुल गांधी को अमेठी में स्मृति ईरानी से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी तरफ, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी इस साल चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। 2014 और 2019 में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष रहे राजनाथ सिंह और अमित शाह ने भारी मतों से जीत हासिल की थी।

खाटू श्याम मेला में नियम बदले, भक्त इस बार आठ फीट से अधिक ऊंचा निशान नहीं लगा सकेंगे

सीकर, एजेंसी। राजस्थान के सीकर में स्थित खाटूश्यामजी में बाबा श्याम का वार्षिक फाल्गुन मेला 11 मार्च से शुरू हो गया है। मुख्य मेला एकादशी पर 21 मार्च को भरेगा। मंदिर कमेटी का अनुमान है कि 11 दिन चलने वाले मेले में 25 लाख भक्त आएंगे। सीकर जिला प्रशासन ने कई चीजों पर रोक लगाई गई है। बाबा खाटूश्याम के भक्त इस बार आठ फीट से अधिक ऊंचा निशान नहीं लगा सकेंगे। कांच की शीशी और डीजे पर भी रोक लगा दी गई है। श्रद्धालुओं को जूते-चप्पल गाड़ी में ही खोलकर आना पड़ेगा। भक्तों को किराए में 50प्रतिशत की छूट रहेगी। मेले में पार्किंग निःशुल्क रहेगी और नो व्हीकल जोन में किसी भी प्रकार के वाहन नहीं जा पाएंगे। मेले में डेढ़ सौ रोडवेज बसें लगी रहेंगी। वहीं प्राइवेट बसों के लिए स्थान निर्धारित कर दिया गया है। मेले के दौरान श्याम कुंड बंद रहेगा। भंडारे को लेकर के उपखंड अधिकारी से अनुमति लेनी होगी। इसके बाद ही भंडारा यहां पर किया जा सकेगा। मेले में रोडवेज से आने वाले भक्तों को किराए में 50 फीसदी की छूट मिलेगी। खाटूश्यामजी देशभर के लाखों भक्तों की आस्था का केन्द्र हैं। खाटूश्यामजी लक्खी मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए रेलवे विभाग ने जयपुर सीकर रेलवे लाइन पर जयपुर जंक्शन से नारनौल के लिए सप्ताह में मंगलवार व शनिवार को खाटूश्यामजी मेला स्पेशल ट्रेन संचालित की है। दरबार में दिल्ली के इंडिया गेट की झांकी का दीदार होगा। श्याम दरबार को सजाने में देसी व विदेशी वस्तुओं का उपयोग किया जा रहा है। मुख्य कारीगर अविराम पात्रा व ठेकेदार मधुसूदन ने बताया कि 4 लाख के करीब रंग - बिरंगे आर्टिफिशियल फूल व लटकन चाइना से मंगवाए गए है। 1000 थर्माकोल, 700 पीस प्लाई, 2000 बांस, 10000 मीटर रंग-बिरंगा कपड़ा, कोलकाता लटकन 1 ट्रक, दिल्ली व कोलकाता से सुगंधित फूल, 2 क्विंटल कील, 2 क्विंटल तार आदि सामान काम में लिया जा रहा है।

पूर्वांचल में 'बाघ' की सवारी का बढ़ा क्रेज, आक्यूपेंसी के मामले में टूटा पुराना रिकॉर्ड

गोरखपुर, एजेंसी। पूर्वोत्?तर रेलवे (एनईआर) में 'बाघ' की सवारी का क्रेज बढ़ता ही जा रहा है। एनईआर के गोरखपुर से गुजरने वाली इस ट्रेन में भीड़भाड़ का रिकार्ड लगातार बढ़ता ही जा रहा है। आक्यूपेंसी के मामले में बाघ एक्सप्रेस की बादशाहत लगातार दूसरी बार भी बरकरार है। हैरान करने वाली बात तो यह है कि इस ट्रेन ने अपने ही रिकार्ड को ब्रेक कर दिया है। इस ट्रेन की आक्यूपेंसी मार्च 2024 में 253 है जबकि पिछली बार इसकी आक्यूपेंसी 250 थी।

हावड़ा से गोरखपुर होते हुए उत्तराखण्ड के काठगोदाम तक जाने वाली बाघ एक्सप्रेस ने सारे रिकार्ड तोड़ दूसरी बार सबसे अधिक भीड़-भाड़ (आक्यूपेंसी) वाली ट्रेन का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। बाघ एक्सप्रेस की आक्यूपेंसी 253 के पार पहुंच गई है। मसलन 100 फीसदी के अनुपात में इस ट्रेन में 250 फीसदी यात्रियों का लोड है। ऐसा पहली बार है जब किसी ट्रेन की आक्युपेंसी (सीट के सापेक्ष यात्रियों की संख्या) 253 फीसदी पहुंच गई हो। हावड़ा से काठगोदाम तक जाने वाली बाघ एक्सप्रेस की पंक्चुअल्टी जहां 93 है वहीं आक्यूपेंसी 253 फीसदी है। यह अपने आप में एक नया रिकार्ड है। कोविड के बाद ट्रेनों की टाइमिंग में लगातार सुधार होता जा रहा था। तमाम ब्लॉक के बाद भी ट्रेनों की पंक्चुअल्टी 85 से 90 के बरकरार रही। ऐसा पहला अवसर है जब फरवरी महीने में ट्रेनों की आक्युपेंसी 200 के पार पहुंच गई है। यह आक्यूपेंसी मई-जून और फिर त्योहारों के समय रहता है। ट्रेनों पंक्चुअल्टी और आक्यूपेंसी बढ़ने से रेल कर्मचारी और अधिकारी काफी उत्साहित हैं। हैरान करने वाली बात तो यह है कि स्लीपर और एसी क्लास के आक्यूपेंसी में कोई खास अंतर नहीं है। बाघ एक्सप्रेस में स्लीपर की आक्यूपेंसी जहां 259 है वहीं एसी-थ्री की आक्यूपेंसी 201 फीसदी है। कोलकता से चलकर काठगोदाम तक जाने वाली बाघ एक्सप्रेस अभी भी पारंपरिक बोगियों के साथ ही चल रही है। लगभग सभी ट्रेनें एलएचबी रेक से चल रही हैं।

केरल में तेजी से फैल रही गलसुआ की बीमारी, एक दिन में आए 190 मरीज

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल में मम्प्स तेजी से फैल रहा है। इसे हिंदी में कंठमाला या गलसुआ के नाम से भी जानते हैं। जानकारी के मुताबिक राज्य में एक दिन में ही 190 मामले सामने आए। वहीं मार्च के महीने में अब तक 2505 लोग इस वायरस की चपेट में आ चुके हैं। दो महीने के भीतर ही 11467 मरीज रिपोर्ट हुए हैं। केरल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि राज्य में नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल को भी अलर्ट कर दिया गया है।

बता दें कि मम्प्स एक वायरस पैरामिक्सोवायरस की वजह से फैलता है। यह संपर्क में आने से या फिर हवा में वॉटर ड्रॉप्लेट्स के माध्यम से ट्रांसफर हो सकता है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बीमारी पैदा कर सकता है। प्रभावित होने के तीन से चार घंटे के बाद इसके लक्षण नजर आने लगते हैं। कई बार इसके लक्षण दो से तीन सप्ताह बाद दिखाई देते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि वायरस से संक्रमित होने के बाद भी लक्षण ना दिखाई दें। इसमें बुखार, सिर दर्द, थकान, शरीर में दर्द, सलावरी ग्लैंड में सूजन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। 70 फीसदी केसों में गालों में सूजन आ जाती है। इस बीमारी को चिपमंक चीक्स के नाम से भी जाना जाता है।

दिमाग को भी कर सकता है प्रभावित

इस बीमारी के असर वैसे तो गंभीर नहीं होते लेकिन कुछ दुर्लभ मामलों में यह दिमाग, पेन्क्रीज और टेस्टिकल्स को भी प्रभावित कर सकता है। इससे दिमाग में सूजन आने का खतरा बना रहता है। यह ज्यादातर किशोरों को प्रभावित करता है। केरल के मलाप्पुम में मम्प्स के ज्यादातर केस रिपोर्ट हो रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बच्चों को मम्प्स की वैक्सीन प्राइवेट सेंटर पर लगवाई जा सकती है। मम्प्स होने की संभावना कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोगों को ज्यादा होती है। इसका उपचार भी कठिन बताया जाता है क्योंकि यह एंटीबायोटिक दवाओं से जल्दी ठीक नहीं होता। जानकारों का कहना है कि मम्प्स होने पर एसिड वाले खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। वहीं बुखार की वजह से डिहाइड्रेशन हो सकता है इसलिए पर्याप्त पानी या तरल लेते रहना चाहिए। वहीं संक्रमित होने के बाद पर्याप्त आराम करना चाहिए। आसानी से निगली जा सकतने वाली चीजें खानी चाहिए। इसके अलावा तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में 28 अधिकारियों तबादला, सरकार ने 91 पुलिस कर्मियों को भेजा एनआईए

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले प्रदेश सरकार ने बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल की है। प्रदेश में पुलिस विभाग में पदस्थ एसपी, सीएसपी, डीएसपी और एसडीओपी का तबादला किया गया है। जिसमें 3 आईपीएस समेत 25 छत्तीसगढ़ पुलिस सेवा के अधिकारी शामिल है।

छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस सेवा में पदस्थ जिन अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है उनमें डीएसपी सपन चौधरी को पुलिस मुख्यालय नया रायपुर से डीएसपी ऑपरेशन डीआरजी सुकमा, डीएसपी उदयन बेहार को पुलिस मुख्यालय बिलासपुर से हटाकर डीएसपी नक्सल अभियान कोंटा जिला सुकमा, कृष्ण कुमार पटेल को बिलासपुर से हटाकर डीएसपी ऑपरेशन जिला दंतेवाड़ा, डीएसपी कृष्णकांत वाजपेई को कुरुद जिला धमतरी से डीएसपी कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला सुकमा, डीएसपी राजीव कुमार शर्मा को दुर्ग से डीएसपी कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक कांकेर रेंज, डीएसपी विश्व दीपक त्रिपाठी को भिलाई नगर से पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशलूर जिला बस्तर, डीएसपी मनोज कुमार ध्रुव को नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन रायपुर से पुलिस अधीक्षक कार्यालय जिला महासमुंद, डीएसपी दिनेश कुमार सिंह को उप पुलिस अधीक्षक क्राइम जिला रायपुर से डीएसपी बीजापुर, डीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी को पुलिस मुख्यालय नया रायपुर से नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई, डीएसपी दीपक मिश्रा को रायगढ़ से डीएसपी गौरेला पेंड्रा मरवाही, डीएसपी आशीष कुमार बंछोर को नगर पुलिस अधीक्षक छावनी भिलाई से डीएसपी जिला बीजापुर, डीएसपी परवेज अहमद कुरेशी रायपुर से डीएसपी नारायणपुर, डीएसपी कल्पना वर्मा को नगर पुलिस अधीक्षक माना रायपुर से पुलिस अधीक्षक कार्यालय जिला दंतेवाड़ा भेजा गया है।

अमेरिका में था परिवार तो डॉक्टर पत्नी ने मायके में जाकर की आत्महत्या, जिला अस्पताल की थी मेडिकल ऑफिसर

बिलासपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर के जिला अस्पताल में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर पूजा चौरसिया ने अपने मायके में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। आत्महत्या करने वाली मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर पूजा के पति भी डॉक्टर हैं। बताया जा रहा है कि पूजा चौरसिया सिरगिट्टी थाना क्षेत्र स्थित अपने माता-पिता के घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। जिस वक्त महिला ने आत्महत्या की उस वक्त घर पर कोई मौजूद नहीं था।

बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल की मेडिकल ऑफिसर पूजा चौरसिया अपने पति अनिकेत कौशिक के साथ सरकंडा थाना क्षेत्र में रहते थे। महिला का पति डॉक्टर अनिकेत कौशिक भी सरकारी डॉक्टर हैं और वह भी जिला अस्पताल में पदस्थ हैं। वही पूजा चौरसिया का मायका सिरगिट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत आता है, उनकी मां व भाई अमेरिका में रहते हैं। बताया जा रहा है कि अनिकेत और पूजा ने प्रेम विवाह किया था। 4 साल पहले इनका विवाह हुआ था, लेकिन फिलहाल उनकी कोई

अब तक संतान नहीं थी। पिछले कुछ दिनों से डॉक्टर पूजा अपने मायके में अकेली रह रही थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती रविवार की रात पूजा चौरसिया ने अपने मायके में आत्महत्या की है। जैसे ही पुलिस को इस बात की सूचना मिली पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके अलावा यह बताया जा रहा है कि पूजा चौरसिया के पति अनिकेत चौरसिया रविवार की रात छुट्टी पर थे। इसी दौरान करीब रात 9 बजे के आसपास डॉ पूजा ने अपने मायके में फांसी लगाकर आत्महत्या की है।

महाराष्ट्र में 31 पर भाजपा एवं 13 सीटें शिवसेना लड़ सकती है चुनाव?

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन यानी भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार कैंप) के बीच सीट शेयरिंग पर मुहर लगने की खबरें हैं। हालांकि, अब तक किसी ने भी आधिकारिक तौर पर आंकड़ों का खुलासा नहीं किया, लेकिन अटकलें हैं कि तीनों दल राज्य 48 सीटों पर उम्मीदवारों को उतारने के लिए तैयार हैं। भाजपा मंगलवार को उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर सकती है।

एक रिपोर्ट में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कैंप के सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि भाजपा 31, शिवसेना 13 और एनसीपी 4 सीटों पर लड़ेगी। सूत्रों ने कहा, महायुति गठबंधन समझौते पर पहुंच गया है, जहां भाजपा 31 सीटों, शिवसेना 13 और अजित पवार की एनसीपी 4 सीटों पर लड़ेगी। पवार

को बारामती, शिरूर और रायगढ़ के साथ-साथ परभणी भी दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शिवसेना 13 सीटों पर मैदान में उतरेगी, जिसके बदले में भाजपा को मुंबई की 5 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का मौका मिलेगा। खबर है कि शिंदे सेना ने उत्तर-पश्चिम मुंबई सीट के स्थान पर ठाणे सीट चुनी है। इसे सीएम शिंदे का गढ़ भी माना जाता है। सूत्रों के मुताबिक, डील के तहत शिंदे सेना दक्षिण मध्य लोकसभा सीट से मैदान में उतरेगी। फिलहाल, यहां से राहुल शेवाले सांसद हैं। खबरें हैं कि शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) ने यहां अनिल देसाई को उम्मीदवार बनाने की तैयारी की है। उन्होंने अब तक आधिकारी तौर पर कुछ नहीं कहा है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चर्चा के दौरान सीएम शिंदे को मनाने में सफल रहे। सूत्रों ने कहा, शाह के साथ मुंबई में हुई बैठक में शिंदे ने शुरुआत में 18 सीटों की मांग की थी, जिसे सेना ने 2019 में जीता था। इसके बाद वह 15 पर आए। अंत में शाह दिल्ली में हुई बैठक में 13 सीटों पर मान गए थे।

रमजान में नमाजियों के लिए रात में खुलेगा ताजमहल, तरावीह के लिए मिली अनुमति

आगरा, एजेंसी। पूरे देश में सोमवार की शाम रमजान का चांद देखा गया। मंगलवार को पहला रोजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रमजान की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सभी को रमजान की शुभकामनाएं। वहीं आगरा में रमजान के महीने में ताजमहल स्थिति मस्जिद में नमाजियों को तरावीह करने की अनुमति दी गई है। इस बार इंतजामिया कमेटी के पांच लोगों को छोड़कर अन्य नमाजियों के मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अधीक्षण पुरातत्विवद डॉ. राजकुमार पटेल ने आदेश जारी कर कहा है कि रमजान के महीने में रात 8:30 से 11 बजे तक ताजमहल को तरावीह के लिए खोला जाएगा। इसके लिए ताजमहल मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष सैय्यद इब्राहीम जैदी ने पत्र दिया था। जिसके आधार पर नमाजियों को तरावीह करने के लिए अनुमति प्रदान कर दी गई है। तरावीह करने के लिए जाने वाले नमाजियों को ताज के पूर्वी गेट से प्रवेश दिया जाएगा और इसी द्वार से वह बाहर निकलेंगे। ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक प्रिंस वाजपेयी ने बताया कि तरावीह के लिए जाने वाले नमाजियों को अपने साथ आधार कार्ड लाना होगा। इस दौरान द्वार पर तैनात एएसआई कर्मचारी द्वारा नमाजी का मोबाइल नंबर, पता और आधार कार्ड नंबर नोट करेगा।

उसके बाद ही प्रवेश करने की अनुमति मिलेगी। नमाजी स्थानीय ही होना चाहिए। उन्होंने बताया कि सोमवार को तरावीह के लिए 58 नमाजी ताजमहल के अंदर गए। वाजपेयी ने बताया कि रमजान के महीने में ताजमहल रात में 8:30 से 11 बजे तक खुलेगा, लेकिन पूर्णिमा के दौरान पांच दिन रात में आम सैलानी दीदार नहीं कर सकेंगे।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टैंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)